खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 07 जुलाई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-186

भारतीय संस्कृति और हिंदू धर्म को प्रदूषित करने की चल रही कोशिशें

यूपी में पकड़ा गया विदेशी फंडिंग से चल रहा खतरनाक गिरोह

ब्राह्मण क्षत्रिय लड़कियों को मुसलमान बनाओ, 16 लाख पाओ

दलित लड़कियों को मुस्लिम बनाने पर मिलते हैं 12 लाख

इस्लामिक देशों की अनगिनत यात्राएं कर चुका है सरगना

फौरी जांच में ही सौ करोड़ की विदेशी फंडिंग का खुलासा

लखनऊ, 06 जुलाई (ब्यूरो)। भारत को संस्कृति और धार्मिक रूप से प्रदूषित करने की साजिशें काफी गहराई से काम कर रही हैं। इसमें भारत के नस्लदूषित तत्व सक्रिय हैं और उन्हें विदेशी षडयंत्रकारियों से अंधाधुंध पैसा मिल रहा है। इसके लिए बाकायदा गिरोह बना कर पूरे देशभर में काम हो रहा है। निहायत ही निकृष्ट स्तर पर उतर कर यह गिरोह हिंदू लड़कियों को मुसलमान बनाने का काम कर रहा है। ताकि हिंदू धर्म को पूरी तरह से संक्रमित किया जा सके। भारत में रह रही लेकिन विदेशी फंडिंग पर फल रही दोगली जमात ने हिंदू या अन्य गैर मुस्लिम धर्म की लड़कियों को मुसलमान बनाने के लिए बाकायदा रेट फिक्स कर रखी है। ब्राह्मण या क्षत्रिय समाज की लड़कियों को फंसाने और उनका धर्म बदलवाने पर 15 से 16 लाख रुपए दिए जाते हैं। हिंदू दलित लड़कियों को फंसाने और उनका धर्म बदलवाने पर 10 से 12 रुपए दिए जाते हैं। गिरोह के पास इतने पैसे कहां से आते हैं? उत्तर प्रदेश पुलिस के एंटी टेररिस्ट स्कावड ने धर्मांतरण गिरोह के सरगना जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को गिरफ्तार कर विदेशों से मिली 100 करोड़ रुपए की फंडिग का खुलासा किया है। सौ करोड़ रुपए की इस फंडिंग का खुलासा तो अभी शुरुआती है। जैसे जैसे इसकी पर्तें खुल रही हैं, भयंकर बाते सामने आती जा रही हैं। छांगुर बाबा की सहयोगी नीतू उर्फ नसरीन को भी गिरफ्तार किया गया है। गिरोह सरगना समेत इसके सदस्य सैकड़ों बार विभिन्न इस्लामिक देशों की यात्रा कर चुके हैं। गैंग के सदस्यों ने 40 से भी ज्यादा बैंक खाते खुलवा रखे थे, जिनमें 100 करोड़ से अधिक राशि का लेन देन हुआ। इस गिरोह को विदेश से इतनी अकूत फंडिंग हुई कि उससे करोड़ों रुपए की सम्पत्ति, शोरूम, बंगला, लग्जरी गाड़ियां, जेवरात और जमीनें खरीदी जा रही थीं।

शुभ-लाभ सरोकार

ऐसे खतरनाक षडयंत्र पर काम करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करने में योगी सरकार को बड़ी सफलता मिली है। यूपी एटीएस ने अवैध रूप से धर्म परिवर्तन कराने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड और 50,000 रुपए के इनामी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को गिरफ्तार कर लिया है। एटीएस ने मास्टरमाइंड के साथ उसके साथी नीतू उर्फ नसरीन को भी गिरफ्तार किया है। वहीं एटीएस द्वारा गिरोह के दो सदस्यों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

यूपी के एडीजी (लॉ एंड आर्डर) अमिताभ यश ने बताया कि बलरामपुर के ग्राम मधपुर में पीर साहब, नसरीन, जमालुददीन, महबूब आदि के नाम से ▶10पर

ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने ब्राजील पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी

नरेंद्र मोदी के लिए ब्राजील की गर्मजोशी दुनिया ने देखी

रियो डी जेनेरियो (ब्राजील), 06 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज ब्राजील पहुंचे। ब्राजील में प्रधानमंत्री मोदी का भव्य स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा से मुलाकात की। दोनों बड़ी ही गर्मजोशी से मिले और गले मिल कर पूरी दुनिया को बड़ा संदेश दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, रियो डी जेनेरियो में इस वर्ष के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी के लिए मैं राष्ट्रपति लूला का आभारी हूं। ब्रिक्स आर्थिक सहयोग और वैश्विक भलाई के लिए एक शक्तिशाली ताकत बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि कुछ अनजान वजहों से ब्रिक्स सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग नहीं पहुंच रहे हैं। ब्राजील पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अनोखे अंदाज में गणेश वंदना ओम गं गणपतये नमः के मंत्रोच्चार के साथ स्वागत किया गया। ब्राजील के स्थानीय म्यूजिकल ग्रुप की इस प्रस्तुति में पारंपरिक भारतीय लय को ब्राजील के संगीत के साथ मिलाया गया, जिसमें महिला और पुरुष कलाकार शामिल थे। इससे पूरी तरह भक्ति और सम्मान का माहौल बन गया। हाथ जोड़कर मुस्कुराते हुए प्रधानमंत्री मोदी भावविभोर नजर आए।औपचारिक स्वागत के बाद पीएम मोदी ने व्यक्तिगत रूप से कलाकारों से मुलाकात की। ▶10पर

ब्राजील के राष्ट्रपति लूला ने पीएम मोदी को गले लगाया

लूला ने मोदी को गले लगा कर चीन को भी दिया संदेश

स्थानीय निकाय चुनाव के पहले ओबीसी आरक्षण का मामला गरम

राजनीतिक दलों में ओबीसी से श्रेय लेने की होड़

हैदराबाद, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में सभी राजनीतिक पार्टियां स्थानीय निकाय चुनाव में पिछड़ा वर्ग आरक्षण के मुद्दे पर लाभ लेने के लिए एक दूसरे से होड़ मचाए हुई हैं। उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को तीन महीने में स्थानीय निकाय चुनाव कराने का निर्देश दिया है। ऐसे में सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी और विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भाजपा तीनों ही पार्टियां आरक्षण के मुद्दे का फायदा उठाना चाहती हैं। कांग्रेस और बीआरएस, भाजपा पर दबाव बना रही है कि वह केंद्र सरकार से आरक्षण विधेयक को मंजूर कराए। राज्य विधानसभा से तेलंगाना में ओबीसी आरक्षण बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने का विधेयक पारित हो गया है। भाजपा का कहना है कि ओबीसी आरक्षण लागू करना राज्य सरकार के हाथ में है।

बीआरएस एमएलसी के कविता ने तो इस मुद्दे पर 17 जुलाई को रेल रोको अभियान का आह्वान किया है ताकि केंद्र सरकार पर दबाव बनाया जा सके। साथ ही कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भी पत्र लिखा है, जिसमें राज्य सरकार को निर्देश देने की मांग है कि 42 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण लागू करने के बाद ही राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव होने चाहिए। के कविता ने ओबीसी आरक्षण को लेकर कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की चुप्पी पर भी सवाल उठाए हैं। तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने के कविता की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए पूछा है कि जब राज्य में 10 साल उनके पिता यानि ▶10पर

एक दूसरे के सिर पर उछाल रहे हैं टोपियां

संदेशखाली हिंसा की जांच सीबीआई के हवाले

टीएमसी नेता शाहजहां शेख है मुख्य आरोपी

कोलकाता, 06 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में चुनाव बाद हुई हिंसा के दौरान वर्ष 2019 में भाजपा के तीन कार्यकर्ताओं प्रदीप मंडल, देवदास मंडल और सुकांत मंडल की बेरहमी से हत्या की जांच अब सीबीआई करेगी। सीबीआई ने आधिकारिक तौर पर इस मामले की जांच अपने हाथ में लेते हुए एक एफआईआर दर्ज की है। तीन भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या की जांच के लिए 30 जून को कोलकाता हाई कोर्ट के जस्टिस जॉय सेनगुप्ता सीबीआई को निर्देश दिया था। इसके साथ ही हाई कोर्ट ने सीबीआई के अंदर भी एक स्पेशल टीम बनाने को कहा था। कोर्ट ने इसे अत्यंत वीभत्स करार दिया था। हाई कोर्ट ने इस मामले को कितनी गंभीरता से लिया है, इस बात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस मामले की जांच की निगरानी का जिम्मा सीबीआई की ज्वाइंट डायरेक्टर को करने को कहा है। ▶10पर

बांग्लादेश महिला परिषद ने पेश किए सनसनीखेज आंकड़े

छह महीने में 1555 महिलाएं हिंसा का शिकार

ढाका, 06 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश में शेख हसीना के जाने के बाद जो अराजकता फैली, उसके शिकार हिंदू हुए। हिंदू महिलाओं पर जुल्म ढाए गए। महिलाओं के साथ बलात्कार से लेकर भीड़ में भी पीटे जाने की घटनाएं हुईं। मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार हिंदू विरोधी हिंसा को रोकने के बजाय उसे और भड़काने में लगी रही। बांग्लादेश में महिलाओं की क्या स्थिति है, इस बारे में बांग्लादेश महिला परिषण की ताजा रिपोर्ट ने सनसनीखेज खुलासा किया है। बांग्लादेश के चप्पे-चप्पे से वहां हुई घटनाओं का शोध करने के बाद जुटाए गए तथ्यों को आधार पर बांग्लादेश महिला परिषद ने रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट में लिखा है कि कैसे जून के ही महीने में

अकेले 203 महिलाएं हिंसा का शिकार हुई हैं। इनमें 87 बच्चियां शामिल हैं। इनमें से 43 बच्चियों सहित 65 महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ था। 5 बच्चियों सहित 8 महिलाओं के साथ सामूहिक बलात्कार हुआ और 3 महिलाओं की बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई। 7 बच्चियों के साथ बलात्कार का प्रयास हुआ।

जून में ही दो महिलाओं ने बलात्कारियों की छेड़खानी और लगातार पीछा किए जाने की वजह से आत्महत्या कर ली। इसके अलावा 13 बच्चियों समेत 68 महिलाओं की अलग-अलग वजहों से हत्या कर दी गई। दो बच्चियों समेत 11 महिलाओं की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हो गई। एक महिला पर तेजाब से हमला किया गया, जबकि तीन महिलाएं झुलस गईं, जिनमें से दो की मौत हो गई। जो पीड़ित महिलाएं हैं, उनमें दिव्यांग महिलाएं भी हैं। मई में बलात्कार के 59 मामले सामने आए थे। मई महीने से अज्ञात शव मिलने की संख्या में भी वृद्धि हुई है और साथ ही राजनीतिक हिंसा में भी कमी नहीं आई है। ▶10पर

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के बयान ने सबको चौंकाया

कभी भी हो सकता है विश्व युद्ध

सुपर पावर देशों की तानाशाही से टकराव का माहौल

नागपुर, 06 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के बयान ने सबको चौंका दिया है। गडकरी ने कहा कि विश्व युद्ध कभी भी शुरू हो सकता है। उन्होंने कहा कि सुपर पावर देशों की तानाशाही के रवैये से टकराव का माहौल बन गया है और टकराव कभी भी किसी भी समय भीषण युद्ध के रूप में तब्दील हो सकता है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने दुनिया में संघर्ष की स्थिति पर चिंता जताई और कहा कि यह स्थिति सुपर पावर देशों की तानाशाही की वजह से उत्पन्न हुई है। यह कभी भी विश्व युद्ध में बदल सकता है। गडकरी ने कहा, दुनिया में रूस-यूक्रेन और इजराइल-ईरान जैसे युद्धों के कारण टकराव का माहौल बन गया है। ऐसी स्थिति बन रही है कि कभी भी विश्व युद्ध छिड़ सकता है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी नागपुर में बीयॉन्ड बॉर्डर्स नाम के पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि बड़ी महाशक्तियों की तानाशाही और अधिनायकवाद के चलते दुनिया से समन्वय, सौहार्द ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32^0

न्यूनतम : 24^0

वैश्विक शक्ति बनने की तैयारी में हैं भारत की तीनों सेनाएं

आ रहे हैं 10 खरब, 26 अरब, 01 करोड़, 86 लाख के हथियार

रक्षा क्षमता बढ़ाने और घरेलू उद्योग मजबूत करने की कवायद

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेंसियां)। भारत ने 10 खरब, 26 अरब, 01 करोड़, 86 लाख के हथियार यानि 12 बिलियन डॉलर के हथियार और गोला-बारूद की खरीद को मंजूरी देने के ऐतिहासिक फैसले के साथ अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा दिया है। 3 जुलाई को भारतीय रक्षा मंत्रालय द्वारा घोषित व्यापक खरीद पैकेज का उद्देश्य भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना में परिचालन तत्-परता को बढ़ाना है, साथ ही अपने घरेलू रक्षा विनिर्माण आधार को मजबूत करने के प्रयासों को मजबूत करना है।

भारत की रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) द्वारा अनुमोदित इन स्वीकृतियों में उन्नत सैन्य उपकरणों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। इनमें बख्तरबंद रिकवरी वाहन, अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, एकीकृत सामान्य इन्वेंट्री प्रबंधन प्रणाली और सेना के लिए सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें शामिल हैं। भारतीय नौसेना को समुद्री सुरक्षा और महत्वपूर्ण शिपिंग लेन की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण मूर्ड माइंस, माइन काउंटर मेजर वेसल, सुपर रैपिड गन माउंट और सबमर्सिबल ऑटोनॉमस वेसल खरीदने की भी हरी झंडी मिल गई है। रक्षा मंत्रालय ने इस बात पर प्रकाश डाला है कि यह खरीद नौसेना और व्यापारिक जहाजों दोनों के लिए उत्पन्न जोखिमों को काफी हद तक कम कर देगी। जैसे-जैसे भारत के रणनीतिक हित हिंद महासागर और उससे आगे तक फैलते जा रहे हैं, समुद्री व्यापार मार्गों और प्रादेशिक जल की सुरक्षा सुनिश्चित करना एक सर्वोच्च प्राथमिकता बन गई है। उन्नत माइन युद्ध और जवाबी उपायों को शामिल करना उभरते नौसैनिक खतरों की पहचान को दर्शाता है, जिसमें वाणिज्यिक और सैन्य नौवहन को बाधित करने वाली नौसैनिक माइनों का जोखिम भी शामिल है।

भारत रक्षा उपकरणों के सबसे बड़े वैश्विक आयातकों में से एक बना हुआ है, यह 12 बिलियन डॉलर का पैकेज आत्मनिर्भरता और घरेलू विनिर्माण ▶10पर

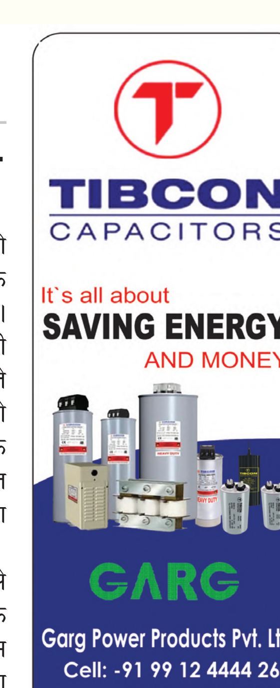

अमेरिकी लोगों को असली आजादी लौटाने का वादा कर एलन मस्क ने की नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा

वॉशिंगटन, 06 जुलाई (एजेंसियां) । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व करीबी सहयोगी रहे टेस्ला के मालिक और दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क ने शनिवार को यह कहते हुए नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा की कि अमेरिका की वन-पार्टी सिस्टम को चुनौती देना जरूरी है। साल 2024 के चुनाव में मस्क, ट्रंप के सबसे बड़े दानकर्ता थे, लेकिन दोनों में वन बिग ब्यूटीफुल बिल को लेकर अनबन के बाद मस्क की राह अलग हो गई।

एलन मस्क ने शनिवार को खुद की राजनीतिक पार्टी की घोषणा कर सभी को चौंका दिया। उन्होंने शनिवार को घोषणा की कि वे 'अमेरिकन पार्टी' शुरू कर रहे हैं, जो अमेरिकी नागरिकों को उनकी आजादी लौटाने के लिए बनाई गई है। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा- जब बात बर्बादी और भ्रष्टाचार से हमारे देश को दिवालिया बनाने की आती है, तो हम बन पार्टी सिस्टम में रहते हैं, लोकतंत्र में नहीं। उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी अमेरिका के लोगों के लिए असली राजनीतिक विकल्प बनेगी।

मस्क ने नई राजनीतिक पार्टी बनाने का फैसला उस समय किया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनके रिश्ते बेहद खराब हो चुके हैं।

वे साल 2024 के चुनाव में ट्रंप की पार्टी के सबसे बड़े न केवल दानकर्ता थे बल्कि सबसे भरोसेमंद सहयोगियों में थे। हालांकि जल्द ही दोनों के बीच वन बिग ब्यूटीफुल बिल को लेकर ऐसे मतभेद हुए कि राहें जुदा हो गई। मस्क ने इस बिल से अमेरिकी कर्ज में भारी वृद्धि का दावा करते हुए चुनौती दी कि अगर ट्रंप ने इस बिल को पास किया तो वो नई राजनीतिक पार्टी बना लेंगे। लिहाजा, वन बिग ब्यूटीफुल बिल जैसे ही पास हुआ, मस्क ने नई राजनीतिक पार्टी की घोषणा कर दी।

न्यूज ब्रीफ

इजरायल से संघर्ष के बाद ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई पहली बार सार्वजनिक रूप से दिखे

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई इसराइल के साथ हुए ईरान के 12 दिनों के संघर्ष के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से सामने आए। 5 जुलाई को मुहर्रम के मातम जुलूस में उन्हें देखा गया। तेहरान में आशूरा की पूर्व संध्या पर मुहर्रम के मातम जुलूस में खामनेई पहुंचे। खामेनेई 13 जून को इजराइली हमलों के बाद से सार्वजनिक रूप से नहीं दिखे थे। तेहरान टाइम्स के मुताबिक ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई 5 जुलाई को मुहर्रम के मातम जुलूस में शामिल हुए। मुहर्रम की 10वीं तारीख को आशूरा कहा जाता है।तेहरान में आशूरा की पूर्व संध्या पर मुहर्रम के मातम जुलूस में खामेनेई सार्वजनिक रूप से दिखे। ईरान और इजराइल के बीच 12 दिनों तक सैन्य संघर्ष चला जो 24 जून को खत्म हुआ। इस संघर्ष के दौरान खामनेई सार्वजनिक रूप से नहीं दिखे थे। कड़ी सुरक्षा के बीच वे अज्ञात स्थान पर थे। इस संघर्ष के दौरान खामेनेई की सुरक्षा को लेकर खासी चिंता थी क्योंकि इसराइल के हमले में कई शीर्ष ईरानी कमांडर और परमाणु वैज्ञानिकों की मौत हो गई थी। इसराइल के साथ इस संघर्ष के दौरान खामेनेई के कुछ वीडियो संदेश आए। उनके किसी बंकर में छिपे होने का अनुमान लगाया जा रहा था। उल्लेखनीय है कि इजराइल ने 13 जून से ईरान पर लगातार हमले किए।खास तौर पर 22 जून को इजराइल के समर्थन में अमेरिका के उतरने के बाद स्थितियां काफी बिगड़ गई। अमेरिका ने ईरान में 3 परमाणु ठिकानों फोर्डो, नतांज और इस्फहान पर हमला किया। इस हमले में ईरान के परमाणु ठिकाने, रक्षा प्रणालियों, सेना के बड़े अधिकारियों और परमाणु वैज्ञानिकों को निशाना बनाया गया। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल पर 550 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं।

एक नहीं 700 जहरीले सांपों के काटने के बाद भी जिंदा है शख्स

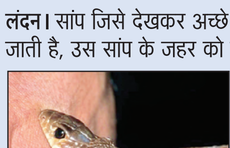

लंदन। सांप जिसे देखकर अच्छे अच्छो की रुह कांप जाती है, उस सांप के जहर को एक शख्स आसानी से सह जाता है उसने एक ही नहीं ऐसे 700 सांपों के जहर को अपने शरीर में प्रवेश कराया है, फिर भी वह जिंदा है। यही वजह है कि उसे नागराज भी कह सकते हैं। उसकी इस अद्भुत शक्ति को देखकर वैज्ञानिक भी हैरान है और उन्होंने उस शख्स का खून निकालकर उस पर रिसर्च शुरू कर दी। वैज्ञानिकों ने उसका खून निकाल की रिसर्च और बना ली एंटी-वेनम मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिकों ने इस शख्स के खून से एंटी-वेनम यानि सांप के जहर का इलाज बनाया है, जो कई तरह के जहरीले सांपों के काटने से सुरक्षा देता है। इस खोज ने एंटी वेनम डोज के क्षेत्र में तहलका मचा दिया है। इस शख्स का 40 मिलीलीटर खून अरबों एंटीबॉडी बनाने के लिए किया गया। उन्होंने चूहों पर इसका टेस्ट किया जो कामयाब रहा। इस शख्स का नाम है टिम फ्राइड, जिसने खुद को लंबे समय तक सांप के जहर के खिलाफ मजबूत किया है। टिम ने खुद को सांप के जहर की बढ़ती खुराकें दीं ताकि अगर कभी सांप ने उसे काटे, तो वह बच जाएं। करीब 20 सालों में उसने 700 से ज्यादा बार कई खतरनाक सांपों का जहर खुद में प्रवेश करवाया है। अब वह कोबरा, ब्लैक मेंबा, टाइपान जैसे सबसे खतरनाक सांपों के काटने के बाद भी जिंदा है। वैज्ञानिकों ने टिम फ्राइड के सिर्फ 40 मिलीलीटर खून से अरबों एंटीबॉडी बना लिए हैं। उन्होंने इन एंटीबॉडीज को चुना और चूहों पर इसका टेस्ट किया। इसके नतीजे आश्चर्यजनक आए।

जान बचाने विमान के पंखों पर कूदे यात्री, डेढ़ दर्जन से अधिक घायल

लंदन। मेजरका पाल्मा हवाई अड्डे से मैनचेस्टर के लिए रयानएयर की उड़ान को गलत फायर अलॉर्म के कारण रोक दिया गया। टर्मिनल पर लौटने से पहले विमान से उतरते समय कुछ यात्री घायल हो गए। यात्रियों को विमान के एक पंख से विमान को छोड़कर टर्मिनल पर कूदते हुए वीडियो में कैद किया गया। भयभीत यात्रियों को भागने की जल्दी में विमान के एक पंख से छलांग लगाते हुए वीडियो में देखा गया। इस घटना के कारण एयरपोर्ट पर बहुत तनाव पैदा हो गया था। यात्रियों को विमान के पंख से कूदते हुए देखा गया था, जो कथित तौर पर डर के कारण ऐसा कर रहे थे। बाद में अधिकांश यात्री विमान से व्यवस्थित ढंग से बाहर निकले। रयानएयर ने पुष्टि की कि ये उड़ान गलत फायर अलार्म के कारण रद्द कर दी गई थी। जबकि दमकल दल और पुलिस घटनास्थल तत्काल पहुंचे। क्षेत्रीय हेल्थ इमरजेंसी रिस्पॉन्स ने कहा कि 18 लोगों को मामूली चोटों के कारण मदद की जरूरत देखी गई है। खबरों में बताया गया कि छह लोगों को अस्पताल ले जाना पड़ा। तीन लोगों को कथित तौर पर पाल्मा के एक निजी क्लिनिक क्लिनिका रोटगर में ले जाया गया और बाकी तीन को द्वीप की राजधानी में ही स्थित हॉस्पिटल क्विरोनसालुड पामप्लानास में ले जाया गया।

रूस के बाद अब चीन भी तालिबान सरकार के साथ, ट्रंप को दिया जोरदार झटका

चीन ने कहा- अफगानिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के बाहर नहीं रखना चाहिए

बीजिंग, 06 जुलाई (एजेंसियां) ।

अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को रूस ने मान्यता दी है इसके बाद अब चीन भी उस पर मेहरबान है, जो कि ट्रंप के लिए एक झटका है। अमेरिका ने तालिबान को लेकर कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है। ऐसे में चीन और रूस ने अपनी चाल से ट्रंप को मात दे दी है। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने कहा कि चीन अफगान जनता के लिए दोस्ताना कूटनीति जारी रखेगा और कई क्षेत्रों में चीन और अफगानिस्तान के आदान-प्रदान व सहयोग का समर्थन करता है।

बता दें रूस ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को औपचारिक मान्यता देने पर संबंधित सवाल के जवाब में चीनी प्रवक्ता ने कहा कि चीन रूस और अफगान अंतरिम सरकार के संबंधों के नए विकास का स्वागत करता है। अफगानिस्तान के परंपरागत मैत्रीपूर्ण पड़ोसी के नाते शुरू से ही चीन का विचार है कि अफगानिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के बाहर नहीं रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा अफगान अंतरिम सरकार के साथ संवाद की मजबूती करने का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि चीन, अफगानिस्तान का पुनर्निर्माण व विकास पूरा करने में सहायता करता है, अफगानिस्तान द्वारा हिंसक आतंकवादी शक्ति पर प्रहार करने और क्षेत्रीय शांति, स्थिरता व समृद्धि के लिए सकारात्मक योगदान देने का समर्थन करता है।

तालिबान को प्रतिबंधित संगठनों की अपनी सूची से हटाने के बाद रूस ने अफगानिस्तान में तालिबान शासन को औपचारिक तौर पर मान्यता दे दी और ऐसा करने वाला वह दुनिया का पहला देश बन गया है। रूस के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की कि उसे अफगानिस्तान के नवनियुक्त राजदूत गुल हसन से पहचान संबंधी आधिकारिक दस्तावेज प्राप्त हुए हैं। मंत्रालय ने बयान में कहा कि अफगान सरकार को आधिकारिक मान्यता देने से 'हमारे देशों के बीच सार्थक द्विपक्षीय सहयोग' को बढ़ावा मिलेगा। अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इसे एक ऐतिहासिक कदम बताया और इस फैसले का स्वागत करते हुए तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी के हवाले से कहा कि यह अन्य देशों के लिए एक अच्छा उदाहरण' है।

टेक्सास में भीषण बाढ़ से 51 मौतें, - 27 बच्चे अभी भी लापता

टेक्सास। खबरों में टेक्सास में आई भयंकर बाढ़ सबसे दुखद रही। 'कैम्प मिस्टिक' नामक एक क्रिश्चियन समर कैंप में अचानक उफनती ग्वाडालूप नदी ने तबाही मचा दी। इस हादसे में 51 लोग मारे गए, जिनमें 15 मासूम बच्चे भी शामिल हैं। राहत और बचाव कार्य जारी है, लेकिन अभी भी 27 बच्चे लापता हैं। स्थानीय प्रशासन और बचाव दल पूरी ताकत से लोगों को सुरक्षित निकालने में जुटा है। दूसरी बड़ी खबर यूक्रेन पर रूस के हमलों को लेकर अमेरिका और चीन के अलग-अलग रुख की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ बातचीत को निराशाजनक बताते हुए कहा कि पुतिन सिर्फ हिंसा बढ़ाना चाहते हैं। इसके विपरीत, चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने यूरोपीय संघ से मुलाकात में कहा कि चीन रूस की हार नहीं चाहता, क्योंकि इससे अमेरिका पूरी तरह से चीन पर ध्यान केंद्रित कर सकता है। यह बयान वैश्विक्क शक्ति संतुलन और भू-राजनीतिक रणनीतियों को उजागर करता है। राजनीतिक क्षेत्र में अमेरिकी अरबपति एलन मस्क ने ट्रंप से मतभेद के बाद अमेरिकन पार्टी की घोषणा की है। उनका मकसद अमेरिका की दो-पार्टी प्रणाली को खत्म कर 'फ्रीडम' की नई परिभाषा देना है। यह कदम अमेरिकी राजनीति में नई हलचल पैदा कर सकता है।

लाइन पर आए बिलावल बोले- तोहम हाफिज सईद और मसूद अजहर को भी सौंप देंगे

इस्लामाबाद, 06 जुलाई (एजेंसियां) । ऑपरेशन सिंदूर और सिंधु जल संधि को रद्द करने के बाद पाकिस्तान की अक्ल ठिकाने आती नजर आ रही है। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष और देश के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा कि पाकिस्तान उन लोगों को सौंपने के लिए तैयार है, जिसे लेकर भारत हमेशा शिकायत करता रहता है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान को विश्वास बहाली के उपाय के तौर पर भारत को 'चिंता के विषय' वाले व्यक्तियों को प्रत्यर्पित करने पर कोई आपत्ति नहीं है, बशर्ते कि नई दिल्ली इस प्रक्रिया में सहयोग करने की इच्छा दिखाए।

राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक प्राधिकरण (नैक्टा) के अनुसार, लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद दोनों को पाकिस्तान ने प्रतिबंधित कर रखा है, जबकि 26/11 मुंबई आतंकी हमले का मुख्य षड्यंत्रकारी हाफिज सईद वर्तमान में आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए 33 साल की सजा काट रहा है। इसी तरह संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक आतंकवादी घोषित अजहर को भी नैक्टा ने प्रतिबंधित कर रखा है। बिलावल ने कहा कि इन 'व्यक्तियों' के खिलाफ मुकदमे वाले मामले पाकिस्तान से संबंधित थे, जैसे कि आतंकवादी गतिविधियों का वित्तपोषण। हालांकि, उन्होंने कहा कि सीमा पार आतंकवाद के लिए उन पर मुकदमा चलाना मुश्किल था क्योंकि दिल्ली की ओर से बुनियादी चीजों का 'अनुपालन' नहीं किया गया। बिलावल भुट्टो लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) प्रमुख हाफिज सईद और जैश-ए-मुहम्मद (जेईएम) प्रमुख मसूद अजहर को भारत को संभावित रियायतें और सद्भावना के संकेत के रूप में प्रत्यर्पित करने के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे। बिलावल ने कहा, पाकिस्तान के साथ एक व्यापक वार्ता के हिस्से के रूप में, जहां आतंकवाद उन मुद्दों में से एक है जिन पर हम चर्चा करते हैं, मुझे यकीन है कि पाकिस्तान इनमें से किसी भी चीज का विरोध नहीं करेगा।

उन्होंने कहा, भारत कुछ बुनियादी चीजों का पालन करने से इनकार कर रहा है जिसकी दोषसिद्धि के लिए आवश्यकता होती है। यह महत्वपूर्ण है। इन अदालतों में सबूत पेश करना, लोगों को भारत से गवाही देने के लिए आना, जो भी जवाबी आरोप लगेंगे उन्हें सहन करना। बिलावल ने कहा, अगर भारत इस प्रक्रिया में सहयोग करने को तैयार है, तो मुझे यकीन है कि किसी भी 'जांच के दायरे में आए व्यक्ति 'को प्रत्यर्पित करने में कोई बाधा नहीं आएगी। उन्होंने आतंकवादियों को पकड़ने के भारत के संकल्प पर भी चिंता व्यक्त की और इसे 'नई असामान्यता' करार दिया।

टेक्सास में आई बाढ़

टेक्सास में आई बाढ़ के बाद गवाडेलुपे नदी के तट पर सामानों का मलबा नजर आ रहा।

वाइट हाउस के ऊपर से गुजरे दो बी-2 बॉम्बर ट्रंप ने किया सैल्यूट

वाशिंगटन, 06 जुलाई (एजेंसियां) । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' पर व्हाइट हाउस में दस्तखत करने के बाद अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक भव्य समारोह हुआ, जिसमें बी-2 स्टील्थ बॉम्बर और एफ-22 फाइटर जेट्स की फ्लाई-पास्ट ने माहौल को युद्ध-सा बना दिया। ट्रंप ने बिल पर हस्ताक्षर करते वक्त कहा, अमेरिका जीत रहा है, बार-बार जीत रहा है, जैसी जीत पहले कभी नहीं देखी गई। उनके साथ कई रिपब्लिकन सांसद भी मौजूद थे, जिन्होंने इस कानून को पास कराने में अहम भूमिका निभाई।

वहीं, डेमोक्रेट्स का कहना है कि इस बिल की आड़ में गरीबों के लिए चल रही कई वेलफेयर योजनाएं काट दी गई हैं। ट्रंप ने इस पर जवाब दिया, 'आपको इसका फर्क भी नहीं महसूस होगा।' हालांकि इस बिल का विरोध भी किया गया था। इस कानून से अमेरिका के लो-इनकम नागरिकों के लिए चल रहे मेडिकेड हेल्थ प्रोग्राम में अब तक की सबसे बड़ी कटौती की गई है। खाने-पीने की मदद देने वाली योजनाएं भी घटा दी गई हैं। कुछ अनुमानों के मुताबिक, 1.7 करोड़ लोग अपनी हेल्थ इंश्योरेंस खो सकते हैं, और कई ग्रामीण अस्पताल बंद होने की कगार पर पहुंच सकते हैं। इस बिल को पास कराने के लिए रिपब्लिकन पार्टी के भीतर काफी माथापच्ची करनी पड़ी। आखिरी वक्त तक हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में वोटों को जुटाने की जद्दोजहद चलती रही।

आखिरकार 218-214 के अंतर से बिल पास हो गया। ट्रंप ने इस मौके पर अपने स्पीकर माइक जॉनसन को धन्यवाद देते हुए कहा, 'क्या शानदार काम किया है।' डेमोक्रेट्स को उम्मीद है कि इस बिल के विरोध में जनता का गुस्सा 2026 के मिडटर्म चुनाव में काम आएगा। उनका कहना है कि ये कानून गरीबों से पैसा लेकर अमीरों को देने जैसा है।

मस्क ने किया था जमकर विरोध

इस बिल के खिलाफ ट्रंप के पुराने सहयोगी और अरबपति एलन मस्क भी खुलकर सामने आए हैं। उन्होंने इसे 'हॉरिबल डे' करार दिया है और कहा है कि वे अब अमेरिका पार्टी बनाएंगे, जो इन रिपब्लिकन सांसदों को चुनौती दे सके।

नेपाल पुलिस के लिए चीनी कंपनी से खरीदे जायेंगे 159 करोड़ रुपए के हथियार

काठमांडू, 06 जुलाई (एजेंसियां) । नेपाल पुलिस और सशस्त्र प्रहरी बल (एपीएफ) के लिए चीन से हथियार खरीदने के लिए सरकार ने 159 करोड़ रूपये बजट की व्यवस्था की है। सरकार ने तीन साल पहले इसी चीनी कंपनी से हथियार खरीद प्रक्रिया को रोक दिया था, अब फिर उसी सौदे को आगे बढ़ाया जा रहा है, जिससे कई तरह के सवाल खड़े हो गए हैं।

हाल ही में नेपाल की संसद से पारित बजट में नेपाल के दोनों पुलिस संगठनों के लिए हथियार खरीदने के लिए 159 करोड़ रूपये के बजट की व्यवस्था की गई है। इस बजट से तीन वर्ष पहले ही हांगकांग स्थित एक चीनी कंपनी से हथियार की खरीद प्रक्रिया को रोक दिया गया था, अब फिर उसी कंपनी से हथियार खरीदने की प्रक्रिया शुरू किए जाने की बात सामने आई है।

गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक पुलिस संगठनों की तरफ से गैर घातक हथियार सामग्री खरीद की सूची गृह मंत्रालय को सौंपी गई थी। इनमें दंगा नियंत्रण करने के लिए रायट कन्ट्रोल गियर, टियर गैस, ब्लैंक फायर, रबड़ बुलेट, मल्टी गैस गन, वाटर कैनन, दमकल, गोताखोर का उपकरण, रबरबोट/मोटरबोट सामग्री थी। अब गृह मंत्रालय ने हांगकांग की चीनी कंपनी से घातक हथियार खरीदने की नई सूची तैयार की है। इनमें नेपाल पुलिस के लिए 1 हजार 9 एमएम का पिस्टल, 1550 शॉटगन, 2 लाख राउंड शॉटगन कार्टिज, 3 लाख राउंड शॉटगन रबड़ बुलेट, 24 हजार सेल टियर गैस और 10 लाख 20 हजार राउंड बारूद वाली गोली खरीदने की पुरानी सूची के मुताबिक प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है। इसी तरह सशस्त्र प्रहरी बल के लिए 2300 पिस्टल और 2000 शॉटगन खरीद की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई गई है।

गृह मंत्रालय के प्रवक्ता रामचंद्र तिवारी ने हथियार खरीद के लिए सरकार के बजट में व्यवस्था किए जाने की जानकारी देते हुए खरीद प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की बात स्वीकार की है। हालांकि, चीन के कंपनी से हथियार खरीदने के लिए पुराने टेंडर को ही आगे बढ़ाने की बात पर कुछ भी कहने से इंकार कर दिया। हथियार खरीद संबंधी अनुगमन कार्यालय के सहसचिव रामबंधु सुवेदी ने कहा कि तीन साल पहले स्थगित की गई खरीद प्रक्रिया को ही आगे बढ़ाना गैर कानूनी हो सकता है और यह जांच के दायरे में आ सकता है। तत्कालीन प्रधानमंत्री शेरबहादुर देउवा के समय में तत्कालीन गृह मंत्री बालकृष्ण खांड और तत्कालीन वित्त मंत्री ने इन हथियारों की खरीद की प्रक्रिया शुरू की थी। बाद में तत्कालीन विपक्षी दल के नेता और वर्तमान समय के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के विरोध किए जाने के बाद इसे स्थगित कर दिया गया था।

किसान संगठनों को सरकार के अमेरिका से व्यापार समझौते में अपने हितों का ध्यान रखने की उम्मीद

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय कृषक समाज (बीकेएस) के बैनर तले रविवार को राजधानी में आयोजित एक सम्मेलन में विभिन्न प्रांतों जुटे किसान नेताओं ने भारत और अमेरिका कृषि क्षेत्र की वस्तुस्थिति में जमीन-आसमान का फर्क बताते हुए उम्मीद जतायी कि भारत सरकार देश के साथ ऐसा कोई समझौता नहीं करेगी जो भारतीय किसानों के हित के विरुद्ध होगा।

अमेरिका-भारत द्विपक्षीय व्यापार समझौते की वार्ता के नतीजों की घोषणा से ठीक पहले आयोहित इस सम्मेलन में नेताओं ने कहा कि भारत में कृषि, पशुपालन, मधुमक्खी पालन जैसे कार्य देश के किसानों की आजीविका के स्रोत है। भारत के किसानों को पश्चिम के किसानों के साथ खुली स्पर्धा के लिए छोड़ना भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन के लिए संकट पैदा कर सकता है। वक्तओं ने अमेरिका से जीएम (कृतृम तरीके से आनुवांशिक संशोधन से उत्पन्न फसलों) के आयात को खोलेने के खतरे को भी रेखांकित किया।

बीकेएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्णबीर चौधरी, किसान नेता एवं राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय समन्वयक एवं अध्यक्ष सरदार बीमा सिंह, भारतीय किसान संघ के राष्ट्रीय मंत्री सोमदत्त शर्मा, स्वदेशी जागरण मंच के दीपक शर्मा, बीके एस के राष्ट्रीय महासचिव हातम सिंह नागर, किसान मजदूर यूनियन के नेता वीर महेंद्र प्रकाश, बीकेएस की कश्मीर इकाई के अध्यक्ष एमवाई ज़र्गर, पश्चिम बंगाल के किसान नेता अरुण मुखर्जी, पीजेंट्स वेलफेयर एशोसिएशन के अशोक बालियान , किसान नेतान धर्मेंद्र मलिक और अन्य नेताओं ने संबोधित किया।

बीकेएस अध्यक्ष चौधरी ने कहा कि भारत में 86 प्रतिशत किसानों की कृषि जोत एक हेक्टर से कम है जबकि अमेरिका में किसानों की औसत जोत का आकार 180 हेक्टेयर है और उन्हें भारी सरकारी सहायता मिलती है। उन्होंने कहा, ' हमें विश्वास है कि सरकार मजबूत है, यह कोई ऐसा समझौता नहीं करेगी जो देश और देश के किसानों के हित में न हो।

सरदार बीएम सिंह ने कहा, 'भारत और अमेरिका के बीच अंतर इतना बड़ा है और सब्सिडी का अंतर इतना विशाल है कि वहां के साथ बराबरी का सौदा हो ही नहीं सकता।'

बीकेएस की कश्मीर इकाई के अध्यक्ष श्री ज़र्गर ने कहा, 'हमारे फल किसी भी देश से आयातित फल से अधिक मीठे और स्वादिष्ट हैं। हम्री खेती-बाड़ी और बागवानी हमारे माफिक चलनी चाहिए।' उन्होंने विश्व जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार देश के किसानों के हित का फैसला ही करेगी।

किसान नेता धर्मेंद्र मलिक ने कहा कि भारत में अब भी 65 प्रतिशत आबदी की रोजी रोटी कृषि पर निर्भर है जबकि अमेरिका में दो प्रतिशत लोग ही फार्मिंग में हैं।

स्वदेशी जगरण मंच के श्री शर्मा, भारतीय किसान संघ के श्री सोमदत्त और किसान मजदूर यूनियन के महेंद्र प्रकाश ने भी भारत में कृषि की विशिष्ट परिस्थितियों की चर्चा करते हुए कहा कि यह हमारी जीवन संस्कृति है जबकि पश्चिम में खेती और पशुपालन को व्यापार के रूप से लिया जता और वहां के सब्सिडी प्राप्त किसानों से भारत के किसान मकाबला नहीं कर सकते।

गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वह सात जुलाई को 12 देशों को समझौते का पत्र भेजने जा रहे है। इन इन देशों से कहा जाएगा कि वे उसे पूरी तरह स्वीकार करें या पूरी तरह अस्वीकर करें। ट्रम्प सरकार ने समझौता करने के लिए देशों को 09 जुलाई तक का समय दे रखा है, ऐसा न होने पर देशों को अगस्त से अमेरिका में माल भेजने पर ऊंचे शुल्कों का सामना करना पड़ेगा।

भारत अमेरिका के साथ द्विपीक्षीय व्यापार समझौते की बातचीत कर रहा है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है आज का भारत किसी समय सीमा की शर्त में बंध कर कोई समझौता नहीं करता, भातर आज अपनी ताकत के आधार पर बातचीत करता है। उन्होंने कहा है कि भारत के लिए राष्ट्र हित सर्वोपरि है।

दिल्ली में आतंकी हमले की साजिश का पर्दाफाश

अबू बकर के घर से पार्सल बम बरामद

अमरावती/रायचोटी, 06 जुलाई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश की अन्नामय्या जिला पुलिस ने रायचोटी में आतंकी हमलों की साजिश से जुड़े मामले की जांच और तेज कर दी है। शनिवार को पुलिस ने हाल ही में गिरफ्तार किए गए आतंकी अबू बकर सिद्दीकी और मोहम्मद अली के घरों में एक बार फिर तलाशी ली। अबू बकर के घर से पार्सल बम बरामद किया गया। पार्सल पर लिखे पते से पता चला कि इसे दिल्ली भेजने के लिए तैयार किया गया था।

पुलिस ने तलाशी के दौरान अबू बकर के घर से विस्फोटक, कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, पासपोर्ट और बैंक पासबुक भी जब्त किए हैं। पुलिस इस पूरे मामले की जांच अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठनों से संबंधों के नजरिए से भी कर रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि अबू बकर और मोहम्मद अली का संबंध दूसरे देशों के किसी आतंकी संगठन तो नहीं है। हाल ही में पुलिस और आईबी अधिकारियों ने रायचोटी इलाके से अबू बकर सिद्दीकी और मोहम्मद अली को गिरफ्तार किया था। आरोपियों की पत्नियों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया और फिर उन्हें गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ की गई। बाद में अबू बकर की पत्नी शेख सैरा बानू और मोहम्मद अली की पत्नी शेख शमीम को अदालत में पेश किया गया, जहां से अदालत के आदेश पर दोनों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में कडप्पा सेंट्रल जेल भेज दिया गया।

स्वास्थ्य क्षेत्र में पूर्ववर्ती सरकारों की उपेक्षा का खामियाजा दिल्लीवालों को भुगतना पड़ा : नड्डा

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने आरोप लगाया है कि स्वास्थ्य क्षेत्र में पूर्ववर्ती सरकारों की उपेक्षा का खामियाजा दिल्लीवालों को भुगतना पड़ा है।

श्री नड्डा ने आज मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ यहां विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में नवनियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए और आयुष्मान भारत पंजीकरण वैन को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि पूववर्ती सरकारों ने सभी क्षेत्रों में उदासीनता दिखाई और स्वास्थ्य क्षेत्र तो पूरी तरह उपेक्षित रहा। इसी कारण दिल्ली के लोगों को भारी तकलीफों का सामना करना पड़ा।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत हमने 2021 से फरवरी 2025 के बीच दिल्ली को 1700 करोड़ रुपये दिए थे, लेकिन एक पैसा भी खर्च नहीं हुआ और अब जन कल्याण के लिए इस निधि के खर्च की जिम्मेदारी श्रीमती रेखा के कंधों पर आ गयी है।

उन्होंने परोक्ष रूप से आम आदमी पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि राजनीति में फैसले अपने-पराये के आधार पर नहीं होते, बल्कि इस आधार पर होते हैं कि कौन आपके हितों की रक्षा कर सकता है। सितंबर 2017 से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 40 लाख गरीब दिल्लीवासियों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज देने को तैयार थे, लेकिन आपने लोटा ही उल्टा किया हुआ था।

उन्होंने कहा, 20 फरवरी को आपने लोटा सीधा किया, और आज आपको आयुष्मान भारत मिल गया। 1997 में एक स्वास्थ्य नीति लाई गयी, जो कहती थी, पहले तुम बीमार बनो, फिर मैं तुम्हारा इलाज करुंगी। लेकिन 2014 में जब श्री मोदी प्रधानमंत्री बने, तो उनके नेतृत्व में पूरे देश में परामर्श किया गया और 2017 में हम एक नयी राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति लेकर आए।

उन्होंने कहा, इसके अंतर्गत हम सुनिश्चित करेंगे कि बीमारी ही न हो, फिर अच्छे स्वास्थ्य को हम बढ़ायेंगे ताकि लोग स्वस्थ रहे ,फिर जरूरत होगी तो इलाज करेंगे और बाद में ठीक भी करेंगे। हमने स्वास्थ्य को अब समावेशी और व्यापक बना दिया है।

उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में टीबी के मामलों में करीब 17.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह गिरावट मात्र आठ प्रतिशत रही है।

कृषि मंत्री शिवराज सिंह का बड़ा ऐलान, कहा

किसानों के साथ धोखा हुआ, उन्हें राहत और मुआवजा मिलना चाहिए

विदिशा, 06 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने स्वीकार किया है कि किसानों के साथ धोखा हुआ है। उन्होंने बताया कि कई किसानों ने सोयाबीन बोया था, लेकिन बीज अंकुरित नहीं हुए। किसानों के साथ धोखा हुआ है। इसके बाद उन्होंने कहा कि किसानों को राहत और मुआवजा मिलना चाहिए और अंत में उन्होंने किसानों को न्याय दिलाने की बात कही। शिवराज ने कहा कि वह पूरे मामले की जांच कराएंगे और अगर कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रविवार को शिवराज सिंह अपने गृह नगर विदिशा में थे। यहां उन्होंने किसानों के खेत देखे, जहां सोयाबीय बोया गया था, लेकिन सभी बीज अंकुरित नहीं हुए। इससे किसानों को नुकसान हुआ है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कई किसानों ने सोयाबीन बोया था, लेकिन बीज अंकुरित नहीं हुए। आज किसानों ने मुझसे इस बारे में शिकायत की है। मैंने यहां बीज भी देखे हैं। कई बीज अंकुरित नहीं हुए हैं। किसानों के साथ धोखा हुआ है। हम इस मामले की जांच करेंगे। अगर हम इस मामले की जड़ तक पहुंचेंगे और अगर कोई दोषी पाया जाएगा तो दोषियों को सजा दी जाएगी। प्रभावित किसानों को राहत और मुआवजा दिया जाना चाहिए। किसानों को न्याय दिलाना हमारा कर्तव्य है।

शिवराज सिंह ने कहा कि क्षेत्र के सांसद और विधायक को साथ लेकर किसान उनके पास पहुंचे थे। किसानों ने बताया कि कई खेतों में सोयाबीन नहीं उगा है। इसके बाद शिवराज सिंह किसानों के बीच पहुंचे। उन्होंने कई खेतों में बोए हुए बीज भी निकालकर देखे, जिनमें अंकुरण नहीं हुआ था। मीडिया से बात करते समय ये बीज शिवराज सिंह के हाथ में थे। शिवराज ने कहा कि वह पूरे मामले की जांच कराएंगे कि ये बीज कहां से आए। किस कंपनी ने दिए या फिर किस सोसायटी से आए। इसके बाद अगर कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। इसके साथ शिवराज ने कहा कि सरकार किसानों को राहत और मुआवजा दिलाएगी। हालांकि, इससे पहले जांच होगी और उसके आधार पर ही मुआवजे की राशि और समय तय किया जाएगा।

अब सुप्रीम कोर्ट में ओबीसी को मिलेगा आरक्षण, बदल गया 6 दशक पुराना नियम

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेंसियां)। सरकारी नौकरियों और आईआईटी-आईआईएम जैसे उच्च शिक्षण संस्थानों में आरक्षण मिलने के बाद अब सुप्रीम कोर्ट ने भी इस दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है। कोर्ट ने ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) को आरक्षण देने का निर्णय लिया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता में सुप्रीम कोर्ट ने अपने गैर-न्यायिक कर्मचारियों की नियुक्ति प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत अनुसूचित जाति , अनुसूचित जनजाति , दिव्यांग, पूर्व सैनिकों और स्वतंत्रता सेनानियों के आश्रितों के साथ-साथ ओबीसी को भी आरक्षण का लाभ देने की अधिसूचना जारी कर दी है।

इस बदलाव के तहत सुप्रीम कोर्ट ऑफिसर्स एंड सर्वेंट्स (कंडीशन्स ऑफ सर्विस एंड कंडक्ट) रूल्स, 1961 के नियम 4- में संशोधन किया गया है. यह संशोधन संविधान के अनुच्छेद 146(2) के तहत मुख्य न्यायाधीश की शक्तियों का प्रयोग करते हुए किया गया है. अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि इन सभी श्रेणियों को केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों और अधिसूचनाओं के अनुसार आरक्षण मिलेगा, जैसा कि उन पदों के लिए निर्धारित वेतनमान के अनुरूप होता है।

यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक बदलावनहीं, बल्कि न्यायिक व्यवस्था में समावेशिता की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है. सुप्रीम कोर्ट ने यह कदम उस ऐतिहासिक फैसले के 33 साल बाद उठाया है, जब 1992 में इंदिरा साहनी बनाम भारत सरकार मामले में नौ-न्यायाधीशों की पीठ ने ओबीसी को 27% आरक्षण देने को संवैधानिक रूप से वैध ठहराया था. बावजूद इसके, सुप्रीम कोर्ट की आंतरिक भर्तियों में अब तक ओबीसी वर्ग को आरक्षण का लाभ नहीं दिया गया था। वहीं पूर्ववर्ती मनमोहन सिंह सरकार में मानव संसाधन विकास मंत्री रहे अर्जुन सिंह ने उच्च शिक्षण संस्थानों में ओबीसी वर्ग को भी आरक्षण का रास्ता साफ किया था।

राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता पी. विल्सन लंबे समय से सुप्रीम कोर्ट में ओबीसी आरक्षण की मांग कर रहे थे. उन्होंने इसे 'ऐतिहासिक सुधार' करार दिया. उन्होंने कहा कि यह संशोधन अब सुप्रीम कोर्ट की भर्तियों को राष्ट्रीय स्तर पर लागू आरक्षण मानकों के अनुरूप लाएगा।

इतना ही नहीं, मुख्य न्यायाधीश गवई ने एससी और एसटी वर्ग के लिए एक स्पष्ट रोस्टर प्रणाली लागू करने की पहल भी की है, जो आर.के. सबरवाल बनाम हरियाणा राज्य (1995) मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा सुझाए गए 200-पॉइंट रोस्टर सिस्टम के अनुरूप है। यह प्रणाली सुनिश्चित करेगी कि सामान्य और आरक्षित वर्गों के बीच न्यायोचित संतुलन बना रहे।

देश के इतिहास में यह पहली बार है जब सुप्रीम कोर्ट के आंतरिक नियमों में इस प्रकार का व्यापक सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने वाला संशोधन किया गया है। जिस सुप्रीम कोर्ट ने दशकों पहले सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को मान्यता दी थी, आज वही अदालत अपने भीतर उसी न्याय को लागू करती नजर आ रही है।

मुझे बिहार आने से रोकने की साजिश जाएगी बेकार

चिराग ने 243 सीटों पर लड़ने का किया एलान

छपरा , 06 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के छपरा में आयोजित नव संकल्प महासभा के मंच से लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री ने विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा एलान किया। बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए हम लोगों ने तैयारी शुरू कर दी है। एक-एक सीट पर लोजपा (रामविलास) का प्रत्याशी चुनाव लड़ेगा। उक्त बातें केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने छपरा शहर के राजेंद्र स्टेडियम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कही।

चिराग पासवान के द्वारा बिहार के सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले ही सियासत गरमा गई है, क्योंकि चिराग ने छपरा में एक जनसभा के दौरान खुद स्पष्ट कर दिया कि उनकी पार्टी बिहार के सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

प्रमंडलीय मुख्यालय स्थित छपरा शहर के राजेंद्र स्टेडियम में आयोजित नव संकल्प महासभा के मंच पर चिराग पासवान ने बगैर किसी का नाम लिए सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें बिहार आने से रोकने की साजिश की जा रही है, लेकिन उन्होंने स्पष्ट कहा कि चिराग पासवान किसी से डरने वाला नहीं है। चिराग पासवान के इस बयान के बाद बिहार की सियासत में जल्द ही भूचाल आने वाला है, क्योंकि चिराग ने बिहार के सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारने के लिए शंखनाद कर दिया है। जिस कारण सारण प्रमंडल से लेकर राजधानी तक हलचल तेज हो गई है। चिराग पासवान के इस बयान से राजग गठबंधन के अंदर मतभेद के संकेत आसानी से देखे जा सकते हैं। चुनावी घोषणा के बाद नव संकल्प महासभा में शामिल होने आए पार्टी कार्यकर्ताओं का जोश देखते ही बन रहा था। वहीं, चिराग पासवान आजकल बिहार में लगातार दौरे कर रहे हैं। वह अलग-अलग सामाजिक संगठनों के साथ सभाएं भी कर रहे हैं। फिलहाल केंद्र की राजनीति से इतर बिहार की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। कुछ दिनों पूर्व चिराग पासवान के द्वारा नालंदा में भव्य रैली का आयोजन किया गया था। जिसमें कार्यकर्ताओं का जनसमूह उमड़ा था। उसके बाद से लगातार बिहार के विभिन्न जिलों में सियासी दौरे अनवरत जारी हैं। गौरतलब है कि चिराग पासवान ने इस दौरान बिहार में हो रहे लगातार हत्याओं को लेकर भी सरकार पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। चिराग पासवान ने बिहार सरकार पर सवाल खड़े करते हुए कहा है कि बिहार में हर तरफ हत्या, लूट और अपहरण जैसे अनेक गंभीर अपराध हो रहे हैं।

केंद्र सरकार की नीतियों और कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन का लाभ जम्मू कश्मीर को भी : गोयल

श्रीनगर 06 जुलाई (एजेंसियां) केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार के विभिन्न नीतियों और कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन का लाभ जम्मू कश्मीर को भी पहुंचा है और केंद्र शासित क्षेत्र में कारोबार की रफ्तार तेज हुई है। गोयल डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की जयंती के अवसर पर श्रीनगर में व्यापार और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में उन्होंने उद्यमियों को 'व्यापार रत्न अवॉर्ड' से सम्मानित किया। गोयल ने बाद में

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर आज विकसित भारत की दिशा में तेज़ी से अग्रसर है। पर्यटकों की संख्या में वृद्धि, विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर, व्यापारिक नवाचार और सांस्कृतिक समृद्धि इसका प्रमाण हैं। उन्होंने कहा कि व्यापारी वर्ग 'आत्मनिर्भर भारत' की रीढ़ है। सरकार उन्हें प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, एक जिला, एक उत्पाद, सरकारी खरीद पोर्टल जेम, खुले ऑनलाइन व्यापार मंच ओएनडीसी जैसे प्रयासों के माध्यम से न केवल प्रोत्साहित कर रही है, बल्कि स्थानीय उत्पादों की खरीद और प्रचार प्रसार को को बढ़ावा देते हुए व्यापार को सरल, समावेशी और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना रही है।

अल्लाह के बंदे से राम धुन तक, कैलाश खेर ने बिखेरा सुरों का जादू

बर्थडे स्पेशल

संगीत की दुनिया में अपनी अनूठी आवाज से जादू बिखेरने वाले पद्मश्री कैलाश खेर का 7 जुलाई को 52वां जन्मदिन है। 7 जुलाई, 1973 को उत्तर प्रदेश के मेरठ में जन्मे कैलाश खेर की जिंदगी किसी प्रेरक कहानी से कम नहीं। गरीबी, असफलताओं और विवादों से जूझते हुए उन्होंने अपनी खूबसूरत आवाज से न सिर्फ भारत बल्कि पूरी दुनिया में खास पहचान बनाई। लेकिन, इस शोहरत की राह आसान नहीं थी।

कैलाश खेर का बचपन मेरठ की गलियों में गुजरा, जहां संगीत उनके लिए जीवन का आधार बन गया। उनके पिता पंडित मीजान खेर एक लोक गायक थे, जिनसे कैलाश को संगीत की प्रारंभिक शिक्षा मिली। शास्त्रीय संगीत के दिग्गजों जैसे पंडित कुमार गंधर्व, भीमसेन जोशी, हृदयनाथ मंगेशकर और सूफी बादशाह नुसरत फतेह अली खान से प्रेरित कैलाश ने संगीत को अपनी साधना बनाया। लेकिन, मुंबई की मायानगरी में कदम रखने से पहले उनकी जिंदगी में कई ऐसे मोड़ आए, जिन्होंने उन्हें तोड़ने की कोशिश की।

कैलाश खेर की जिंदगी का एक ऐसा किस्सा है, जिसे सुनकर हर कोई स्तब्ध रह जाता है। शुरुआती दिनों में वह आर्थिक तंगी और असफलताओं से जूझ रहे थे, उन्होंने हताश होकर अपनी जिंदगी खत्म करने का फैसला किया। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने खुद ये हैरत में डालने वाला किस्सा सुनाया था।

एक रात वह ऋषिकेश में गंगा नदी के किनारे पहुंचे और आत्महत्या करने की सोची। लेकिन, जैसा कि वह खुद बताते हैं, वहां वह बच गए, उस एक घटना ने उनकी जिंदगी बदल दी। कैलाश ने इस घटना को अपनी जिंदगी का टर्निंग पॉइंट बताया और कहा कि इस घटना ने उन्हें जिंदगी में एक बड़ा सबक दे दिया।

साल 2003 में फिल्म अंदाज के गाने रब्बा इश्क ना होवे से कैलाश ने बॉलीवुड में कदम रखा, लेकिन असली पहचान अल्लाह के बंदे से मिली। उनकी आवाज में एक जादुई कशिश है, जो श्रोत-ाओं को सूफी और भक्ति के साथ ही मेलोडी रंग में डुबो देती है। तेरी दीवानी, चांद सिफारिश, सैय्यां, बम लहरी, जय जयकारा, 'दौलत शोहरत और हे राम जैसे गाने उनकी गायकी का लोहा मनवाते हैं।

कैलाश ने साल 2004 में कैलासा नाम से एक बैंड बनाया था और इसी नाम से बैंड का पहला एलबम साल 2006 में रिलीज किया। इसके बाद उन्होंने 'झूमो रे' नाम से दूसरा एलबम निकाला था। फिर साल 2009 में चांदन में नाम से उनका तीसरा एलबम जारी हुआ। अल्लाह के बंदे गाने के लिए उन्हें बेस्ट मेल प्लेबैक सिंगर का पुरस्कार मिला था।

कैलाश ने न सिर्फ बॉलीवुड बल्कि क्षेत्रीय सिनेमा में भी अपनी छाप छोड़ी। उनके बैंड कैलासा ने लोक और सूफी संगीत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।कैलाश खेर की जिंदगी जितनी प्रेरणादायक है, उनके साथ कुछ विवाद भी जुड़े। साल 2018 में उन पर अनुचित व्यवहार के आरोप लगे। कैलाश ने इनका खंडन किया और इसे गलतफहमी करार दिया। साल 2009 में कैलाश ने शीतल से शादी की और दोनों का एक बेटा है, जिसका नाम उन्होंने कबीर खेर रखा है। वह कहते हैं कि उनकी गायकी में भक्ति और सूफियाना अंदाज उनके आध्यात्मिक विश्वासों का नतीजा है। संगीत मेरे लिए इबादत है, प्रार्थना है और मैं इसे अपने ईश्वर को समर्पित करता हूं।

किल के एक साल पूरे, राघव जुयाल बोले
इस फिल्म ने डराया, फिर...

अभिनेता और डांसर राघव जुयाल की एक्शन फिल्म किल के रिलीज को एक साल पूरे हो चुके हैं। इस फिल्म में राघव खलनायक की भूमिका में थे। फिल्म में उनके अभिनय की जमकर तारीफ हुई थी। एक्टर ने बताया कि इस फिल्म ने उन्हें अभिनय से प्यार करने का मौका दिया।

फिल्म में राघव के शानदार अभिनय की जमकर तारीफ हुई थी। 'किल' में राघव का किरदार उनके पिछले प्रोजेक्ट से बिल्कुल अलग था। उनका शांत, डरावना और रहस्य से भरा एक्टिंग स्किल दर्शकों के लिए नया अनुभव था।

राघव ने किरदार के बारे में बताया, किल ने मुझे एक नया मौका दिया। इस किरदार ने मुझे डराया, लेकिन मुझे अभिनय से फिर से प्यार करने का मौका दिया।

किल ने राघव को एक अभिनेता के रूप में अपनी सीमाओं को तोड़ने का मौका दिया। इस फिल्म ने न केवल दर्शकों का ध्यान खींचा, बल्कि फिल्म निर्माताओं को भी राघव की प्रतिभा पर गौर करने के लिए मजबूर किया। राघव पहले अपनी कॉमेडी और डांस से हंसाते थे, उन्होंने इस बार अपने दमदार अभिनय से दर्शकों को रोमांचित कर दिया।

राघव के लिए यह फिल्म सिर्फ एक नया रास्ता चुनने की बात नहीं थी, बल्कि अपने अभिनय के दायरे को विस्तार देने का मौका था। इसने उन्हें नए और चुनौतीपूर्ण किरदारों को आजमाने की प्रेरणा दी।

राघव ने फिल्म की शूटिंग के दौरान अपने जीवन के बेफिक्र अंदाज को भी याद किया। उन्होंने बताया कि 'किल' उनके लिए निजी और पेशेवर दोनों तरह से एक महत्वपूर्ण मोड़ था।

इंस्टाग्राम पर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए राघव ने 'किल' के बिहाइंड द सीन वीडियो को पोस्ट किया। वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, किल के एक साल पूरे। वर्कफ्रंट की बात करें तो राघव जुयाल को स्लो स्पीड की शैली में उनके डांस और भारत में स्लो मोशन वॉक के लिए जाना जाता है।वह डांस रियलिटी शो डांस इंडिया डांस 3 में एक प्रतियोगी और फाइनलिस्ट होने और डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्स 2 जैसे शोज में उनकी टीम की प्रस्तुति से लोकप्रिय हुए थे।उन्होंने साल 2014 में चारुदत्त आचार्य के निर्देशन में बनी कॉमेडी ड्रामा 'सोनाली केबल' से फिल्मी करियर की शुरुआत की थी।

शाल्मली खोलगडे का नया म्यूजिक वीडियो वे यू मूव रिलीज

अनकहे जज्बातों को बयान करता है गाना

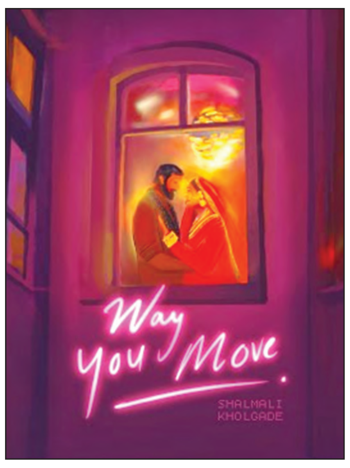

प्लेबैक सिंगर शाल्मली खोलगडे ने शुक्रवार को अपना नया हिंदी गाना वे यू मूव रिलीज किया है। उन्होंने बताया कि यह गाना प्यार को समर्पित है। गाने में प्यार, पुरानी यादें और आज के दौर के रोमांस को मिलाकर पेश किया गया है। शाल्मली खोलगडे को परेशान, बलम पिचकारी, और 'लत लग गई' जैसे गानों के लिए जाना जाता है।

गाने के बारे में बात करते हुए शाल्मली ने कहा, गाना वे यू मूव उस सादे, सच्चे और चुपचाप वाले प्यार के बारे में है जो बिना बोले भी महसूस होता है। यह भावुक कर देने वाला गाना है। इसमें प्यार को बड़े-बड़े शब्दों या दिखावे से नहीं, बल्कि नजरों, इशारों और साथ रहने की एक खास लय से दिखाया गया है। इस गाने के म्यूजिक वीडियो में सेक्रेड गेम्स फेम एक्ट्रेस कुब्रा सैत और एक्टर कुणाल ठाकुर की जोड़ी नजर आ रही है। वीडियो में भारतीय शादियों के खास पहलुओं को दिखाया गया है। इसे एक घर में शूट किया गया है।

वीडियो में शादी की रस्में दिखाई गई हैं, जैसे हल्दी, मेहंदी की रस्मों में डांस, और दोस्तों के बीच खुशियों का माहौल आदि। इस म्यूजिक वीडियो की कहानी शाल्मली की खुद की लॉकडाउन में हुई छोटी और निजी शादी से थोड़ी प्रेरित है, लेकिन इसकी कहानी हर उस इंसान के लिए है जो सच्चे, जमीन से जुड़े प्यार को समझते हैं। यह वीडियो दिखाता है कि प्यार दिखावे में नहीं, बल्कि सादगी और दिल से जुड़े पलों में होता है। शाल्मली ने कहा, वे यू आर' भारतीय शादियों के प्यार भरे माहौल को सेलिब्रेट करता है, लेकिन बिना किसी दिखावे के। यह गाना असली जज्बातों के बारे में है, ऐसी नजरें जो बिना कुछ कहे सब कह जाती हैं, आराम जो अपनेपन में महसूस होता है, और रोमांटिक डांस, आदि सभी निजी पलों की याद दिलाएगा। यह गाना दिलों को और भी करीब ला देगा।

मैंने कन्नप्पा के किरदार को छह महीने तक जीया : प्रीति मुकुंदन

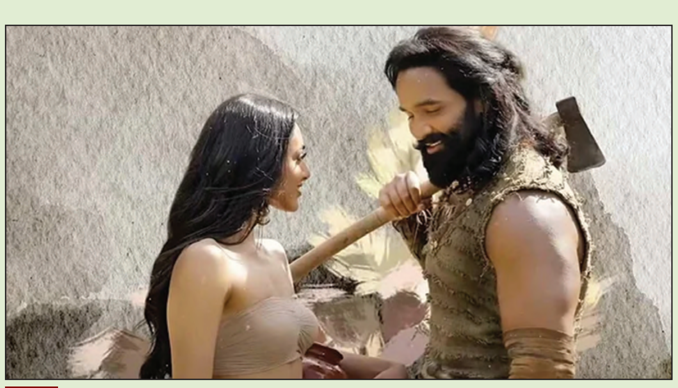

अभिनेत्री प्रीति मुकुंदन इन दिनों हाल ही में रिलीज हुई अपनी फिल्म कन्नप्पा को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया का आनंद ले रही हैं। एक्ट्रेस ने आभार जताते हुए सोशल मीडिया पर एक नोट शेयर किया, जिसमें बताया कि उन्होंने इस फिल्म में अपने किरदार को छह महीने तक जीया और महसूस किया। एक्ट्रेस ने बताया कि इस दौरान उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा।

एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर फैंस का धन्यवाद देते हुए लिखा, कभी-कभी जिंदगी में ऐसा समय आता है जब प्यार हमारे आस-पास होता है और शब्द कम पड़ जाते हैं, लेकिन फिर भी जताना जरूरी होता है। पिछले कुछ दिन मेरे लिए बिल्कुल ऐसे ही रहे। जो भी लोग मुझे प्यार, सम्मान और अपनापन भेज रहे हैं, आपको पता नहीं कि आपके ये शब्द मुझे कितना खुश कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, मैंने छह महीने तक इस किरदार को जीया और महसूस किया, अपनी कला सीखने की कोशिश की और उस समय की भारी शारीरिक मेहनत को सहा। यह देखकर कि मेरी मेहनत आप तक पहुंची है, हर मुश्किल अब आसान लगती है। जब कोई आपके उस काम को देखता है जो आपके दिल से निकला हो, तो वह खास और खूबसूरत होता है।

प्रीति मुकुंदन ने कहा, मैं एक्टर के तौर पर सिर्फ दो हफ्ते ही सेट पर थी, और हमारे इंडस्ट्री के कुछ बड़े सितारों के साथ काम करना मेरे लिए एक खास अनुभव था, खासकर ऐसे समय में, जब मैं अभी अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रही हूं। मैं अब भी उन यादों को सोचकर बहुत खुश होती हूं।

अभिनेत्री ने कहा कि इस सफर में उन्हें कई अच्छे और प्रेरणादायक लोग मिले, जिनके लिए वह हमेशा आभारी रहेंगी।

उन्होंने आगे कहा, उन सभी लोगों का बहुत-बहुत धन्यवाद जिन्होंने मेरे लिए यह सब संभव बनाया। आप सभी का भी शुक्रिया जिन्होंने मुझे प्यार दिखाने और मैसेज करने के लिए समय निकाला। मैं बहुत खुश हूं। आप सबको बहुत सारा प्यार।

11 से शुरू होगी कांवड़ यात्रा

कांवड़ यात्रा धार्मिक आस्था का प्रतीक है। यह हर साल सावन के पवित्र महीने में लाखों शिव भक्तों द्वारा की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान शिव भक्त भोले बाबा के जयकारों के साथ भक्त विभिन्न पवित्र स्थानों से गंगाजल लेकर अपनी यात्रा शुरू करते हैं और इसे शिवलिंग पर अर्पित करते हुए पूरा करते हैं।

वैदिक पंचांग के अनुसार, सावन माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि की शुरुआत 11 जुलाई को देर रात 02 बजकर 06 मिनट से होगी। ऐसे में इसी दिन से सावन के महीने और कांवड़ यात्रा की शुरुआत होगी। वहीं, इस यात्रा का समापन 23 जुलाई 2025 को सावन शिवरात्रि के दिन जलाभिषेक के साथ होगा।

कांवड़ यात्रा का धार्मिक महत्व

पौराणिक कथाओं के अनुसार, जब समुद्र मंथन से विष निकला था, तो भगवान शिव ने सृष्टि को बचाने के लिए उसे पी लिया था। इस विष के प्रभाव को कम करने के लिए देवताओं ने भगवान शिव पर गंगाजल अर्पित किया था। तभी से सावन के महीने में शिवलिंग पर गंगाजल चढ़ाने की परंपरा शुरू हुई। वहीं, अन्य कुछ मान्यताओं के अनुसार, परशुराम जी को प्रथम कांवड़िया माना जाता है, जिन्होंने गढ़मुक्तेश्वर से गंगाजल लाकर पुरा महादेव मंदिर में भगवान शिव का अभिषेक किया था।

इसके अलावा त्रेतायुग में श्रवण कुमार द्वारा अपने अंधे माता-पिता को कांवड़ में बैठाकर तीर्थयात्रा कराने की कथा भी प्रचलित है, जिससे इस यात्रा को 'कांवड़' नाम मिला।

पहली बार ले जा रहे हैं कांवड़, तो नोट करें पूजा सामग्री और नियम

कांवड़ यात्रा शिव भक्तों के लिए बहुत खास होती है। यह बेहद पुण्यदायी यात्रा है, जिसमें भक्त विभिन्न पवित्र स्थानों जैसे हरिद्वार, गोमुख, देवघर आदि से गंगाजल भरकर पैदल यात्रा करते हुए शिव मंदिरों तक पहुंचते हैं और उस जल से भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं।

कांवड़ यात्रा पूजा सामग्री

गंगाजल ले जाने के लिए पात्र – यह पीतल, तांबे या प्लास्टिक का पात्र हो सकता है, जिसे सावधानी से ले जाया जाता है।

भगवान शिव की छोटी प्रतिमा या तस्वीर – इसे कांवड़ के साथ रखा जा सकता है।

धूप-बत्ती और माचिस – रास्ते में या पड़ाव पर शिवजी की पूजा के लिए।

कपूर – आरती के लिए।

रुद्राक्ष की माला – जप के लिए।

चंदन, भस्म या गोपी चंदन – शिवजी को लगाने के लिए।

एक छोटा घंटा – आरती या पूजा के समय बजाने के लिए।

फूल – सफेद रंग के फूल।

पूजा की थाली – इन सभी सामग्री को रखने के लिए।

साफ वस्त्र – सफाई के लिए।

कांवड़ यात्रा के नियम

कांवड़ यात्रा के दौरान पूर्ण सात्विकता का पालन करना चाहिए।

यात्रा के दौरान ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए।

जब तक आप शिव मंदिर नहीं पहुंच जाते और जलाभिषेक नहीं कर देते, तब तक कांवड़ को सीधे जमीन पर नहीं रखना चाहिए। अगर आराम करना है, तो उसे किसी पेड़ पर या किसी साफ स्थान पर टांग दें।

यात्रा के दौरान जोर से बोलना, अपशब्दों का प्रयोग करने से बचें।

पूरी यात्रा के समय शिव भजन और मंत्रों का जप करें।

रास्ते में अन्य कांवड़ यात्रियों की मदद करें और सेवा का भाव रखें।

सफाई का पूरा दें।

यात्रा शुरू करने से पहले भगवान शिव के प्रति अपनी श्रद्धा और यात्रा को सफल बनाने का संकल्प लें।

शिव पूजन मंत्र

ॐ नमः शिवाय।।

ॐ नमो भगवते रुद्राय नमः।।

ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात्।।

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्। उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्।।

कितने प्रकार की होती है कांवड़ और क्या है इसका अर्थ?

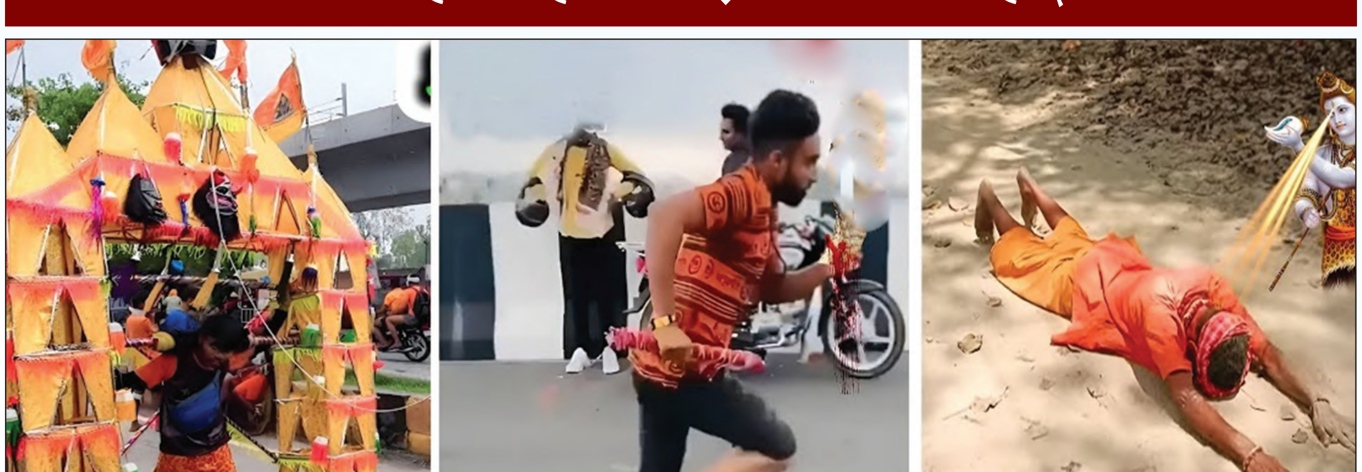

भगवान शिव के प्रसन्न करने का पर्व शुरू हो चुका है। इसके साथ ही उत्तराखंड केसरिया रंग में रंग गया है। हरिद्वार और ऋषिकेश में दूसरे प्रांतों के कांवड़ यात्री पहुंच रहे हैं। वहीं कांवड़ यात्रा के दौरान चार प्रकार से यात्रा की जाती है। इनके लिए कई नियम होते हैं और कांवड़ यात्रियों को कई नामों से जाना जाता है। कंधे पर गंगाजल लेकर भगवान शिव के ज्योतिर्लिंगों पर जलाभिषेक करने की परंपरा कांवड़ यात्रा कहलाती है। वहीं आनंद रामायण में भी यह उल्लेख किया गया है कि भगवान राम ने भी कांवड़िया बनकर बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग का अभिषेक किया था।

कैसे शुरू हुई कांवड़ यात्रा

पुराणों के अनुसार समुद्र मंथन से निकले विष को पीने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला हो गया था। विष के प्रभाव को खत्म करने के लिए रावण ने कांवड़ में जल भरकर बागपत स्थित पुरा महादेव में भगवान शिव का जलाभिषेक किया था। तभी से कांवड़ यात्रा की परंपरा शुरू हुई।

कांवड़ का अर्थ

एक मीमांसा के अनुसार क का अर्थ जीव और अ का अर्थ विष्णु है, वर अर्थात जीव और सगुण परमात्मा का उत्तम धाम।

इसी तरह कां का अर्थ जल और आवर का अर्थ उसकी व्यवस्था कहा गया है।

एक अन्य मान्यता के अनुसार भगीरथ के तप से प्रसन्न होकर विष्णु ने गंगा से जब पृथ्वी पर जाने के लिए कहा तो वह अपने इष्ट के पैर छूती हुई पृथ्वी की ओर चल दीं। उनके वेग को धारण करने के लिए भगवान शिव ने अपनी जटाएं खोल दी और गंगा को सिर पर धारण किया। यहां से गंगा सगरपुत्रों के उद्धार के लिए बहने लगीं। कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ यात्री वही गंगाजल लेकर शिवालय तक जाते हैं और शिवलिंग का अभिषेक करते हैं।

कांवड़ के एक अन्य अर्थ के अनुसार क अक्षर अग्नि का द्योतक है और आवर का अर्थ ठीक से वरण करना है।

कैसे बनती है कांवड़

कांवड़ बनाने में बांस, फेविकोल, कपड़े, डमरू, फूल-माला, घुंघरू, मंदिर, लोहे का बारीक तार और मजबूत धागे का प्रयोग किया जाता है।

हरिद्वार में कई जगह कांवड़ तैयार की जाती है।

कांवड़ तैयार होने के बाद उसे फूल-माला, घंटी और घुंघरू से सजाया जाता है।

इसके बाद गंगाजल का भार पिटारियों में रखा जाता है।

धूप-दीप जलाकर बम भोले के जयकारों ओर भजनों के साथ कांवड़ यात्री जल भरने आते हैं और भगवान शिव को जला जढ़ाकर प्रसन्न होते हैं।

कांवड़ यात्रियों के लिए नियम

बिना नहाए कांवड़ यात्री कांवड़ को नहीं छूते

तेल, साबुन, कंघी का प्रयोग नहीं करते

यात्रा में शामिल सभी कांवड़ यात्री एक-दूसरे को भोला, भोली कहकर बुलाते हैं

ध्यान रखना होता है कि कांवड़ जमीन से न छूए

डाक कांवड़ यात्रा में शरीर से उत्सर्जन की क्रियाएं तक वर्जित होती हैं

चार प्रकार से की जाती है यात्रा

सामान्य कांवड़ : यात्री जहां चाहे रुककर आराम कर सकते हैं। लेकिन उन्हें एक खास बात का ध्यान रखना होता है। आराम करने के दौरान कांवड़ जमीन से नहीं छूनी चाहिए। इस दौरान कांवड़ स्टैंड पर रखी जाती है।

डाक कांवड़ : यात्री शुरुआत से शिव के जलाभिषेक तक बगैर रुके लगातार चलते रहते हैं। वहीं इस दौरान शरीर से उत्सर्जन की क्रियाएं वर्जित होती हैं।

खड़ी कांवड़ : भक्त खड़ी कांवड़ लेकर चलते हैं। उनकी मदद के लिए कोई-न-कोई सहयोगी उनके साथ चलता रहता है।

दांडी कांवड़ : भक्त नदी तट से शिवधाम तक की यात्रा दंड देते हुए पूरी करते हैं। यह बेहद मुश्किल यात्रा होती है, जिसमें कई दिन और कभी-कभी एक माह का समय तक लग जाता है।

यह है मान्यता

मान्यता है कि जब समुद्रमंथन के बाद निकले विष पान कर भगवान शिव ने दुनिया की रक्षा की थी। विषपान करने से उनका कंठ नीला पड़ गया था। कहते हैं इसी विष के प्रकोप को कम करने और उसके प्रभाव को ठंडा करने के लिए शिवलिंग पर जलाभिषेक किया जाता है। इस जलाभिषेक से प्रसन्न होकर भगवाना भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

कांवड़ यात्रा का क्या है इतिहास, किसने की थी इसकी शुरुआत, क्या है इसका रहस्य

सावन का महीना शुरू हो गया है और इसके साथ ही केसरिया कपड़े पहने शिवभक्तों के जत्थे गंगा का पवित्र जल शिवलिंग पर चढ़ाने निकल पड़े हैं। ये जत्थे जिन्हें हम कावड़ियों के नाम से जानते हैं उत्तर भारत में सावन का महीना शुरू होते ही सड़कों पर दिखाई देने लगते हैं।पिछले दो दशकों से कावड़ यात्रा की लोकप्रियता बढ़ी है और अब समाज का उच्च एवं शिक्षित वर्ग भी कावड यात्रा में शामिल होने लगा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कावड़ यात्रा का इतिहास, सबसे पहले कावड़िया कौन थे।

कुछ विद्वानों का मानना है कि सबसे पहले भगवान परशुराम ने उत्तर प्रदेश के बागपत के पास स्थित पुरा महादेव का कावड़ से गंगाजल लाकर जलाभिषेक किया था।

परशुराम, इस प्रचीन शिवलिंग का जलाभिषेक करने के लिए गढ़मुक्तेश्वर से गंगा जी का जल लाए थे। आज भी इस परंपरा का पालन करते हुए सावन के महीने में गढ़मुक्तेश्वर से जल लाकर लाखों लोग 'पुरा महादेव' का जलाभिषेक करते हैं। गढ़मुक्तेश्वर का वर्तमान नाम ब्रजघाट है।

वहीं कुछ विद्वानों का कहना है कि सर्वप्रथम त्रेतायुग में श्रवण कुमार ने पहली बार कावड़ यात्रा की थी। माता-पिता को तीर्थ यात्रा कराने के क्रम में श्रवण कुमार हिमाचल के ऊना क्षेत्र में थे जहां उनके अंधे माता-पिता ने उनसे मायापुरी यानि हरिद्वार में गंगा स्नान करने की इच्छा प्रकट की। माता-पिता की इस इच्छा को पूरी करने के लिए श्रवण कुमार अपने माता-पिता को कावड़ में बैठा कर हरिद्वार लाए और उन्हें गंगा स्नान कराया. वापसी में वे अपने साथ गंगाजल भी ले गए। इसे ही कावड़ यात्रा की शुरुआत माना जाता है।

भगवान राम ने की थी कावड़ यात्रा की शुरुआत

कुछ मान्यताओं के अनुसार भगवान राम पहले कावडिया थे। उन्होंने बिहार के सुल्तानगंज से कावड़ में गंगाजल भरकर, बाबाधाम में शिवलिंग का जलाभिषेक किया था।

रावण ने की थी इस परंपरा की शुरुआत

पुराणों के अनुसार कावड यात्रा की परंपरा, समुद्र मंथन से जुड़ी है। समुद्र मंथन से निकले विष को पी लेने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला हो गया और वे नीलकंठ कहलाए। परंतु विष के नकारात्मक प्रभावों ने शिव को घेर लिया।

शिव को विष के नकारात्मक प्रभावों से मुक्त कराने के लिए उनके अनन्य भक्त रावण ने ध्यान किया। तत्-पश्चात कावड़ में जल भरकर रावण ने 'पुरा महादेव' स्थित शिवमंदिर में शिवजी का जल अभिषेक किया। इससे शिवजी विष के नकारात्मक प्रभावों से मुक्त हुए और यहीं से कावड़ यात्रा की परंपरा का प्रारंभ हुआ।

देवताओं ने सर्वप्रथम शिव का किया था जलाभिषेक

कुछ मान्यताओं के अनुसार समुद्र मंथन से निकले हलाहल के प्रभावों को दूर करने के लिए देवताओं ने शिव पर पवित्र नदियों का शीतल जल चढ़ाया था। सभी देवता शिवजी पर गंगाजी से जल लाकर अर्पित करने लगे। सावन मास में कावड़ यात्रा का प्रारंभ यहीं से हुआ।

आज से शुरू होने वाला नया सप्ताह, इन 5 राशियों के लिए रहेगा भाग्यशाली

जुलाई का दूसरा सप्ताह शुरू होने वाला है। 7 जुलाई से शुरू होने वाला वीक जुलाई माह का दूसरा वीक होगा।यह सप्ताह इन 5 राशियो के लिए लकी रहेगा। जानते हैं वो कौन-सी राशियां हैं जिनका भाग्योदय होगा।

मेष राशि वालों लिए 7 जुलाई से शुरू होने वाला नया सप्ताह शानदार रहेगा। इस वीक आपके करियर में चमक आएगी। आपका मान-सम्मान और आत्म-सम्मान बढ़ेगा। साथ ही आपके रुके हुए काम पूरे होंगे। लव रिलेशन में मधुरता आएगी। इस वीक आपका लकी कलर रहेगा लाल और नंबर रहेगा 9।

कर्क राशि वालों के लिए नया वीक शानदार रहेगा। इस सप्ताह आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर रहेगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। नई योजनाएं सफल होंगी और सफलता हाथ लगेगी। इस सप्ताह आपकी हेल्थ भी अच्छी रहेगी। आपका लकी कलर रहेगा सिल्वर और कलर नंबर रहेगा 2।

सिंह राशि वालों के लिए नया वीक पद-प्रतिष्ठा में बढ़ोतरी के संकेत दे सकता है। इस वीक बड़े फैसले लेने के लिए उत्तम सप्ताह रहेगा। आपको निवेश से लाभ हो सकता है।दांपत्य जीवन में सहयोग और सामंजस्य बना रहेगा। आपका लकी कलग रहेगा सुनहरा और लकी नंबर होगा 1।

तुला राशि वालों को इस वीक मानसिक शांति मिलेगी। वहीं प्रोफेशन में आपके काम की सराहना होगी और प्रमोशन के संकेत मिल सकते हैं।रिश्तों में प्रेम और समझ बढ़ेगी। पुराने विवाद सुलझ सकते हैं। लकी कलर रहेगा सफेद और लकी नंबर रहेगा 6।

मकर राशि वालों को इस वीक करियर में नई ऊंचाई छूने के योग बन सकते हैं। आर्थिक रूप से यह सप्ताह मजबूत रहेगा। सामाजिक मान-सम्मान में वृद्धि होगी। परिवार में खुशियां और एकजुटता बनी रहेगी। आपका लकी रंग रहेगा नीला और लकी नंबर रहेगा 8।

संपादकीय

हिंदी साम्राज्यवादी भाषा नहीं

महाराष्ट्र में राज ठाकरे की पार्टी के गुंडों ने एक दुकानदार को थप्पड़ों से खूब पीटा। कारण सिर्फ यह था कि दुकानदार मराठी भाषा में बोल नहीं पाया। यह दुकानदार की ही नहीं, बल्कि देश की राजभाषा हिंदी की पिटाई की गई है। ऐसे असंख्य मामले तमिलनाडु में भी सामने आए हैं, जहां हिंदी भाषियों को लतियाया गया है। मुंबई में राजनीतिक गुंडे उत्तरी भारत के लोगों को बार-बार खदेड़ते रहे हैं, लिहाजा यह एक संवेदनशील मुद्दा बन गया है। दरअसल केरल में नंबूदरीपाद से लेकर तमिलनाडु में पेरियार के हिंदी-विरोधी आंदोलन तक हिंदी लगातार पिटती रही है। उस पर राजनीतिक आरोप चस्पां किए जाते रहे हैं कि यह साम्राज्यवाद की भाषा है। संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल अन्य भाषाओं को खा जाएगी। उनके भाषा-क्षेत्र पर कब्जा कर लेगी। ये मिथ्या धारणाएं हैं। संविधान में कोई साम्राज्यवादी भाषा स्थान पा सकती है? भारत के संविधान में हिंदी को संघ की राजभाषा के तौर पर मान्यता दी गई है। देवनागरी को आधिकारिक लिपि के रूप में स्वीकार किया गया है। संविधान सभा में इस पर लंबी चर्चाएं की गईं, अंततः 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को राजभाषा तय किया गया। संविधान के अनुच्छेद 343 में हिंदी संबंधी प्रावधान हैं। संविधान का भाग 17, अनुच्छेद 343 से 351 तक, राजभाषा से संबंधित प्रावधानों को समर्पित है। अनुच्छेद 351 में केंद्र सरकार को हिंदी भाषा के विकास और प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि यह भारत की सामासिक संस्कृति के सभी तत्त्वों को अभिव्यक्त करने का माध्यम बन सके। देश हर 14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' मनाता है, बेशक हमें ऐसे आयोजन और ऐसी व्यवस्था 'रस्मी' लगते रहे हैं। यकीनन हिंदी देश के बहुसंख्यक वर्ग की भाषा है। करीब 60-65 करोड़ भारतीय हिंदी बोल, लिख, समझ और अभिव्यक्त कर सकते हैं। मराठी, तमिल, कन्नड़, मलयालम, तेलुगू आदि अहिंदी भाषी राज्यों, क्षेत्रों के राजनेता, सांसद, लेखक, कलाकार आदि हिंदी भाषा सीखते हैं, बोलने का अभ्यास करते हैं, ताकि राष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिक बन सकें। कई अहिंदी भाषी लेखक, बंगाल की महाश्वेता देवी और महाराष्ट्र के विजय तेंदुलकर आदि, तभी 'राष्ट्रीय' बन पाए और उन्हें 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' आदि से सम्मानित किया गया, जब उनकी कृतियों के हिंदी अनुवाद प्रकाशित हुए। बंगाल के प्रतिष्ठित, विख्यात लेखक शरत चंद्र और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के उपन्यास हिंदी के प्रकाशकों ने खूब छापे हैं। देश में उनका एक निश्चित पाठक वर्ग भी है। भारत के सर्वप्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता साहित्यकार हैं रवींद्र नाथ टैगोर। उनकी 'गीतांजलि' का अनुवाद भी हिंदी में किया गया, जो आज तक हिंदी पाठकों के बीच बिक रहा है। सवाल है कि देश को भाषायी आधार पर क्यों बांटा जा रहा है? यदि महाराष्ट्र में किसी हिंदी-भाषी दुकानदार को पीटा जाता है अथवा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मद्देनजर 'त्रिभाषा फॉर्मूले' में भी हिंदी का स्थान छीना गया है, तो यह सरासर संविधान का उल्लंघन है, लिहाजा आपराधिक भी है। यह ठाकरे बंधुओं की क्षुद्र राजनीति हो सकती है, क्योंकि बीएमसी के चुनाव बहुत करीब हैं। राज ठाकरे के सियासी गुंडे तो लंबे अंतराल से महाराष्ट्र में हिंदी भाषियों को पीटते रहे हैं, लेकिन मराठी मानुष भी उस पार्टी को वोट नहीं देते, लिहाजा उसका एक भी विधायक सदन में चुन कर नहीं आ पाया है। मुंबई में 'बॉलीवुड' भी है, जो अरबों का एक उद्योग है। देश भर से लोग उसमें सक्रिय हैं। जो घोषित तौर पर 'सुपर स्टार' हैं और अरबों कमा रहे हैं, उनमें से अधिसंख्य मराठी नहीं हैं। आज वे इस मुद्दे पर खामोश क्यों हैं? शायद वे भी ठाकरे बंधुओं की राजनीति से डरते होंगे! वे 'सुपर स्टार' कहां छिप जाते हैं, हमें नहीं पता। इन दिनों बड़ी संख्या में दक्षिण भारतीय भाषाओं की फिल्में हिंदी में डब की जा रही हैं। रजनीकांत और कमल हासन इसी तरह 'राष्ट्रीय सुपर स्टार' बन सके। ऐसी फिल्में खूब मुनाफा कमाती हैं, लेकिन हिंदी की बात आती है, तो पीटने वालों के पीछे छिप जाते हैं। यह कैसी नैतिकता और राष्ट्रीयता है? बहरहाल हिंदी विश्व की चौथे नंबर की भाषा है। लोकसभा की आधी से अधिक सीटें हिंदी क्षेत्र की हैं। देश के सर्वाधिक प्रधानमंत्री हिंदी क्षेत्रों से आए हैं।

मुंबई में राजनीतिक गुंडे उत्तरी भारत के लोगों को बार-बार खदेड़ते रहे हैं, लिहाजा यह एक संवेदनशील मुद्दा बन गया है। दरअसल केरल में नंबूदरीपाद से लेकर तमिलनाडु में पेरियार के हिंदी-विरोधी आंदोलन तक हिंदी लगातार पिटती रही है। उस पर राजनीतिक आरोप चस्पां किए जाते रहे हैं कि यह साम्राज्यवाद की भाषा है। संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल अन्य भाषाओं को खा जाएगी। उनके भाषा-क्षेत्र पर कब्जा कर लेगी। ये मिथ्या धारणाएं हैं। संविधान में कोई साम्राज्यवादी भाषा स्थान पा सकती है? भारत के संविधान में हिंदी को संघ की राजभाषा के तौर पर मान्यता दी गई है। देवनागरी को आधिकारिक लिपि के रूप में स्वीकार किया गया है। संविधान सभा में इस पर लंबी चर्चाएं की गईं, अंतत: 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को राजभाषा तय किया गया। संविधान के अनुच्छेद 343 में हिंदी संबंधी प्रावधान हैं।

कुछ अलग

यहां भट्टा बैठ रहा

आपदा यह भी है कि प्रदेश सरकार के एक मंत्री अनिरुद्ध सिंह के खिलाफ एफआईआर का मसौदा दिल्ली तक तलब हो गया और यह भी कि ढहते हिमाचल में फोरलेन भी गुनहगार है। 'विकास के ताबूत में बंद खिड़कियां, तेरे मेरे घर ने सिर्फ ढहते वक्त देखीं।' भट्टाकुफर में भट्टा बैठा है, तो इमारतों का विध्वंस और एनएचएआई के अधिकारियों को 'कंस' बना पीटना हमारी कानून व्यवस्था का ढहना है। मंत्री का गुस्सा जायज हो सकता है, लेकिन घर की पहरेदारी में दीया जलाना उचित है, न कि मशाल से अमन की घास को जलाना जरूरी है। अब भट्टाकुफर ने संयम के कई बांध तोडक़र यह साबित कर दिया है कि मोर्चे सजेंगे और हम दानव की तरह फैसला करेंगे। इसमें दो राय नहीं कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की परियोजनाओं ने प्रभावित लोगों की संपत्तियों के प्रति गैर जिम्मेदारी दिखाई है, वरना जमीन की एक दरार पूरी बस्ती को खाली कर सकती है। पहाड़ पर निर्माण की आचार संहिता अगर सडक़ को पारिस्थितिकीय संकट तक ले जा रही है, तो बहुमंजिला इमारतों के नैन-नक्श भी डायनों से कम नहीं। आश्चर्य यह कि यह सब टीसीपी कानून की देखरेख में हो रहा, भवन निर्माण के नक्शों पर किए गए हस्ताक्षर भी तो दोषी रहे हैं। आज का गिरना, अतीत के गिरने से भिन्न नहीं। गिरे तो हम बार-बार। सोलन के फ्लैट्स से गिरने की कहावत विकास से जुड़ गई, तो कुमारहट्टी तक के पैबंद सामने आ रहे हैं। यानी हम बिल्डर तो बन गए, लेकिन सुरक्षित भविष्य की नींव के पत्थर नहीं बन सके।

बैंकों द्वारा प्रदत्त ऋण की किश्त एवं ब्याज का भुगतान पूर्व निर्धारित समय सीमा के अंदर किया जा सके

मध्यमवर्गीय परिवार नहीं फंसे ऋण के जाल में

प्रह्लाद सबनानी

वित्तीय संस्थानों ने भी अपने ग्राहकों को प्रदान की जा रही ऋणराशि पर लागू ब्याज दरों में कमी की घोषणा करना प्रारम्भ कर दिया है ताकि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में की गई कमी का लाभ शीघ्र ही भारत में ऋणदाताओं तक पहुंच सके एवं इससे अंतत: देश की अर्थव्यवस्था को बल मिल सके। भारत में चूंकि अब मुद्रा स्फीति की दर नियंत्रण में आ गई है, अत: आगे आने वाले समय में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में और अधिक कमी की जा सकती है। इस प्रकार, बहुत सम्भव है ऋणराशि पर लागू ब्याज दरों में कमी के बाद कई नागरिक जिन्होंने पूर्व में कभी बैंकों से ऋण नहीं लिया है, वे भी ऋण लेने का प्रयास करें।

हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी की है। इसके साथ ही, निजी क्षेत्र के बैंकों, सरकारी क्षेत्र के बैंकों एवं क्रेडिट कार्ड कम्पनियों सहित अन्य वित्तीय संस्थानों ने भी अपने ग्राहकों को प्रदान की जा रही ऋणराशि पर लागू ब्याज दरों में कमी की घोषणा करना प्रारम्भ कर दिया है ताकि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में की गई कमी का लाभ शीघ्र ही भारत में ऋणदाताओं तक पहुंच सके एवं इससे अंततः देश की अर्थव्यवस्था को बल मिल सके। भारत में चूंकि अब मुद्रा स्फीति की दर नियंत्रण में आ गई है, अतः आगे आने वाले समय में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में और अधिक कमी की जा सकती है। इस प्रकार, बहुत सम्भव है ऋणराशि पर लागू ब्याज दरों में कमी के बाद कई नागरिक जिन्होंने पूर्व में कभी बैंकों से ऋण नहीं लिया है, वे भी ऋण लेने का प्रयास करें। बैंक से ऋण लेने से पूर्व इस बात का ध्यान रखना आवश्यक है कि इस ऋण को चुकता करने की क्षमता भी ऋणदाता में होनी चाहिए अर्थात ऋणदाता की पर्याप्त मासिक आय होनी चाहिए ताकि बैकों द्वारा प्रदत्त ऋण की किश्त एवं ब्याज का भुगतान पूर्व निर्धारित समय सीमा के अंदर किया जा सके। इस संदर्भ में विशेष रूप से युवा ऋणदाताओं द्वारा क्रेडिट कार्ड के उपयोग पश्चात संबंधित राशि का भुगतान समय सीमा के अंदर अवश्य करना चाहिए क्योंकि अन्यथा क्रेडिट कार्ड एजेंसी द्वारा चूक की गई राशि पर भारी मात्रा में ब्याज वसूला जाता है, जिससे युवा ऋणदाता ऋण के जाल में फंस जाते हैं। बैंकों से लिए गए ऋण की मासिक किश्त एवं इस ऋणराशि पर ब्याज का भुगतान यदि निर्धारित समय सीमा के अंदर नहीं किया जाता है तो चूककर्ता ऋणदाता से बैकों द्वारा दंडात्मक ब्याज की वसूली की जाती है। इसी प्रकार, कई नागरिक जो क्रेडिट कार्ड का उपयोग करते हैं एवं इस क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की गई राशि का भुगतान यदि वे

निर्धारित समय सीमा के अंदर नहीं कर पाते हैं तो इस राशि पर चूक किए गए क्रेडिट कार्ड धारकों से भारी भरकम ब्याज की दर से दंड वसूला जाता है। कभी कभी तो दंड की यह दर 18 प्रतिशत से 24 प्रतिशत के बीच रहती है। क्रेडिट कार्ड का उपयोग करने वाले नागरिक कई बार इस उच्च ब्याज दर पर वसूली जाने वाली दंड की राशि से अनभिज्ञ रहते हैं। अतः बैंकों से ली जाने वाली ऋणराशि एवं क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की जाने वाली राशि का समय पर भुगतान करने के प्रति ऋणदाताओं को सजग रहने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर यह ऋणदाताओं के हित में है कि वे बैंक से लिए जाने वाले ऋण की राशि तथा ब्याज की राशि एवं क्रेडिट कार्ड के विरुद्ध उपयोग की जाने वाली राशि का पूर्व निर्धारित एवं उचित समय सीमा के अंदर भुगतान करें क्योंकि अन्यथा की स्थिति में उस चूककर्ता नागरिक की क्रेडिट रेटिंग पर विपरीत प्रभाव पड़ता है एवं आगे आने वाले समय में उसे किसी भी वित्तीय संस्थान से ऋण प्राप्त करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है एवं बहुत सम्भव है कि भविष्य में उसे किसी भी वित्तीय संस्थान से ऋण प्राप्त ही न हो सके। ऋणदाता यदि किसी प्रामाणिक कारणवश अपनी किश्त एवं ब्याज का बैंकों अथवा क्रेडिट कार्ड कम्पनी को समय पर भुगतान नहीं कर पाता है और उसका ऋण खाता यदि गैर निष्पादनकारी आस्ति में परिवर्तित हो जाता है तो इस संदर्भ में चूककर्ता ऋणदाता द्वारा बैकों को समझौता प्रस्ताव दिए जाने का प्रावधान भी है। इस समझौता प्रस्ताव के माध्यम से चूककर्ता ऋणदाता द्वारा सम्बंधित बैंक अथवा क्रेडिट कार्ड कम्पनी को मासिक किश्त एवं ब्याज की राशि को पुनर्निर्धारित किए जाने के सम्बंध में निवेदन किया जा सकता है। परंतु, यदि ऋणदाता ऋण की पूरी राशि, ब्याज सहित, अदा करने में सक्षम नहीं है तो चूक की गई राशि में से कुछ राशि की छूट प्राप्त करने एवं शेष राशि को एकमुश्त अथवा किश्तों में अदा करने के सम्बंध में भी समझौता प्रस्ताव दे सकता है। ऋण की राशि अथवा ब्याज की राशि के सम्बंध के प्राप्त की गई छूट की राशि का रिकार्ड बनता है एवं समझौता प्रस्ताव के अंतर्गत प्राप्त छूट के चलते भविष्य में उस ऋणदाता को बैकों से ऋण प्राप्त करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है, इस बात का ध्यान चूककर्ता ऋणदाता को रखना चाहिए। अतः जहां तक सम्भव को ऋणदाता द्वारा समझौता प्रस्ताव से भी बचा जाना चाहिए एवं अपनी ऋण की निर्धारित किश्तों एवं ब्याज का निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत भुगतान करना ही सबसे अच्छा रास्ता अथवा विकल्प है। भारत में तेज गति से हो रही आर्थिक प्रगति के चलते मध्यमवर्गीय नागरिकों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है, जिनके द्वारा चार पहिया वाहनों, स्कूटर, फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन एवं मकान आदि आस्तियों को खरीदने हेतु बैकों अथवा अन्य वित्तीय संस्थानों से ऋण लिया जा रहा है। कई बार मध्यमवर्गीय परिवार एक दूसरे की देखा देखी आपस में होड़ करते हुए भी कई उत्पादों को खरीदने का प्रयास करते हुए दिखाई देते हैं, चाहे उस उत्पाद विशेष की आवश्यकता हो अथवा नहीं। उदाहरण के लिए एक पड़ौसी ने यदि अपने चार पहिया वाहन का एकदम नया मॉडल खरीदा है तो जिस पड़ौसी के पास पूर्व में ही चार पहिया वाहन उपलब्ध है वह पुराने मॉडल के वाहन को बेचकर पड़ौसी द्वारा खरीदे गए नए मॉडल के चार पहिया वाहन को खरीदने का प्रयास करता है और बैंक के ऋण के जाल में फंस जाता है। यह नव धनाडय वर्ग यदि बैक से लिए गए ऋण की किश्त एवं ब्याज की राशि का निर्धारित समय सीमा के अंदर भुगतान नहीं कर पाता है तो उस नागरिक विशेष के वित्तीय रिकार्ड पर धब्बा लग सकता है जिससे उसके लिए उसके शेष जीवन में बैकों एवं अन्य वित्तीय संस्थानों से पुनः ऋण लेने में कठिनाई आ सकती है। अतः बैंकों से ऋण प्राप्त करने वाले नागरिकों को ऋण की किश्त का समय पर भुगतना करना स्वयं उनके हित में हैं, ताकि भारत में तेज हो रही आर्थिक प्रगति का लाभ आगे आने वाले समय में भी समस्त नागरिक ले सकें। भारत में तो यह कहा भी जाता है कि जिसके पास जितनी चादर हो, उतने ही पैर पसारने चाहिए। अर्थात, नागरिकों को बैंकों से ऋण लेते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि ऋण की किश्त एवं ब्याज की राशि का भुगतान करने लायक उनकी अतिरिक्त आय होनी चाहिए, ताकि ऋण की किश्तों एवं ब्याज की राशि का भुगतान निर्धारित समय सीमा के अंदर किया जा सके एवं उनका ऋण खाता गैर निष्पादनकारी आस्ति में परिवर्तित नहीं हो।

देश दुनिया से

अर्थ-प्रधान विश्व करि राखा

गूगल बाबा हमारे बारे में इतना कुछ जानते हैं जितना खुद हमें भी अपने बारे में पता नहीं है। हम बहुत सी बातें भूल जाते हैं, गूगल नहीं भूलता। हमारी याद्दाश्त सिलेसिलेवार नहीं है, गूगल का डेटा एकदम सटीक है। हम क्या खाते हैं, कहां जाते हैं, क्या पहनना पसंद करते हैं, कहां पैसा लगाते हैं, कहां खर्च करते हैं, कितना खर्च करते हैं, आदि का पूरा डेटा विभिन्न स्रोतों से गूगल और ऐसी ही मार्केटिंग कंपनियों के पास है। ये कंपनियां एक-दूसरे को डेटा बेचने या डेटा देने का काम करती हैं और एक तरह से हम सब इन कंपनियों के सामने वस्त्रहीन ही हैं, हमारे पास निजता या प्राइवेसी नाम की कोई चीज अब बची नहीं है। मार्केटिंग कंपनियां अब अपने उत्पादों और अपनी सेवाओं की कमियों के बारे में आधी-अधूरी जानकारी देती हैं, उनसे होने वाले नुकसान के बारे में चुप्पी साध लेती हैं, खूबियों को बढ़ा-चढ़ाकर बताती हैं और उसमें भी झूठ का मुलम्मा चढ़ा देती हैं। इन कंपनियों ने समझ लिया है कि जमाना पैकेजिंग का है, सो जो कुछ भी बेचना है उसे आकर्षक रूप में पेश करना इनकी महारत बन गई है। जीवन का कोई भी क्षेत्र इन कंपनियों की चालाकियों से अछूता नहीं रह गया है। फटाफट ज्यादा से ज्यादा लाभ कमाने का लालच और पैसे की दौड़ में व्यस्त दुनिया की हालत इतनी असंवेदनशील हो गई है कि लगता है कि पूरी दुनिया ही 'अर्थ-प्रधान विश्व करि राखा' के रोग से ग्रस्त हो गई है। हालात इतने खराब हैं कि स्वास्थ्य सेवाओं की शुचिता पर भी विश्वास डिगने लग गया है। कहने को तो मनुष्य इस धरती का सर्वाधिक उन्नत जीव है लेकिन विडंबना यह है कि इस धरती पर अकेला मनुष्य ही ऐसा जीव है जिसे अपने स्वास्थ्य की रक्षा के लिए वृहत मार्गदर्शन ही नहीं बल्कि दवाओं, टीकों और आपरेशन आदि की भी आवश्यकता है। तुर्रा यह कि इलाज के दौरान कोई डॉक्टर या अस्पताल हमारा कितना नुकसान कर देगा कहना मुश्किल है। यही नहीं, ऐसे बहुत से मामले नजर में आते हैं जहां किसी मरीज की मृत्यु के बाद भी बहुत से नामचीन अस्पताल मरीज को वेंटिलेटर पर रखा हुआ दिखाकर बिल बढ़ाने से भी नहीं हिचकते। चिकित्सा जगत से जुड़े लोग अपनी अनौपचारिक बातचीत में अक्सर स्वीकार करते हैं कि चिकित्सा विज्ञान का हर विद्यार्थी अधिकांश बीमारियों के बारे में जो पहली बात सीखता है वह है- 'यह बीमारी कई विभिन्न कारणों से हो सकती है। अभी हमें इस बीमारी के सभी सही कारणों के बारे में पूरी जानकारी नहीं है। इस बीमारी का कोई स्थायी इलाज संभव नहीं है।' यही कारण है कि बीमारी को समझने का काम बहुत कुछ परंपरागत तरीकों से भी किया जाता है और बीमारी का सही निदान बहुत कुछ संबंधित चिकित्सक के अनुभव और कुशलता पर निर्भर करता है। इसमें एक और बाधा यह है कि बीमारी के निदान के समय चिकित्सक की अपनी मनोस्थिति यदि ठीक न हो, यानी वह थका हुआ हो, उदास हो, निराश हो, क्रोध में हो, पछतावे की भावना आदि का शिकार हो तो उसके अनुभव और कौशल के बावजूद निदान एकदम गड़बड़ भी हो सकता है क्योंकि वैधानिक रूप से स्वीकृत बहुत सी दवाइयों के साइड इफैक्ट भी इतने खराब हो सकते हैं मानो रोगी नशे का आदी रहा हो, जबकि मरीज ने जीवन में कभी बीड़ी-सिगरेट तक को भी न छुआ हो। रोज-रोज प्रकाशित होने वाले शोध कार्यों का हाल भी कोई बहुत अच्छा नहीं है। बिना पूरी प्रक्रिया के शोध स्वीकृत हो जाने के मामलों की तो कमी कभी नहीं रही, पर इससे भी बड़ी बाधा यह है कि शोध करने वाली टीम के निष्कर्ष उन्हें प्रायोजित करने वाली कंपनियों की आवश्यकताओं के हिसाब से बनाए जाने लग गए हैं, यानी शोध के नाम पर होने वाले काम जालसाजी सरीखे हो गए हैं। यह स्वीकार करने में कोई हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए कि स्वास्थ्य संबंधी शोध कार्यों का हाल भी इससे कोई अलग नहीं है। हमारा जीवन बहुत सरल था, अब भी सरल हो सकता है लेकिन दिखावे, सुविधा, अहंकार और आलस्य के कारण हम विभिन्न कंपनियों के जाल में फंसकर भाग-दौड़ भरा जीवन जीने के लिए विवश हो गए हैं। किसी भी शहर के किसी बड़े स्कूल में पढ़ रहे छोटे-छोटे बच्चों से बात कीजिए तो आपको समझ आ जाएगा कि हमारे बच्चे भी दिखावे की प्रवृत्ति के शिकार हैं। इन नौनिहालों में भी इस बात की प्रतियोगिता रहती है कि स्कूल की छुट्टियों के दौरान मम्मी-पापा हमें किस देश में लेकर गए, सप्ताहांत का हमारा डिनर किस होटल में होता है, हम कौन से ब्रांड के कपड़े पहनते हैं, किसके पास कौन सा नया खिलौना आया है, जन्मदिवस पर क्या-क्या आडंबर किए गए, आदि बातें इन बच्चों की आपसी चर्चा में भी शामिल हो गई हैं। पति-पत्नी दोनों जॉब में हैं, दोहरी आय है तो दिखावा करना आ ही जाता है। पैसा थोड़ा भी फालतू हो तो सुविधाएं बढ़ जाती हैं, सुविधाएं बढ़ें तो 'बड़े आदमी' होने का अहंकार आ ही जाता है, सुविधाएं बढ़ें तो विलासिता ही नहीं, आलस्य भी जीवन का हिस्सा बन जाता है क्योंकि हर काम करने के लिए कोई न कोई सहायक मौजूद है ही। अब जीवन ऐसा है तो यह भी आवश्यक है कि पैसा अधिक हो, अधिक से भी कुछ अधिक हो। पैसा अधिक कमाना है तो जीवन में भागदौड़ बढ़ गई है। हम हमेशा जल्दी में ही हैं। आवश्यक कामों के लिए भी समय नहीं है। परिणाम यह है कि समयाभाव और अहंकार के चलते सबसे करीबी रिश्ते भी टूट रहे हैं। तलाक के ऐसे-ऐसे मामले सामने आते हैं कि दांतों तले उंगली दबानी पड़ जाती है। रिश्तों की टूटन ने भाई को भाई का, बच्चों को मां-बाप का और पति-पत्नी को एक-दूसरे का दुश्मन बना दिया है। शादी के नाम तक से डर लगने लगा है कि पता नहीं जीवन साथी बनने वाला शख्स हमारे जीवन का हंता ही तो नहीं बन जाएगा। जीवन को सरल बनाना कोई ज्यादा मुश्किल नहीं है। हम सिर्फ एक ही बीमारी 'लोग क्या कहेंगे?' को छोड़ दें तो आधी समस्याएं खुद ही खत्म हो जाएंगी। दिखावा बंद हो जाए तो इच्छाओं पर नियंत्रण संभव है। इच्छाएं नियंत्रित हो जाएं तो लालच खत्म, लालच खत्म तो पैसे की हाहाकार खत्म, अनावश्यक पैसे की चाह गई तो जीवन की फालतू भागदौड़ खत्म, और फिर जीनव में शांति और सुकून।

आप का नजरिया

लुप्त होता समाज भारतीय समाज

सावधान हो जाइए ! भारत सहित पश्चिमी देशों में कुछ ही दशक बाद फैमिली सिस्टम का अंत निकट है। परिवार लगातार टूट रहे हैं , बिखर रहे हैं , समाप्त हो रहे हैं। इस समय फैमिली सिस्टम को बचाना पश्चिमी जगत का सबसे बड़ा मुद्दा है। भारत के सनातनी समाज में भी फैमिली सिस्टम बड़ी तेजी से सिमट रहा है । फैमिली सिस्टम यूँ ही बिखरता रहा तो भविष्य खराब है । आज पश्चिमी समाज को तबाही का दृश्य दिखाई पड़ने लगा है । कल भारत भी इसी दौर से गुजरनेवाला है। मशहूर पश्चिमी लेखक डेविड सेलबोर्न की किताब " loosing battle with islam " में आँखें खोलने वाले खुलासे किए गए हैं । बताया गया है कि ईसाई जगत के समान सनातनी जगत के सामने भी ऐसा ही खतरा है। यहूदियों ने इस खतरे पर पार पा लिया है। डेविड के अनुसार इस्लाम के सशक्त फेमिली सिस्टम से पश्चिमी दुनिया हार रही है। पश्चिम में लोग शादी करना पसंद नहीं करते। समलैंगिकता , अवैध सम्बन्ध , लिव इन रिलेशनशिप आदि से फैमिली सिस्टम टूट गया है । पश्चिम में ऐसे बच्चों की तादाद बढ़ती जा रही है , जिन्हें अपने पिता का पता नहीं । मां बाप के साथ रहने का चलन पश्चिम पूरी तरह भूल चुका है । लोगों का बुढ़ापा ओल्ड एज होम्स में गुजर रहा है । नतीजा यह कि पश्चिमी बच्चे दादा दादी , नाना नानी , चाचा ताऊ जैसे रिश्तों के नाम भी भूल चुके हैं ।अब तो नो चाइल्ड लाइफ स्टाइल बहुत शीघ्र पश्चिम को बर्बाद कर देगा । आबादी घटने से उत्पन्न अकेलेपन के सबसे बड़े शिकार जापान और दक्षिण कोरिया हैं । कारण , खाओ पियो ऐश करो , नो चाइल्ड ऑनली प्लेजर, ऑनली मस्ती। गौर से देखने पर पता चल जाता है कि भारत का हिन्दू समाज भी उधर बढ़ चुका है जहां से पश्चिमी जगत के सामने अंधेरा ही अंधेरा नजर आ रहा है । सॉलिड फेमिली सिस्टम के कारण अमेरिका , ब्रिटेन , जर्मनी और फ्रांस में इस्लाम की संख्या बढ़ती जा रही है। इस्लाम धर्म में परिवार वास्तव में मजबूत इकाई है । परिवार को जोड़े रखने की कला यहूदियों ने इस्लाम से सीखी है और अपनी आबादी बढ़ाई है। पश्चिम में अकेला होता जा रहा आदमी भयावह ऊब और घुटन का शिकार है। भारत के शहरों में ही नहीं , कस्बाई जीवन में भी अकेलापन प्रवेश कर चुका है । भारत में भी पाएंगे कि समाज में भी चाचा , भतीजा , बुआ , ताऊ , मामा , मौसी और यहां तक कि सगे भाई सगी बहन के रिश्ते भी धीरे धीरे समाज में खत्म हो रहे है । यह घोर चिन्ता का विषय है , दुर्भाग्य से इस पर चिंतन अभी शुरू भी नहीं हुआ है । इसका एक प्रमुख कारण विवाहित बेटियों का अपने मैके में दखल देना तथा बेटियों के मां को उनके ससुराल में दखलंदाजी है। विवाहित बहन भी अपनी उल्लू सीधा कर भाइयों को आपस में खूब लड़वाते हैं। याद कीजिए चीन ने वन चाइल्ड पॉलिसी लागू कर अपनी आबादी घटाई जो अब भारत से कम हो गई । वहां भी चीनी जनता ने जब वन चाइल्ड के बजाय नो चाइल्ड अपनाना शुरू किया तब चीन ने दो बच्चों की इजाजत दी । आज दुनिया के अनेक देशों में आबादी बढ़ाने के अभियान चल पड़े हैं । भारत में भी कुछ धार्मिक गुरु ज्यादा बच्चे पैदा करने को कह रहे हैं । बहरहाल एक समस्या तो है जिसका समाधान खोजना पूरी दुनिया के लिए जरूरी है। मनुष्य सामाजिक प्राणी है । समाज तभी बनता है जब परिवार हो। समाज की सबसे बड़ी ताकत संयुक्त परिवार थी जो अब लगभग मर चुका है । मैं , मेरी बीबी और मेरे बच्चे सिद्धांत ने परिवारों के बीच दीवारें खड़ी कर दी है। नारी को इस बाबत सबसे ज्यादा विचार करने की आवश्यकता है क्योंकि वो जननी है उसको अपना स्वहित त्याग समाज हित को देखना होगा । अपना फिगर अपना कैरियर अपनी फ्री लाइफ अपने आनन्द से ऊपर उठ परिवार समाज व सनातन धर्म के लिये संकल्प लेना होगा। आप देखिए , पश्चिम में फैले अवसाद , अकेलापन और डिप्रेशन भारत में भी बहुत गहरे प्रवेश कर चुके है। इन्हें अब रोकना होगा रोकना होगा और यह कार्य भारतीय नारी ही कर सकती है।

दृष्टि कोण

पालमपुर की सुंदरता को बचाने की चुनौती

पालमपुर हिमाचल प्रदेश का एक खूबसूरत पर्यटक स्थल है, जहां मीलों लंबे फैले चाय के बागानों के हरे-भरे दृश्य और प्राकृतिक दृश्यावलियां लोगों के दिलों को सुकून और शांति पहुंचाती हैं और लोगों/पर्यटकों को बार-बार यहां घूमने आने के लिए आमंत्रित करती हैं, तो वहीं पालमपुर की पहचान यहां के पढ़े लिखे प्रबुद्ध और समृद्ध समाज से भी है। लेकिन अब समय के साथ साथ पालमपुर की बढ़ती आबादी, प्रवासी कामगारों की भीड़, पड़ोसी गांवों से पढने आने वाले विद्यार्थियों/कर्मचारियों और बाहर से आने वाले सैलानियों के कारण शहर के अंदर भीड़भाड़ वाला आलम बन चुका है तो वहीं पार्किंग की कोई सुव्यवस्थित प्रणाली के न होने के चलते जगह जगह लगने वाले ट्रैफिक जामों की वजह से लोगों को भारी परेशानियों से रोजाना दो चार होना पड़ता है। बढ़ते शहरीकरण और पर्यटन के कारण कई समस्याओं से जूझता हुआ यह कस्बा अब ट्रैफिक जाम, नशा तस्करों, अव्यवस्थित पार्किंग, गंदगी, अतिक्रमण, संकरे मार्गों, सडक़ों की तंगी और निराश्रित पशुओं जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। यदि आप बैजनाथ की तरफ से पालमपुर की ओर आएं तो पालमपुर के निकट जैन मार्बल/कपिला और निर्दोष क्लीनिक से आगे सब्जी मंडी, बराका मोड़, आईसीआई सीआई बैंक एरिया और फिर नए बने बाईपास पुल और उसके नीचे विशाल मेगामार्ट और नए बस स्टैंड तक जैम पैक वाली हालत बनी रहती है। यही हाल ग्रेंड प्लाजा, राम चौक और घुग्घर चौक वाले इलाकों का है। यहां सडक़ें बेहद संकरी भी हैं। आजकल सुबह के समय वोल्वो बसों के पालमपुर शहर में प्रवेश से रोक के कारण निजी टैक्सी चालकों की पौबारह है। वे कालू दी हट्टी से पालमपुर के अंदर तक आने के लिए मुंहमांगा किराया मांगते हैं। पालमपुर के

चारों ओर भीड़भाड़ और बढ़ते ट्रैफिक के दबाव को साफ महसूस किया जा सकता है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि क्या यह समस्याएं प्रशासन, नगर निगम और स्थानीय विधायक के संज्ञान में नहीं हैं अथवा वे जानबूझकर अंजान बने हुए हैं? इतने साल बीत जाने के बावजूद इस खूबसूरत शहर को सुचारू यातायात प्रणाली, व्यवस्थित पार्किंग और अन्य जन उपयोगी सुविधाओं से क्यों वंचित रखा गया है, यह बात समझ से परे है और मांग पालमपुर को जिला बनाए जाने की जाती है। जब वर्तमान हालात ही काबू से बाहर हैं तो फिर क्या गारंटी है कि जिला बनाने के बाद पालमपुर के हालात व्यवस्थित हो जाएंगे? दूसरे अभी चंद वर्ष पहले ही पालमपुर को आसपास की पंचायतों को मिलाकर नगर निगम का दर्जा दिया गया था। लेकिन सवाल फिर भी बरकरार है कि नगर नियोजन के नाम पर पालमपुर के हालात सुधारने के लिए एमसी ने क्या क्या योजनाएं बनाईं, जिनमें सबसे बड़ी मांग पार्किंग की है। आज के दौर में कोई इनसान अपनी गाडियों को दूरदराज खड़ी करके पैदल भटकना नहीं चाहता है। वहीं कुछ छपरी टाइप या सिरफिरे ड्राइवर सडक़ों पर अपनी गाडियां बेतरतीब खड़ी करके यहां वहां घूमते फिरते हैं। भला दो तीन ट्रैफिक कर्मचारी कहां कहां व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए भटकते रहेंगे? अतएव ट्रैफिक पुलिस वालों की संख्या बढ़ाने की तुरंत आवश्यकता है। शिमला, मनाली, डलहौजी और धर्मशाला को छोड़ दें तो इन दिनों पालमपुर जैसे शहर अब पर्यटकों की दूसरी पसंद बनते जा रहे हैं, जहां दूसरे राज्यों से पर्यटक तीन चार दिन गुजारने के लिए और सुकून भरी जिंदगी का आनंद उठाने आ रहे हैं। अब पहाड़ी जगहों पर भी भीड़भाड़ और अव्यवस्थाएं ही लोगों को झेलने को मिलें तो कोई क्योंकर ही यहां आना चाहेगा? सवाल यह भी उठता है कि आखिर एक सामान्य शहरी दुनिया जहान के टैक्स भरने के बावजूद क्योंकर सुविधा रहित अव्यवस्थित वातावरण में रहे? फिर नगर निगम, उपमंडल, विधायक और दूसरे सरकारी इदारों में बैठे लोग क्या कर रहे हैं? यदि उनके पास न नीति, न नीयत और न ही दूरदृष्टि है, और दावे करेंगे कि विकास कार्यों में धन की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। पालमपुर शहर के बीच से होकर गुजरने वाले ट्रैफिक को डाइवर्ट करने के लिए एक अल्टरनेट रिंग रोड या बाइपास जरूरी है।

राजस्व वृद्धि के लक्ष्यों की प्राप्ति में कोताही बर्दाश्त नहीं : भजनलाल

जयपुर, 06 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खनिज सम्पदा का समुचित दोहन करते हुए राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि रॉयल्टी वसूली के प्रकरणों में सख्ती से नियमानुसार कार्यवाही की जाए। साथ ही, खनन अधिनियमों और नियमों की अनुपालना सुनिश्चित करते हुए अवैध खनन गतिविधियों की प्रभावी रोकथाम की जाए।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर खनन विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खनिज संपदा प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है तथा यहां खनन की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने खनन विभाग को नये खनन क्षेत्रों की खोज में तेजी लाने तथा नीलामी प्रक्रिया को और गति देने के लिए निर्देशित किया। साथ ही, शर्मा ने कहा कि नीलाम किए गए ब्लॉक्स में खनन कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाए ताकि उपभोक्ताओं की मांग के अनुरूप समय पर पूर्ति सुनिश्चित हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के राजस्व में खनन की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में खनन विभाग समयबद्ध रूप से तय राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करें। इस कार्य में किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने शास्ति प्रक्रिया में सुधार लाने और इसे आवश्यकतानुसार सुसंगत बनाने के लिए निर्देशित किया।

शर्मा ने कहा कि नवीन सूचना प्रौद्योगिकी तकनीकों का समावेश करते हुए विभाग अवैध खनन पर प्रभावी रोकथाम करे। उन्होंने सीसीटीवी कैमरे, ड्रोन सर्वे और मालवाहक गाड़ी की सख्त चेकिंग सुनिश्चित करते हुए अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध खनन पर रोकथाम के लिए सभी को मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। इसके लिए पुलिस, जिला प्रशासन, वन विभाग, परिवहन विभाग तथा खनन विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एम-सैंड पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ ही गुणवत्तापूर्ण भवन निर्माण सामग्री का एक बेहतरीन विकल्प है। इसे व्यापक रूप से प्रोत्साहित किया जाए ताकि बजरी के दोहन में कमी आए। साथ ही, शर्मा ने क्रेशर डस्ट के उपयोग को भी प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए।

शर्मा ने कहा कि विभागीय कार्मिक अपनी जिम्मेदारी का समर्पण भाव से निर्वहन करें तथा राज्यहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। उन्होंने विभागीय कार्यों की गुणवत्ता अभिवृद्धि के क्रम में खनन विभाग की रिस्ट्रक्चरिंग करने और लंबे समय से विभाग में पदस्थापित कार्मिकों को स्थानांतरित के लिए भी निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने नए ब्लॉक्स की नीलामी की संभावनाएं तलाशने, डीएमएफटी और एनएमईटी से संबंधित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। साथ ही, उन्होंने ओडिशा सहित अन्य राज्यों में खनन क्षेत्र में क्रियान्वित श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों का अवलोकन कर इन्हें राजस्थान में लागू करने की संभावना पर कार्य करने के लिए भी निर्देशित किया। बैठक में संबंधित विभागों के उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

गायों की सेवा व सुरक्षा से ही विश्व का कल्याण संभव : पशुपालन मंत्री

जयपुर, 06 जुलाई (एजेंसियां)। मानव इस संसार में सबसे अधिक बुद्धिमान प्राणी है। ईश्वर ने विवेक तो मात्र उसे ही प्रदान किया है। प्रभु ने पशुओं में गाय को सर्वोत्तम बनाया है। यदि इस संसार में गाय नहीं होती तो हमारे लिए जीवन यापन-करना बहुत ही कठिन हो जाता। इसलिए गायों की सेवा व सुरक्षा से ही विश्व का कल्याण सम्भव है। यह बात गोपालन, पशुपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने सिरोही जिले के शिवगंज कस्बे में श्रीराम कृष्ण गोपाल प्राणी सेवा समिति द्वारा संचालित गौशाला में नवनिर्मित गौ-आवासों में गौमाताओं के प्रवेश कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा है कि गो सेवा पुण्य का कार्य है। गाय एक मां की तरह हमारा पालन पोषण करती है। गाय की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है। कुमावत ने यह भी कहा कि गोवंश के संरक्षण के लिए समाज के प्रबुद्ध वर्ग को आगे आना चाहिए। हजारों सालों से हमारी धार्मिक सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था गोवंश पर निर्भर रही है। गाय के दूध के साथ गोमूत्र गोबर अत्यंत उपयोगी है। गाय के दूध में वह शक्ति है जो हमारे शरीर को पुष्ट करने के साथ हमारे मन को भी संस्कारित करता है। गोबर की खाद के प्रयोग से रासायनिक खादों के हानिकारक प्रभावों से बचा जा सकता है। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से अपने घर में गाय पालने का आह्वान किया। इसी दौरान कुमावत व अन्य मेहमानों ने पौधारोपण भी किया।

इससे पहले गौशाला समिति की ओर से अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान पंचायती राज, ग्रामीण विकास और आपदा प्रबंधन विभाग के राज्यमंत्री ओटाराम देवासी, जालोर सांसद लुंबाराम चौधरी, भाजपा जिलाध्यक्ष रक्षा भंडारी, गौशाला समिति के अध्यक्ष बाबूलाल परिहार, उपाध्यक्ष जगदीश पुरी गोस्वामी व नरेंद्र कुमार जैन, पशुपालन विभाग, सिरोही के संयुक्त निदेशक अमित चौधरी, भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नरपत सिंह, नगर अध्यक्ष ताराराम, महामंत्री कुंदन राठी, जिलामंत्री पूनम सिंह, पूर्व सभापति प्रत्याशी अनोप सिंह, मंडल अध्यक्ष रविकांत रावल, पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रकाश, माणक प्रजापत व महेंद्र माली, सांडेराव मंडल के उपाध्यक्ष शंकर सिंह काकू, लक्ष्मण परिहार, नैनमल सोनी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विकसित सड़क तंत्र बनेगा आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति का सशक्त माध्यम : जोगाराम पटेल

जयपुर, 06 जुलाई (एजेंसियां)। संसदीय कार्य विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार को जोधपुर में लूणी के रोहिचा खुर्द में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं जोधपुर विकास प्राधिकरण के 24 करोड़ 82 लाख 83 हजार रूपये के सड़क निर्माण कार्यों का विधिवत शिलान्यास किया और जनसभा को संबोधित किया।

पटेल ने कहा मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार सड़क तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं आधुनिकरण की दिशा में अनवरत कार्य किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा विकसित सड़क तंत्र आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति का सशक्त माध्यम बनेगा। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा इस बजट में प्रदेश में सड़कों के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के लिए 6 हजार 870 करोड़ रुपये के विकास कार्य स्वीकृत किए गए है। उन्होंने कहा 9 ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे के निर्माण से प्रदेश के आर्थिक उन्नति का मार्ग परस्त होगा और आधुनिक सड़क तंत्र से राष्ट्र के संसाधनों की बचत होती हैं।

संसदीय कार्य मंत्री ने कहा सरकार ने पेयजल समस्या के स्थाई समाधान के लिए वर्षों से लम्बित परियोजनाओं को धरातल पर उतारने का कार्य किया है। उन्होंने कहा पूर्वी राजस्थान के लिए ईआरसीपी, शेखावाटी क्षेत्र के लिए यमुना जल समझौता किया गया है। पटेल ने कहा लिफ्ट कैनाल के तृतीय फेज और जवांई पुनर्भरण परियोजना के पूर्ण होने पर जोधपुर जिले में समस्या का स्थाई समाधान सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा जल जीवन मिशन की समयावधि 2028 तक के लिए बढ़ा दी गई और जेजेएम के लंबित काम पूरे होने पर हर घर तक नल से जल पहुंचेगा।पटेल ने कहा राजस्थान वर्ष 2027 तक ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा और किसान भाइयों को दिन में बिजली दी जाएगी। उन्होंने कहा 132 केवी के दो और 33 केवी के एक जीएसएस का कार्य पूर्ण होने पर लूणी क्षेत्र में बिजली की समस्या का स्थाई समाधान होगा।

भाजपा सरकार 11 सालों में भी जनता को नहीं दे पाई मूलभूत सुविधाएं : सैलजा

सिरसा, 06 जुलाई (एजेंसियां)। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि धरातल पर विकास कार्य न होने के लिए इतने अधिकारी जिम्मेदार नहीं है जितनी सरकार है क्योंकि सरकार इस बात की निगरानी नहीं करती और न ही सोचती है कि उसकी योजनाओं का लाभ सबसे नीचे वाले व्यक्ति तक क्यों नहीं पहुंच रहा है, क्या नीतियों में कुछ कमी है, अगर अधिकारी इसमें लापरवाही बरत रहे है तो उन पर कार्रवाई होनी चाहिए। ये भाजपा की सरकार 11 सालों में लोगों को मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं करवा पाई। सांसद कुमारी सैलजा ने पिछले तीन दिनों में सिरसा, फतेहाबाद और जींद जिला का दौरा कर जन समस्याएं सुनी और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक ली। तीन दिवसीय दौरे के बाद मीडिया को जारी बयान में सांसद सैलजा ने कहा कि इन तीनों जिलों में जल समस्याएं सुनने के दौरान लगभग हर गांव में पीने की पानी की समस्याएं सबसे ज्यादा आई, लोग पानी खरीदने को मजबूर है, जहां पर जलघर बनाए गए है वहां पर अभी तक पाइप लाइन तक नहीं डाली गई है, जलघर की डिग्गियों में पानी तक नहीं है। इसके बाद दूसरी सबसे बड़ी समस्या बिजली आपूर्ति को लेकर आई, हर जगह एक ही बात सामने आई कि बिजली आपूर्ति का कोई समय तक नहीं है अघोषित कट से जनता परेशान है, इसके चलते जल संकट भी गहराया हुआ है। स्कूलों की समस्याएं भी उनके समक्ष रखी गई, गर्मी में न तो पंखों की व्यवस्था है, बच्चे है तो स्टाफ पूरा नहीं है, सफाईकर्मियों की कमी से शौचालयों की दुर्दशा हो रही है। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि गांवों में जो गांव मनरेगा के तहत करवाए जा सकते थे, पार्टी बाजी के चलते कुछ नहीं किया जा रहा है, गरीबों को जो हक मिलना चाहिए था वह नहीं दिया जा रहा है, हक गरीबों में खुद सरकार ही नहीं पहुचने दे रही है। महंगाई कम करने के दावे तो किए जा रहे है पर बाजार में वस्तुओं की कीमतें कम होने के बजाए बढ़ रही है यहां तक दुगनी हो गई है। सरकार खुद महंगाई बढ़ाने में लगी है बीपीएल कार्ड धारकों को 20 रुपये दो लीटर दिया जाने वाला सरसों का तेल 100 रुपये तक कर दिया यहां सरकार अब गरीबों को भी लूटने में लग गई।

स्कूली बच्चों के लिए राज्यस्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता 12 अगस्त को

चंडीगढ़, 06 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार के कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग द्वारा स्कूली बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को मंच देने और उन्हें प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन 12 अगस्त, 2025 को पंचकूला के यवनिका गार्डन, सेक्टर-5 में किया जाएगा।

एक सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को दो आयु वर्गों में विभाजित किया गया है। पहली श्रेणी में 6 से 10 वर्ष तक के बच्चों को स्टोरी टेलिंग विषय पर पेंटिंग बनानी होगी, जबकि दूसरी श्रेणी में 11 से 16 वर्ष के प्रतिभागियों को माई विजन विषय पर चित्र बनाना होगा।

दोनों श्रेणियों में प्रथम पुरस्कार के रूप में 7100, द्वितीय पुरस्कार 5100 तथा तृतीय पुरस्कार 2100 निर्धारित किए गए हैं। इसके अलावा पांच सांत्वना पुरस्कार भी दिए जाएंगे। साथ ही, प्रतियोगिता में सर्वाधिक भागीदारी वाले विद्यालय को भी सम्मानित किया जाएगा।

संसद भ्रमण के साथ राष्ट्रीय शहरी स्थानीय निकाय सम्मेलन सम्पन्न

गुरुग्राम, 06 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा की मेजबानी में गुरुग्राम में सम्पन्न हुए राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वाले देश भर के शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों ने शुक्रवार शाम देश की राजधानी नई दिल्ली पहुंच नई और पुरानी संसद का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने म्यूजियम देखा और सेंट्रल हॉल में लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला से सीधा संवाद किया। इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण एवं उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा भी मौजूद रहे। विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने आयोजन की ज़िम्मेदारी हरियाणा विधानसभा को देने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का जताया आभार। साथ ही राष्ट्रीय शहरी निकाय सम्मेलन की बेहतरीन व्यवस्था के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व सरकार की प्रशंसा की। कल्याण ने अच्छी व्यवस्थाओं के लिए ज़िला प्रशासन, शहरी निकाय विभाग, पुलिस विभाग, सूचना एवं जन संपर्क विभाग व हरियाणा विधानसभा के अधिकारियों व कर्मचारियों की मेहनत को भी सराहा।संसद भवन पहुंचे शहरी निकाय अध्यक्षों ने गुरुग्राम में हुए दो दिवसीय सम्मेलन जैसे आयोजन भविष्य में भी किए जाने का अनुरोध किया। देश में पहली बार ऐसा राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन करवाने के लिए उन्होंने हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष का भी विशेष रूप से आभार जताया और सम्मेलन में ग्रहण किए गए अनुभव साझा किए। इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उक्त प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे यहां से अपने क्षेत्र की जनता से सीधा संवाद करने और उनकी अपेक्षाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने का संकल्प लेकर जाएं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सभी प्रतिनिधियों का ऐतिहासिक संविधान सदन में पहुंचने पर आभार जताते हुए कहा कि स्वतन्त्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों के बलिदान की बदौलत ही इस सदन का हस्तांतरण भारत की जनता को हुआ है।

पंचायती राज, सहकारी संस्थाओं, युवा और महिला आधारित सम्मेलनों की राह आसान : कल्याण

चंडीगढ़, 06 जुलाई (एजेंसियां)। देशभर के शहरी स्थानीय निकायों के अध्यक्षों का प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन अनेक सुनहरी यादें छोड़ गया। हरियाणा विधान सभा की मेजबानी व हरियाणा सरकार के सहयोग से गुरुग्राम में संपन्न हुए इस सम्मेलन में देश भर के विकास में अग्रणी शहरी स्थानीय निकायों द्वारा प्रस्तुत किए गए विकास के मॉडल पर चर्चा की गई। इस चर्चा में 2047 में विकसित भारत के योगदान में शहरी निकायों की भूमिका बढ़ाने और उनके योगदान को लेकर संकल्प लिया गया। सम्मेलन में शहरी स्थानीय निकायों में विकास का इंजन बनने में महिलाओं की सशक्त भूमिका पर भी चर्चा की गई। इन विषयों पर जहां अनेक दिग्गजों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ वहीं हरियाणा की सांस्कृतिक छटा ने भी अनेक रंग बिखेरे। सम्मेलन में भाग लेने वाला प्रत्येक शख्स हरियाणा विधान सभा की ओर से की गई मेजबानी का मुरीद नजर आया। सम्मेलन से भविष्य में पंचायती राज संस्थाओं, सहकारी संस्थाओं, युवा और महिलाओं की सहभागिता पर आधारित सम्मेलनों की राह भी आसान हो गई है।सम्मेलन के पहले दिन 3 जुलाई को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि शहरी निकाय जनप्रतिनिधि सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ कदम बढ़ाएं तो वे निश्चित तौर पर शहरी क्षेत्र में ऊर्जावान बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने कहा कि देश को नई दिशा देने में राष्ट्र की सबसे छोटी इकाई के रूप में कार्य कर रही शहरी निकाय मजबूती से अब आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि आज हम उज्ज्वल भविष्य के साथ भारत की लोकतांत्रिक संस्था को मजबूत करने के लिए कैसे आगे बढ़ें इसी सोच को चरितार्थ करने के लिए यह सम्मेलन कर रहे हैं।

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि शहरी शासन, स्थानीय निकायों की गुणवत्ता का सीधा रिश्ता आम जनजीवन से होता है। आम जन के जीवन को आसान बनाने और विकसित करने में इनकी भूमिका अहम होती है। उपसभापति ने जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए नागरिक शासन के महत्व पर बात की।

सम्मेलन के दूसरे दिन बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि लोकसभा और विधानसभाओं की तरह शहरी स्थानीय निकायों में भी हाउस के सेशन होने चाहिए जिसे कोई लोकसभा अध्यक्ष और विधानसभा अध्यक्ष की तरह चयनित कोई व्यक्ति चलाए। इससे निष्पक्ष तौर पर काम करने की कार्य पद्धति बनेगी।

उन्होंने कहा कि कैपिसिटी बिल्डिंग में इस तरह के सम्मेलन का अहम योगदान रहता है। सम्मेलन में हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कचरा प्रबंधन में उन्नत तकनीकों का उपयोग करते हुए वेस्ट टू वेल्थ की नीति को अपनाने का आह्वान किया उन्होंने कहा कि इससे न केवल स्वच्छता अभियान को नई दिशा मिलेगी, बल्कि शहरी स्थानीय निकायों के आर्थिक संसाधनों में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

मौज-मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको ख़ुश रखेंगे और सुकून देंगे। सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। पारिवारिक समारोह और महत्वपूर्ण अवसरों के लिए अच्छा दिन है। नये रोमांस की संभावना प्रबल है, प्रेम का फूल आपकी ज़िन्दगी में जल्दी ही खिल सकता है। अन्य दिनों की अपेक्षा आज आपके सहकर्मी आपको अधिक समझने की कोशिश करेंगे। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। आपका जीवनसाथी आज ऊर्जा और प्रेम से भरपूर है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आप पिछले कुछ वक़्त से झुंझलाहट महसस कर रहें हैं तो आपको याद रखना चाहिए कि सही कर्म और विचार आज आपके लिए बहुप्रतीक्षित राहत लेकर आएंगे। वैसे तो अपना पैसा दूसरे को देना किसी को पसंद नहीं आता लेकिन आज आप किसी जरुरतमंद को पैसा देकर सुकून का अनुभव करेंगे। आपका ज्ञान और हास-परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। नए विचारों और आइडिया को जाँचने का बेहतरीन वक़्त।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

मुस्कुराएँ, क्योंकि यह सभी समस्याओं का सबसे उम्दा इलाज है। प्रोपर्टी से जुड़े लेन-देन पूरे होंगे और लाभ पहुँचाएंगे। आपका ज्ञान और हास-परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। कुछ सहकर्मी कई अहम मुद्दों पर आपकी कार्यशैली से नाख़ुश होंगे, लेकिन यह वे आपको बताएंगे नहीं। अगर आपको लगता है कि परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं आ रहे हैं, तो अपनी योजनाओं का फिर से विश्लेषण कर उनमें सुधार लाना बेहतर रहेगा। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। कुछ भी चालाकी भरे काम को करने से बचें। मानसिक शांति के लिए इस तरह के कामों में से दूर रहें। मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है। कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। अपने जीवनसाथी के किसी काम की वजह से आप कुछ शर्मिन्दगी महसूस कर सकते हैं। लेकिन बाद में आपको महसूस होगा कि जो हुआ, अच्छे के लिए ही हुआ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। समस्याओं को दिमाग़ से बाहर खदेड़ दें और घर व दोस्तों के बीच अपनी स्थिति सुधारने के बारे में सोचें। अपनी व्यक्तिगत भावनाएँ और गोपनीय बातें अपने प्रिय से बाँटने का सही समय नहीं है। कार्यक्षेत्र के नज़रिए से आज का दिन आपका है। इसका भरपूर फ़ायदा उठाएँ। समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें। अपने जीवनसाथी के किसी छोटी बात को लेकर बोले गए झूठ से आप आहत महसूस कर सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। धन आपके लिए जरुरी है लेकिन धन को लेकर इतने संजीदा न हो जाएं कि अपने रिश्तों को ही खराब कर दें। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। सेमिनार और प्रदर्शनी आदि आपको नई जानकारियाँ और तथ्य मुहैया कराएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

बच्चे आपके मुताबिक़ नहीं चलेंगे, जो आपके झुंझलाहट की वजह बन सकता है। आपको ख़ुद पर नियंत्रण रखना चाहिए, क्योंकि नाराज़गी सभी के लिए नुक़सानदेह है और यह सोचने-समझने की ताक़त को ख़त्म कर देती है। इससे सिर्फ़ मुश्किल बढ़ती है। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। समस्याओं को दिमाग़ से बाहर खदेड़ दें और घर व दोस्तों के बीच अपनी स्थिति सुधारने के बारे में सोचें। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आप ऐसी योजनाओं को अमली जामा पहनाने की स्थिति में होंगे, जो कई लोगों को प्रभावित करेगी। इस राशि के उम्रदराज जातक आज के दिन अपने पूराने मित्रों से खाली समय में मिलने जा सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आपको अपनी संतान की वजह से आर्थिक लाभ होने की संभावना नजर आ रही है। इससे आपको काफी खुशी होगी। किसी पारिवारिक भेद का खुलना आपको चकित कर सकता है। विवाह-प्रस्ताव के लिए सही समय है, क्योंकि आपका प्यार जीवन भर के साथ में बदल सकता है। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। बातों को सही तरीके से समझने का आज आपको प्रयास करना चाहिए नहीं तो इसकी वजह से आप खाली समय में इन्हीं बातों के बारे में सोचते रहेंगे और अपना समय बर्बाद करेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

दिन फ़ायदेमन्द साबित होगा और आप किसी पुरानी बीमारी में काफ़ी आराम महसूस करेंगे। संदिग्ध आर्थिक लेन-देन में फँसने से सावधान रहें। बच्चे की तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। अपने प्रिय को नज़रअंदाज़ करना घर पर तनाव का कारण बन सकता है। कड़ी मेहनत और पर्याप्त कोशिश अच्छा फल देगी। बेवजह की उलझनों से दूर होकर आज आप किसी मंदिर पर अपना खाली समय बिता सकते हैं। जीवनसाथी के कारण कुछ नुक़सान हो सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

घर पर काम करते समय ख़ास सावधानी बरतें। घरेलू चीज़ों को लापरवाही से इस्तेमाल करना आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। अपनी पत्नी/पति के साथ पिकनिक पर जाने का बेहतरीन दिन है। यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। आज का दिन बढ़िया प्रदर्शन और ख़ास कामों के लिए है। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आज कोई लेनदार आपके दरवाजे पर आ सकता है और आपसे पैसे उधार मांग सकता है। बच्चों के साथ ज़्यादा सख़्ती उन्हें नाराज़ कर सकती है। ख़ुद को नियंत्रित रखने और यह याद रखने की ज़रूरत है कि ऐसा करने से आप अपने और उनके बीच दीवार खड़ी कर लेंगे। आपमें बहुत-कुछ हासिल करने की क्षमता है- इसलिए अपने रास्ते में आने वाले सभी मौक़ों को झट-से दबोच लें। आप खुद को समय देना जानते हैं और आज तो आपको काफी खाली समय मिलने की संभावना है।

आज का पंचांग

दिनांक : 07 जुलाई 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी रात्रि 11:12 तक
नक्षत्र : अनुराधा रात्रि 01:12 तक
योग : शुभ रात्रि 10:02 तक
करण : बव प्रातः 10:18 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 05:47 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:40 , सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– गण्डमूल रात्रि 01:13 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

इलाहाबाद हाईकोर्ट की सोशल मीडिया पर तल्ख टिप्पणी

अश्लील तस्वीरें किसी का जीवन बर्बाद कर सकती हैं

प्रयागराज, 06 जुलाई (ब्यूरो)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने व्हाट्सएप के माध्यम से एक महिला की अश्लील तस्वीरें प्रसारित करने के आरोपी व्यक्ति को जमानत देने से इन्कार करते हुए कहा कि जब ऐसी तस्वीरें सार्वजनिक प्लेटफार्मों पर साझा की जाती हैं, तो उनमें किसी का जीवन नष्ट करने की क्षमता होती है।

न्यायमूर्ति अजय भनोट ने कहा डिजिटल प्रौद्योगिकी अपराध का चेहरा बदल रही है। किसी व्यक्ति की अश्लील तस्वीरें जब सोशल मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक मंचों पर प्रसारित होती हैं तो वे जीवन को नष्ट कर सकती हैं। यह कठोर सामाजिक वास्तविकता है। आरोपी रामदेव पर धारा 74, 352, 351(2), 64(1) बीएनएस और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 67 ए के तहत मामला थाना- उतराव, प्रयागराज में दर्ज किया गया है। उसे पीड़िता की निजी तस्वीरों को व्हाट्सएप पर प्रसारित करने के आरोप में इस साल जनवरी में गिरफ्तार किया गया था। अप्रैल 2025 में ट्रायल कोर्ट द्वारा उनकी जमानत याचिका खारिज किए जाने के बाद उन्होंने हाईकोर्ट का रुख किया था। उनके खिलाफ आरोपों को ध्यान में रखते हुए कोर्ट ने कहा कि उनके पास से कुछ तस्वीरें बरामद की गई हैं। उनकी फोरेंसिक जांच लंबित है। अपराध में उसकी संलिप्तता की संभावना है।

अदालत ने याची को जमानत देने से इन्कार कर दिया क्योंकि इसमें डिजिटल अपराधों के बढ़ते खतरे और उनके भयावह सामाजिक प्रभाव पर प्रकाश डाला गया था। हालांकि कोर्ट ने जिला न्यायाधीश को मामले की सुनवाई की प्रगति की साप्ताहिक रिपोर्ट लेने का निर्देश दिया। इसके अलावा, संबंधित फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला के उप निदेशक को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया गया कि एफएसएल रिपोर्ट दो महीने के भीतर ट्रायल कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत की जाए। पीठ ने जमानत याचिका खारिज कर दी, लेकिन उसने शीघ्र सुनवाई की आवश्यकता पर बल दिया तथा निचली अदालत को निर्देश दिया कि वह कार्यवाही को शीघ्रातिशीघ्र एक वर्ष के भीतर पूरा कर ले। इसी पीठ ने 2023 में कहा था कि सोशल मीडिया पर अश्लील वीडियो का प्रसार एक बड़ी समस्या है जो हमारे समाज को अपमानित कर रही है। कोर्ट ने इस बात पर भी जोर दिया था कि ऐसे मामलों में पुलिस अधिकारियों को जांच करते समय उच्चतम दक्षता सुनिश्चित करनी चाहिए।

महत्वपूर्ण बात यह है कि अदालत ने यह भी कहा था कि ऐसे मामलों में यूपी पुलिस की जांच की गुणवत्ता बहुत कमजोर है। इसी प्रकार, पिछले वर्ष मई में भी इसी पीठ ने महिलाओं के अभद्र वीडियो के भंडारण और प्रसार के बढ़ते मुद्दे पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी तथा इसे समाज के लिए एक गंभीर खतरा बताया था। अदालत ने कहा था कि आईटी से संबंधित अपराधों और साइबर अपराधों की जांच की खराब गुणवत्ता, जांच की कार्यप्रणाली में एक बड़ी खामी बन रही है।

जनता की सम्पत्ति अखिलेश यादव की जागीर नहीं: बृजेश पाठक

लखनऊ, 06 जुलाई (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी और उसके प्रमुख अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश की जनता को छोटी याददाश्त वाला समझते हैं, लेकिन जनता अब जागरूक है और गुमराह नहीं होगी। उन्होंने सीधे तौर पर आरोप लगाया कि 2012 से 2017 तक की समाजवादी सरकार ने भ्रष्टाचार, परिवारवाद, जंगल कब्जा, खनन घोटाले और सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग को संस्थागत रूप से बढ़ावा दिया। उस कार्यकाल में चारों तरफ भाई-भतीजावाद और अपराधियों का बोलबाला था, जिसका जवाब जनता ने उन्हें दो बार सत्ता से बाहर करके दिया है।

बृजेश पाठक ने अखिलेश यादव के हालिया बयान पर पलटवार करते हुए जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर के मुद्दे पर कहा, आपने इसे भ्रष्टाचार का गढ़ बना दिया था, जबकि यह जनता की गाढ़ी कमाई से बना केंद्र था। हमारी सरकार ने कैबिनेट से प्रस्ताव पास कर इसे एलडीए को सौंप दिया ताकि यह सम्पत्ति आम लोगों की सेवा में लगे। यह आपकी निजी सम्पत्ति नहीं थी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी के शासन में पार्टी का झंडा लगाकर वन भूमि और जंगलों पर कब्जा किया जाता था। पेड़ काटे गए, जंगल उजाड़े गए। लेकिन आज ऐसे लोगों को जेल भेजा जा चुका है और अब कोई वन भूमि की तरफ आंख उठाकर भी नहीं देख सकता।

उन्होंने कहा कि खनन माफिया समाजवादी पार्टी की सत्ता में खुलेआम सक्रिय थे। रोज खनन मंत्री बदलते थे और पार्टी नेताओं के चरणों में बैठने वालों को खनन मंत्रालय दिया जाता था। यह पूरा विभाग ही लूट और बंदरबांट का केंद्र था। बृजेश पाठक ने कहा कि आज यूपी के सभी सीएचसी व सरकारी अस्पतालों में कुत्ता, बंदर और सांप काटने तक के इंजेक्शन उपलब्ध हैं, जबकि समाजवादी सरकार के समय अस्पताल तबेला बनकर रह गए थे। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में आज सभी जरूरी दवाइयां मुफ्त उपलब्ध हैं, यह पहले की तरह सिर्फ पोस्टर पर नहीं है। गोमती रिवर फ्रंट को लेकर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना कुछ सौ करोड़ की थी, लेकिन हजारों करोड़ खर्च कर दिए गए। जनता के पैसे की खुली लूट हुई। पाठक ने कहा कि यह परियोजना समाजवादी पार्टी की आर्थिक अनियमितता और सौंदर्यीकरण के नाम पर लूट का उदाहरण है।

उन्होंने अखिलेश यादव द्वारा चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाने को गंभीर और गैर जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि भारत के संविधान की रक्षा और लोकतंत्र की निष्पक्षता को अगर किसी संस्था ने सबसे ज्यादा निभाया है तो वह है निर्वाचन आयोग।

जनसहभागिता: योगी सरकार सबके साथ रचेगी इतिहास

9 जुलाई को एक दिन में लगेंगे 37 करोड़ पौधे

लखनऊ, 06 जुलाई (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 9 जुलाई को होने वाले पौधरोपण महाभियान-2025 में समाज के सभी वर्गों का साथ लेकर नया इतिहास रचा जाएगा। सिर्फ एक दिन में इस बार 37 करोड़ पौधरोपण होंगे। योगी की वन नीति से साल दर साल नया कीर्तिमान स्थापित कर रहा उत्तर प्रदेश इस बार भी अभूतपूर्व इतिहास रचेगा। सीएम योगी के आह्वान पर जनप्रतिनिधि, राजकीय कर्मचारी, स्वयंसेवी संस्थाएं, अधिवक्ता, चिकित्सक समेत समाज का हर तबका जुड़ेगा। योगी सरकार ने सभी से अपील की है कि पौधा लगाएं, फोटो अपलोड करें और पौधे का संरक्षण भी करें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अभियान को लेकर कई बैठकें भी कीं। सीएम ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया था कि महाभियान में जनसहभागिता अवश्य हो। इसके बाद शासनिक व विभागीय अधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों, विभिन्न संगठनों, किसानों समेत समाज के हर तबके से संवाद स्थापित करते हुए सभी को इससे जोड़ा। अभियान में समाज के हर तबके के लोग जुड़ेंगे। इसमें 25 करोड़ नागरिकों और 26 राजकीय विभागों की सहभागिता से एक ही दिन में होने वाले इस अभियान को नई ऊंचाई मिलेगी। इस अभियान में 60,182 जनप्रतिनिधि, 3,40,00,000 विद्यार्थी, 2,24,00,000 किसान, 13,44,558 राजकीय कर्मचारी, 4,69,900 वकील, 27,270 स्वयंसेवी संस्थाएं और 15,000 किसान उत्पादक संगठन शामिल होंगे।

जिन स्कूलों में लगेगा ताला वहां 15 अगस्त को सपा फहराएगी तिरंगा

लखनऊ, 06 जुलाई (ब्यूरो)। यूपी के प्राइमरी स्कूलों में हो रहे विलय पर अखिलेश यादव ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि सरकार आरक्षण खत्म करना चाहती है। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार आने वाली पीढ़ी से शिक्षा का अधिकार छीनना चाहती है। पढ़ाई से वंचित बच्चों की संख्या लाखों में है। अखिलेश यादव प्रदेश सपा मुख्यालय पर विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की शिक्षा विरोधी नीति के खिलाफ 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर समाजवादी पार्टी के विधायक, नेता और पदाधिकारी ऐसे गांवों में जाकर स्वतंत्रता दिवस मनाएंगे, जहां स्कूलों को बंद किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में लगभग पांच हजार प्राइमरी स्कूलों को बंद करने का निर्णय है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा का एजेंडा सामाजिक न्याय के विरुद्ध है। भाजपा गरीब, पिछड़ों, दलितों व अल्पसंख्यकों का उनके हक नहीं देना चाहती है। वह आरक्षण खत्म करने का षडयंत्र कर रही है। उन्होंने कहा कि बिहार में चुनाव आयोग मतदाताओं की मनमानी छंटनी की तैयारी में है। इस अवसर पर पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी, सांसद सनातन पांडेय आदि उपस्थित रहे।

यूपी में अब नहीं होती गोकशी, संरक्षण से अर्थव्यवस्था को मिली नई दिशा

लखनऊ, 06 जुलाई (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश देश के 16 प्रतिशत पशुधन का घर है। यहां गोवंश संरक्षण के माध्यम से अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयां दी जा रही हैं। योगी आदित्यनाथ सरकार ने गोवंश को न केवल संरक्षित किया है, बल्कि इसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था का आधार बनाकर युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार के अनगिनत अवसर सृजित किए हैं।

गोबर और गोमूत्र से बने उत्पादों ने इस क्रांति को और गति दी है। यह स्थिति 2017 से पहले की अखिलेश यादव सरकार के दौर से बिल्कुल उलट है, जब निराश्रित गोवंश को सड़कों पर भटकने या कत्लखानों में बिकने के लिए छोड़ दिया जाता था और गोकशी की घटनाओं पर कोई अंकुश नहीं था।

20वीं पशुगणना (2019) के अनुसार, उत्तर प्रदेश में 1.90 करोड़ गोवंश हैं, जिनमें 11.84 लाख निराश्रित गोवंश शामिल हैं। व्यवहारिक रूप से 2017 में यह संख्या 12 लाख से अधिक थी। उस समय गोवंश संरक्षण के लिए कोई नीति नहीं थी। केवल 100 गो-आश्रय स्थल थे, टीकाकरण सीमित था और पशुपालकों के लिए कोई ठोस योजना नहीं थी। डेयरी मिशन जैसा कोई कार्यक्रम अस्तित्व में नहीं था। निराश्रित गोवंश या तो सड़कों पर भटकते थे या कत्लखानों में बेचे जाते थे, जिससे सामाजिक तनाव बढ़ता था।

2017 में योगी आदित्यनाथ, जो स्वयं गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर भी हैं और गायों के प्रति गहरा स्नेह रखते हैं, उनके नेतृत्व में सरकार बनने के बाद गोवंश संरक्षण को अत्यधिक प्राथमिकता मिली। 2 जनवरी 2019 को देश में पहली बार निराश्रित गोवंश संरक्षण नीति उत्तर प्रदेश में लागू की गई। आज प्रदेश में 7,717 गो-आश्रय स्थल हैं, जिनमें 12.52 लाख गोवंश संरक्षित हैं। इनके भरण-पोषण के लिए सरकार प्रतिदिन 50 रुपए प्रति गोवंश के हिसाब से 7.5 करोड़ रुपए खर्च कर रही है। प्रत्येक वृहद गो-संरक्षण केंद्र के निर्माण पर 1.60 करोड़ रुपए निवेश किए जा रहे हैं।

प्रदेश में प्रतिदिन 5,500 टन गोबर उत्पादित हो रहा है, जिसे वर्मी कम्पोस्ट, गमले, गोदीप, गोकाष्ठ, धूपबत्ती, पंचगव्य, जीवामृत और घनामृत जैसे उत्पादों में बदला जा रहा है। इन उत्पादों ने गोवंश को बेसहारा छोड़ने की प्रवृत्ति को कम किया है और पशुपालकों के लिए गोबर व गोमूत्र को आय का साधन बनाया है। विभिन्न गो-आश्रय स्थलों में इन उत्पादों की इकाइयां स्थापित की जा रही हैं, जिनमें महिला समूहों को विशेष रूप से जोड़ा गया है। यह न केवल ग्रामीण महिलाओं को सशक्त कर रहा है, बल्कि जैविक खेती को भी बढ़ावा दे रहा है।

उत्तर प्रदेश की जीएसडीपी 25.63 लाख करोड़ रुपए है, जिसमें पशुपालन क्षेत्र की हिस्सेदारी 1.67 लाख करोड़ रुपए है। राष्ट्रीय जीडीपी में पशुपालन का योगदान 4.11 प्रतिशत है, जबकि यूपी इस मामले 7.1 प्रतिशत के साथ काफी आगे है। यही नहीं प्रदेश में 390 लाख मीट्रिक टन दुग्ध उत्पादन हो रहा है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती दे रहा है। मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ संवर्धन योजना और नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के तहत स्वदेशी नस्लों जैसे साहीवाल, गीर और थारपारकर के पालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इन योजनाओं में 40 से 50 प्रतिशत अनुदान और 10 से 15 हजार रुपए का पुरस्कार डीबीटी के माध्यम से 6,500 से अधिक गौपालकों को दिया गया है।

गोवंश के कृत्रिम गर्भाधान को बढ़ावा देने के लिए 2024-25 में 3.08 लाख गर्भाधान निःशुल्क किए गए हैं। पशुपालन अवसंरचना विकास निधि और नेशनल लाइव स्टॉक मिशन के तहत 44 और 292 परियोजनाओं से क्रमशः 1,094.38 करोड़ और 144.29 करोड़ रुपए का निवेश हो रहा है। वहीं यूपीजीआईएस 2023 के तहत 578 डेयरी और पशुपालन इकाइयों से 2,221.99 करोड़ रुपए का निवेश और 1.23 लाख रोजगार सृजित हो रहे हैं। योगी सरकार की योजनाएं ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को पशुपालन में उद्यमिता के अवसर प्रदान कर रही हैं। नंदिनी कृषक समृद्धि योजना के तहत 25 दुधारू गोवंश की इकाइयां स्थापित की जा रही हैं, जिसमें 50 प्रतिशत महिलाओं को लाभ मिल रहा है। चारा नीति 2024 के तहत 230 हेक्टेयर भूमि पर नेपियर ग्रास का उत्पादन शुरू हुआ है, जिससे 1.73 लाख क्विंटल चारा उत्पादन का लक्ष्य है। 9,449.82 हेक्टेयर गोचर भूमि कब्जा मुक्त कराई गई और 5,458.93 हेक्टेयर पर हरा चारा रोपा गया। गोबर और गोमूत्र आधारित इकाइयों में महिला समूहों की भागीदारी ने ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है।

पशु स्वास्थ्य सेवाओं में 2017 के बाद अभूतपूर्व सुधार हुआ है। बीते आठ वर्षों में 2,202 पशु चिकित्सालयों के अतिरिक्त 39 नए चिकित्सालय और 2,575 पशु सेवा केंद्र स्थापित किए गए। 2024-25 में 520 मोबाइल वेटरनरी यूनिट्स ने 15.93 लाख पशुपालकों के 32.34 लाख पशुओं को चिकित्सा सुविधा दी। लम्पी स्किन डिजीज पर नियंत्रण के लिए 1.52 करोड़ टीकाकरण किए गए, जिससे गोवंश की मृत्यु दर देश में सबसे कम रही। 2024-25 में 1,648 लाख टीकाकरण का कार्य पूरा किया गया। 2017 से पहले गोवंश संरक्षण की कोई नीति नहीं थी। निराश्रित गोवंश को सड़कों पर भटकने या कत्लखानों में बेचने के लिए छोड़ दिया जाता था।

2017 में महज 100 गो आश्रय स्थल थे, वहीं योगी सरकार ने गो-आश्रय स्थलों की संख्या को बढ़ाकर 7,717 पहुंचा दिया है। यही नहीं 1.12 लाख पशुपालकों को 1.73 लाख गोवंश सौंपे गये हैं। पशुधन बीमा योजना में 2024-25 में 1.60 लाख पशुओं का बीमा हुआ है। 1,372.35 क्विंटल उन्नत चारा बीज निःशुल्क वितरित किए गए। गोबर और गोमूत्र से उत्पादों ने पशुपालकों को नई आय दी है।

राम मंदिर के ध्वजारोहण समारोह में आएंगे पीएम मोदी

अयोध्या, 06 जुलाई (ब्यूरो)। अयोध्या स्थित राम मंदिर में ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। समारोह में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विशेष रूप से आमंत्रित किए गए हैं। राम मंदिर ट्रस्ट ने इसके लिए दो तिथियों का चयन किया है। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की ऐतिहासिक गूंज अभी भी जनमानस में ताजा है। राम मंदिर ट्रस्ट अब एक और भव्य अध्याय जोड़ने जा रहा है। नवंबर में प्रस्तावित ध्वजारोहण समारोह को लेकर तैयारियों ने गति पकड़ ली है।

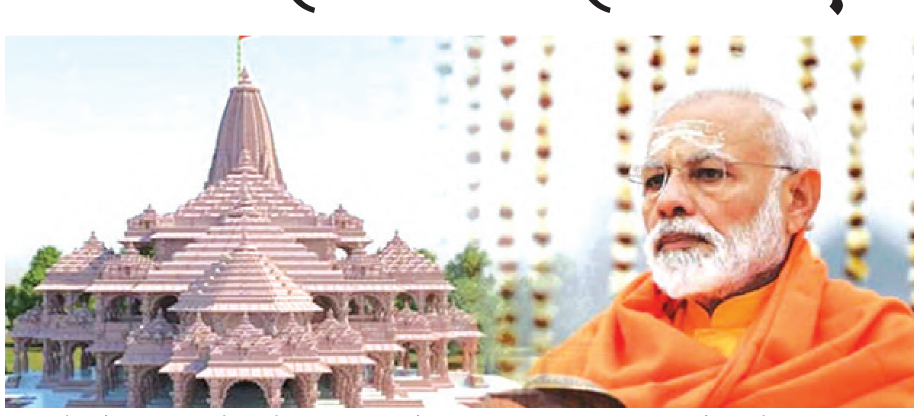

इस पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। यह आयोजन एक बार फिर अयोध्या को भक्तिभाव, वैदिक अनुष्ठानों और विश्व भर से जुटने वाले श्रद्धालुओं से सराबोर कर देगा।

ध्वजारोहण समारोह को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तर्ज पर ही भव्यता प्रदान की जाएगी। मंदिर ट्रस्ट की ओर से मेहमानों की सूची तैयार की जा रही है, जिनमें देश-विदेश के संत, धर्माचार्य, प्रतिष्ठित गणमान्य अतिथि और रामभक्त शामिल रहेंगे। अनुमान है कि हजारों की संख्या में अतिथि इस ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बनेंगे। अयोध्या में मेहमानों की अगवानी के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। ट्रस्ट और प्रशासनिक तंत्र ने कमरे बुक करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रमुख होटल, धर्मशालाएं और गेस्ट हाउस में आवास की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को भी चाक-चौबंद किया जा रहा है। नवंबर में समारोह के लिए शुभ मुहूर्त भी ज्योतिषियों से निकलवाया जा रहा है। 16 नवंबर व 25 नवंबर दो शुभ तिथियों में से किसी एक तिथि के चयन पर विमर्श हो रहा है।

राम मंदिर के 161 फीट ऊंचे शिखर पर रामध्वज फहराया जाएगा। इसके अलावा परिसर के अन्य सभी मंदिरों के शिखर पर ध्वज फहराया जाएगा। रामध्वज का आरोहण केवल एक प्रतीकात्मक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम की विजय और धर्म की प्रतिष्ठा का उद्घोष होगा। यह आयोजन मंदिर निर्माण की पूर्णता की ओर बढ़ते कदम का संकेत भी माना जा रहा है। ध्वज पताका को वैदिक मंत्रोच्चार, संगीत, और विशेष पूजा विधियों के साथ मंदिर के शिखर पर फहराया जाएगा। कार्यक्रम में विविध प्रकार के अनुष्ठान भी होंगे। रामकथा का भी आयोजन संभव है। इस अवसर पर देश के कई प्रसिद्ध संगीतज्ञ व कलाकार प्रस्तुतियां देंगे, जिससे समारोह की भव्यता बढ़ेगी।

ड्यूटी से गायब शिक्षकों पर कार्रवाई, वेतन कटेगा

प्रधानाध्यापक समेत 23 शिक्षक ड्यूटी से गायब

लखनऊ, 06 जुलाई (एजेंसियां)। लखनऊ में मोहनलालगंज स्थित उतरावां बेसिक विद्यालय में अनुपस्थित मिले 23 शिक्षकों से जवाब तलब किया गया है और उनका वेतन काटने का आदेश जारी हुआ है। अनुपस्थिति वाले दिन की वेतन-कटौती का कारण सर्विस बुक पर दर्ज किया जाएगा।

बीईओ सुशील कुमार ने कहा कि उन्होंने 24 जून को विद्यालय में सुबह 11 बजे निरीक्षण किया। विद्यालय का समय सुबह 8 से दोपहर 12:30 बजे तक है। 23 शिक्षक ड्यूटी से गायब मिले। गायब पाए गए शिक्षकों ने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया, इस पर उनके खिलाफ कार्रवाई की गई। दिलचस्प यह है कि गायब शिक्षकों में स्कूल के प्रधानाध्यापक प्रधानाध्यापक स्वदेश कुमार अग्निहोत्री समेत सहायक अध्यापक दीप माला, रुचि खत्री, श्रुति कीर्ति शुक्ला, पंकज शुक्ला, प्रवेंद्र कुमार यादव, चंद्र प्रकाश, राम प्रकाश, अनूप कुमार, चिंता देवी, हरि प्रसाद, अनुपमा मिश्रा, अंजली सिंह, रश्मि पांडेय, स्वाती सैनी, रेनू जोशी, सुप्रिया, ऋचा सिंह, दुर्गा रानी, नीलम पाठक, अर्चना पांडेय, सीमा वर्मा और मनोरमा शामिल हैं।

एलआईसी ने शुरू की दो नई योजनाएं : 'नव जीवन श्री' और 'नव जीवन श्री सिंगल प्रीमियम'

मुंबई, 06 जुलाई (एजेंसियां) । भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने दो नई बीमा योजनाएं लॉन्च की हैं – एलआईसी की नव जीवन श्री (योजना संख्या 912) और एलआईसी की नव जीवन श्री सिंगल प्रीमियम (योजना संख्या 911)। इन योजनाओं की शुरुआत एलआईसी के सीईओ और एमडी (प्रभारी) श्री सतपाल भानु ने की। दोनों योजनाएं बचत और सुरक्षा का एक सशक्त संयोजन प्रस्तुत करती हैं और विभिन्न जीवन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए पर्याप्त कोष निर्माण का अवसर देती हैं। एलआईसी को उम्मीद है कि ये योजनाएं आम

बचत और सुरक्षा का मिलेगा डबल फायदा

नागरिकों की दीर्घकालिक बचत, सुरक्षा और निवेश के लक्ष्यों को पूरा करने में मददगार साबित होंगी। नव जीवन श्री (योजना 912) की मुख्य विशेषताएं: यह सीमित प्रीमियम एंडोमेंट योजना है। योजना युवाओं और जिम्मेदारियों से जुड़े लोगों के लिए डिजाइन की गई है। प्रवेश आयु: न्यूनतम 30 दिन से अधिकतम 60 वर्ष (पीपीटी 6, 8, 10 वर्ष के लिए), 59 वर्ष (पीपीटी 12 वर्ष के लिए) पॉलिसी अवधि: न्यूनतम 10 वर्ष से अधिकतम 20 वर्ष प्रीमियम भुगतान अवधि : 6, 8, 10, और 12 वर्ष गारंटीड एडिशन: 8.50प्रतिशत से 9.50प्रतिशत तक

न्यूनतम बीमा राशि: 5,00,000

अधिकतम बीमा राशि की कोई सीमा नहीं (एलआईसी अंडरराइटिंग अनुमोदन के अधीन)

– नव जीवन श्री सिंगल प्रीमियम (योजना 911) की विशेषताएं: यह एक सिंगल प्रीमियम एंडोमेंट योजना है। जीवन बीमा और कोष निर्माण दोनों का लाभ। प्रवेश आयु: न्यूनतम 30 दिन से अधिकतम 60 वर्ष (विकल्प), 40 वर्ष परिपक्वता आयु: न्यूनतम 18 वर्ष से अधिकतम 75 वर्ष (विकल्प), 60 वर्ष पॉलिसी अवधि: न्यूनतम 5 वर्ष से अधिकतम 20 वर्ष गारंटीड एडिशन: 85 प्रति 1000 बीमा राशि प्रति वर्ष न्यूनतम बीमा राशि: 1,00,000अधिकतम बीमा राशि की कोई सीमा नहीं (अंडरराइटिंग पर निर्भर)इन योजनाओं का उद्देश्य: एलआईसी का कहना है कि वर्तमान आर्थिक परिवेश में जब ब्याज दरें अस्थिर हैं, ऐसे समय में ये दोनों योजनाएं निवेशकों को निश्चित लाभ और बीमा सुरक्षा देने के लिए उपयुक्त विकल्प हैं।

न्यूज ब्रीफ

गुजरात में पीवीसी संयंत्र लगाएगा अडाणी समूह, पेट्रोरसायन क्षेत्र में रिलायंस के साथ प्रतिस्पर्धा की तैयारी

नई दिल्ली। अदाणी समूह गुजरात के मुंद्रा में 10 लाख टन वार्षिक क्षमता वाला पीवीसी (पॉलीविनाइल क्लोराइड) संयंत्र लगाने जा रहा है। इस परियोजना के साथ अदाणी समूह पेट्रोरसायन क्षेत्र में कदम रखेगा, जहां फिलहाल रिलायंस इंडस्ट्रीज का दबदबा है। अनुमान है कि यह संयंत्र वित्त वर्ष 2027-28 तक चालू हो जाएगा। पीवीसी एक बहुउपयोगी प्लास्टिक पॉलिमर है, जिसका इस्तेमाल पाइप, खिड़की-फ्रेम, केबल इंसुलेशन, फ्लोरिंग और खिलौनों जैसे कई उत्पादों में होता है। भारत में पीवीसी की सालाना मांग लगभग 40 लाख टन है, जबकि घरेलू उत्पादन सिर्फ 15.9 लाख टन है। इसमें से लगभग आधी क्षमता रिलायंस इंडस्ट्रीज के पास है। सूत्रों के मुताबिक अदाणी की यह परियोजना एसिटिलीन और कैल्शियम कार्बाइड आधारित उत्पादन प्रक्रिया पर आधारित होगी। इसे पर्यावरणीय मंजूरी और सरकार की सहमति पहले ही मिल चुकी है। समूह भविष्य में इस संयंत्र की क्षमता को बढ़ाकर 20 लाख टन तक ले जाने की योजना बना रहा है। हिंडनबर्ग रिपोर्ट के चलते मार्च 2023 में रुकी यह परियोजना अब दोबारा शुरू हो चुकी है। अदाणी समूह ने 5 अरब डालर से अधिक की पूंजी जुटाई है और इस परियोजना को एसबीआई के नेतृत्व वाले बैंकिंग गठजोड़ से वित्तपोषित किया जा रहा है।

ट्रांसरेल लाइटिंग को पावर ग्रिड के ठेकों में 10 फीसदी हिस्सेदारी की उम्मीद

नई दिल्ली। ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ट्रांसरेल लाइटिंग को चालू वित्त वर्ष 2025-26 में सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली पारेषण कंपनी पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पीजीसीआईएल) के ठेकों में 8 से 10 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल होने की उम्मीद है। यह जानकारी कंपनी के एक अधिकारी ने दी। नारंग ने बताया कि वर्तमान में ट्रांसरेल की बाजार हिस्सेदारी लगभग 8-10 फीसदी है और कंपनी इस स्तर को बनाए रखते हुए पावर ग्रिड के बड़े निवेश योजनाओं का लाभ उठाना चाहती है। पावर ग्रिड ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 28,000 करोड़, 2026-27 के लिए 35,000 करोड़ और 2027-28 के लिए 45,000 करोड़ के पूंजीगत व्यय की घोषणा की है। 2024-25 में ट्रांसरेल ने 9,680 करोड़ के ऑर्डर हासिल किए, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 120 फीसदी की वार्षिक वृद्धि को दर्शाते हैं। अधिकारी के अनुसार कंपनी के पास वर्ष की शुरुआत से ही मजबूत ऑर्डर बुक है और उसे अगले 24-30 महीनों के लिए राजस्व की स्पष्ट दृश्यता प्राप्त है।

नेशनल हाईवे पर अब आधा लगेगा टोल टैक्स, सरकार ने 50प्रतिशत तक की कटौती, जानिए नया नियम

नई दिल्ली ,06 जुलाई। सरकार ने टोल टैक्स के नियमो में बदलाव किया है। जिसके तहत सरकार ने कुछ खास हाइवेज पर टोल टैक्स में 50 प्रतिशत से ज्यादा की कटौती कर दी है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने टोल टैक्स के नए नियमों को लेकर अधिसूचना जारी कर दी है, जिसके चलते अब लंबी दूरी तय करने वाले वाहन चालकों को कम टोल देने होगा। नए नियमों के तहत टोल टैक्स की गणना अब दो अलग-अलग तरीके से की जाएगी। ह्र।प्र्ह्व के आदेश के मुताबिक, नए नियम के अनुसार, अगर हाईवेज में पुल, सुरंग, फ्लाईओवर या एलिवेटेड रोड होंगे तो टोल की गणना दो तरीके से की जाएगी। पहला, संरचना की लंबाई को 10 गुना करके अन्य सड़क की लंबाई में जोड़ा जाएगा। इसके अलावा पूरी संरचना की लंबाई को पांच गुना करके, दोनों में से जो भी कम होगा, वही टोल की गणना का आधार बनेगा। इस नियम का लाभ एक्सप्रेस-वे या लंबी दूरी के यात्रियों को ज्यादा होगा।

खाद्य तेल बाजार में हलचल : सरसों-सोया मूंगफली के दाम बढ़े, पाम तेल स्थिर

बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 100 रुपए बढ़कर 6,925-6,975 प्रति क्विंटल पर बंद

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेंसियां) । बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजार में सरसों, सोयाबीन, मूंगफली और बिनौला तेल के भाव में तेजी देखी गई, जबकि कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल के दाम पूर्ववत बने रहे। वैश्विक बाजार में खाने के तेलों की कीमतों में तेजी का असर भारत में सीमित रहा। बाजार सूत्रों के अनुसार सरसों की आवक कमजोर बनी हुई है, जबकि कच्ची घानी तेल मिलों की मांग तेज होती जा रही है। आगामी सरसों फसल आने में अभी समय है और मौजूदा स्टॉक सरकार व किसानों के पास है। सरकार द्वारा पूर्व में खरीदी गई फसल की बिक्री के लिए निविदा मंगाने से बाजार पर हल्का दबाव जरूर आया, फिर भी सरसों के दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य से 6-7 फीसदी ऊपर बने हुए हैं। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 100 बढ़कर 6,925-6,975 प्रति क्विंटल पर बंद हुआ, जबकि दादरी सरसों तेल 175 की तेजी के साथ 14,875 रुपए प्रति क्विंटल पहुंचा। विदेशी बाजार में सोयाबीन की कीमत 1,130-1,135 डॉलर प्रति टन से बढ़कर 1,155-1,160 डॉलर हो गई, जिससे घरेलू बाजार में भी थोड़ी तेजी आई। हालांकि, सोयाबीन का हाजिर भाव न्यूनतम समर्थन मूल्य से करीब 15 फीसदी नीचे है, जिससे मंडियों में आवक कम हो रही है। आयातकों को भी लागत से नीचे भाव पर सोया डीगम तेल बेचना पड़ रहा है। सोयाबीन दाना 25 रुपए बढ़कर 4,375-4,425 और डीगम तेल 100 रुपए बढ़कर 9,700 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली का हाल भी कुछ ऐसा ही रहा। कमजोर थोक दाम और न्यूनतम समर्थन मूल्य से नीचे चलने के कारण किसान बिक्री से कतरा रहे हैं। हालांकि मांग में हल्की तेजी से मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में भी सुधार हुआ। मूंगफली तेल गुजरात 150 रुपए बढ़कर 13,700 और मूंगफली रिफाइंड 35 रुपए बढ़कर 2,230-2,530 रुपए प्रति टिन पर बंद हुआ। पाम और पामोलीन तेल की कीमतें समीक्षाधीन सप्ताह में स्थिर रहीं। पामतेल की मांग इसलिए प्रभावित रही क्योंकि इसकी कीमत सोयाबीन जैसे नरम तेलों के बराबर है। सीपीओ 10,650, पामोलीन दिल्ली 12,400 और एक्स कांडला 11,350 रुपए प्रति क्विंटल पर टिका रहा। बिनौला तेल की उपलब्धता कम रहने से इसके भाव में 150 की तेजी दर्ज की गई ।

डीप टेक स्टार्टअप्स को मिलेगा नया बूस्ट : गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बेंगलुरु में घोषणा की कि सरकार ने डीप टेक रिसर्च और स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए 'फंड ऑफ फंड्स' स्कीम के तहत 10,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि मंजूर की है। उन्होंने बताया कि पिछली बार बजट में दी गई इतनी ही राशि पहले ही उपयोग की जा चुकी है। नई फंडिंग का बड़ा हिस्सा डीप टेक क्षेत्र को समर्पित किया जाएगा, जिससे देश में नई तकनीकों के विकास और नवाचार को बल मिलेगा। गोयल ने बताया कि इस फंड के लिए दिशानिर्देश तैयार किए जा रहे हैं, जिससे स्टार्टअप्स को रिसर्च और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में स्पष्ट मार्गदर्शन मिलेगा। इसी के साथ, भारत के स्टार्टअप पॉलिसी फोरम ने एक नई पहल की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य देश के 100 शीर्ष डीप टेक स्टार्टअप्स की पहचान कर उन्हें नीति निर्माण और तकनीकी चर्चाओं में शामिल करना है। यह कार्यक्रम स्टार्टअप इंडिया, मेटी स्टार्टअप हब और आईआईटी मद्रास के सहयोग से चलाया जा रहा है। इस पहल के तहत एक मेंटर बोर्ड भी बनाया गया है, जिसमें विशेषज्ञ, निवेशक और नीति निर्माता शामिल हैं। चयनित स्टार्टअप्स के अनुभवों और चर्चाओं के आधार पर एक व्हाइट पेपर तैयार किया जाएगा, जिसमें नीति संबंधी सुझाव होंगे।

सुजलॉन एनर्जी को पुनर्गठन योजना पर राहत, मिली मंजूरी

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेंसियां) ।

सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड को अपनी पुनर्गठन योजना के तहत एक बड़ी राहत मिली है। कंपनी ने हाल ही में शेयर बाजारों को सूचित किया कि उसे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) से कोई आपत्ति न होने का पत्र प्राप्त हुआ है। यह स्वीकृति कंपनी द्वारा मई 2023 में प्रस्तावित और अगस्त 2024 में शेयरधारकों तथा कर्जदाताओं से अनुमोदित पुनर्गठन योजना से जुड़ी है।

इस योजना के तहत सुझलॉन एनर्जी अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी सुझलॉन ग्लोबल सर्विसेज लिमिटेड का विलय अपने आप में करने जा रही है। इस विलय का उद्देश्य कंपनी के कॉर्पोरेट ढांचे

सोमवार को स्टॉक में दिख सकता है एक्शन

को सरल और अधिक प्रभावी बनाना है। कंपनी का कहना है कि इससे संचालन अधिक दक्ष और लागत प्रभावी होगा।

स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा जारी ऑब्जर्वेशन लेटर में कंपनी को निर्देश दिए गए हैं कि वह स्कीम ऑफ अरेंजमेंट को सेबी के सभी नियमों के अनुरूप सुनिश्चित करे। साथ ही कंपनी को किसी भी लंबित अदालती, वसूली या अभियोजन मामलों की पूरी जानकारी का खुलासा करना होगा। लेटर में यह भी कहा गया है कि ड्राफ्ट स्कीम में कोई बदलाव नियामकीय मंजूरी के बिना नहीं किया जा सकता।

अब यह योजना राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण की अंतिम मंजूरी के लिए प्रस्तुत की जाएगी। इस खबर के बाद शुक्रवार को कंपनी के शेयर 0.6 फीसदी बढ़कर 65.65 पर बंद हुए। निवेशकों को उम्मीद है कि यह पुनर्गठन कंपनी की दीर्घकालिक विकास रणनीति को मजबूती देगा।

हिंदुस्तान कॉपर मध्यप्रदेश में 400 करोड़ के निवेश से कन्सन्ट्रेटर संयंत्र लगाएगी

हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) अगले दो-तीन वर्षों में मध्य प्रदेश के मलांजखंड में 30 लाख टन वार्षिक क्षमता वाला नया कन्सन्ट्रेटर संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है। इस परियोजना पर कंपनी लगभग 400 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। यह कदम कंपनी की अयस्क उत्पादन क्षमता को तिगुना करने की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। कंपनी के चेयरमैनने बताया कि सरकारी परामर्श कंपनी मेकॉन इस संयंत्र के लिए तकनीकी डिजाइन और निविदा दस्तावेज तैयार कर रही है। निर्माण कार्य की शुरुआत 2026 में होने की संभावना है, जिसे कंपनी अपने आंतरिक संसाधनों से वित्तपोषित करेगी। फिलहाल मलांजखंड में एचसीएल का 25 लाख टन सालाना क्षमता वाला कन्सन्ट्रेटर संयंत्र संचालित है। कन्सन्ट्रेटर संयंत्र खनिज अयस्क से अपशिष्ट को अलग कर मूल्यवान खनिजों का संकेंद्रित रूप तैयार करता है, जिसे आगे गलन या शोधन के लिए भेजा जाता है।

सेबी की बड़ी कार्रवाई : जेन स्ट्रीट के 4,844 करोड़ रुपए जब्त

भारतीय बाजार में ट्रेडिंग से प्रतिबंधित भी किया

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेंसियां) ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अमेरिकी हाई-फ्रिक्वेंसी ट्रेडिंग फर्म जेन स्ट्रीट और उसकी सहयोगी कंपनियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें भारतीय बाजार में ट्रेडिंग से प्रतिबंधित कर दिया है।

सेबी के अनुसार इस फर्म ने बैंक निफ्टी इंडेक्स में हेराफेरी कर करीब 4,844 करोड़ रुपए का अनुचित लाभ कमाया। हाल ही में जारी 105 पन्नों के अंतरिम आदेश में इस राशि की जब्ती का निर्देश दिया गया है, जो सेबी के इतिहास की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। सेबी चेयरमैन ने कहा कि शेयर बाजार में किसी भी तरह की गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और निगरानी व्यवस्था को पहले से ज्यादा मजबूत किया गया है।

एक्सचेंज और सेबी दोनों स्तरों पर निगरानी टीमों की संख्या बढ़ाई गई है ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। सेबी की जांच में खुलासा हुआ है कि जेन स्ट्रीट ने भारत में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक नियमों से बचने के लिए कई संस्थाएं बनाई थीं। वर्तमान आदेश केवल 18 दिनों की बैंक निफ्टी ट्रेडिंग और तीन एक्सपायरी दिनों की गतिविधियों पर आधारित है। अब सेबी अन्य एक्सपायरी दिनों और इंडेक्स जैसे निफ्टी 50 व बीएसई सेंसेक्स में भी संभावित गड़बड़ी की जांच कर रही है।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज ने ईवाय को भेजा दूसरा कानूनी नोटिस

नई दिल्ली । आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड (एईएसएल) और वैश्विक कंसल्टिंग फर्म अर्नस्ट एंड यंग (ईवाय) के बीच एक बड़ा कॉर्पोरेट विवाद खड़ा हो गया है। आकाश ने ईवाय पर पेशेवर आचार संहिता के उल्लंघन और हितों के टकराव का गंभीर आरोप लगाते हुए दूसरा कानूनी नोटिस भेजा है। आकाश का कहना है कि ईवाय एक ओर उनकी वित्तीय सलाहकार थी और दूसरी ओर उनके प्रतिद्वंदी एलेन करियर इंस्टीटयूट के लिए भी एक्सक्लूसिव फाइनेंशियल एडवाइजर और ऑफिशियल रिजल्ट वैलिडेटर के तौर पर कार्य कर रही थी।

टाटा मोटर्स को मिल रही महिंद्रा और एमजी से कड़ी चुनौती

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेंसियां) । इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) बाजार में टाटा मोटर्स को अब महिंद्रा और एमजी मोटर जैसी कंपनियों से कड़ी चुनौती मिल रही है। बीते महीने जून के आंकड़े देखे तो साफ है कि ईवी बाजार में मुकाबला बेहद तीव्र हो चुका है और टाटा की पकड़ अब पहले जैसी मजबूत नहीं रही।

जून 2025 में कुल 13,033 इलेक्ट्रिक कारें रजिस्टर हुईं, जो पिछले साल के मुकाबले 78 प्रतिशत ज्यादा हैं। यह भले ही कुल पैसेंजर व्हीकल्स का सिर्फ 4प्रतिशत हो, लेकिन यह बाजार में ईवी की बढ़ती स्वीकार्यता का संकेत है। सबसे बड़ा उलटफेर यह रहा कि महिंद्रा और एमजी मोटर ने संयुक्त रूप से 53प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हथिया ली, जो पहले टाटा के पास थी। टाटा मोटर्स ने अब भी सबसे ज्यादा ईवी बेचे, लेकिन जून 2024 में 62.7प्रतिशत हिस्सेदारी के मुकाबले जून 2025 में यह घटकर 35.8प्रतिशत रह गई। टाटा की बिक्री जून 2025 में 4,664 यूनिट्स रही, जिसमें सिर्फ 2प्रतिशत सालाना वृद्धि दर्ज हुई। पंच ईवी और क्रूव ईवी जैसे मॉडल्स के बावजूद, टाटा को अपनी रणनीति और इनोवेशन पर दोबारा फोकस करना होगा।

वहीं एमजी मोटर ने आक्रामक रफ्तार दिखाई और जून 2025 में 3,945 यूनिट्स बेच डालीं, जो 167प्रतिशत की जबरदस्त सालाना वृद्धि है। कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 30.3प्रतिशत पहुंच गई। एमजी की नई विंडसर इलेक्ट्रिक एसयूवी को शहरी ग्राहकों ने खूब पसंद किया, जिससे कंपनी टाटा के बेहद करीब पहुंच गई। दूसरी ओर, एसयूवी बाजार की महारथी महिंद्रा ने ईवी सेगमेंट में भी शानदार एंट्री की। जून 2025 में महिंद्रा ने 2,979 यूनिट्स बेचीं और 512प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की।

जून 2025 में हयूदै क्रेटा ने बेचीं 15,786 यूनिट्स

नई दिल्ली। जून 2025 में हयूदै क्रेटा ने 15,786 यूनिट्स की बिक्री के साथ भारतीय बाजार में अपनी मजबूत पकड़ फिर साबित की है। 2015 में लॉन्च हुई क्रेटा ने अपने 10 साल पूरे करते हुए मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट की पहचान ही बदल दी है। बाजार में इसकी लोकप्रियता इतनी गहरी है कि इस श्रेणी को लोग अब क्रेटा सेगमेंट कहने लगे हैं। हयूदै के मुताबिक, अब तक 12 लाख से ज्यादा भारतीय परिवार इसे अपना चुके हैं और जून 2025 के आंकड़े दिखाते हैं कि ग्राहक इसे उतना ही पसंद करते हैं। कंपनी ने इस उपलब्धि पर कहा कि क्रेटा सिर्फ एक कार नहीं बल्कि एक भावना है, जिसने हयूदै की भारत में सफलता की नींव रखी। क्रेटा को हयूदै ने हर वर्ग के ग्राहकों के लिए तैयार किया है। इसका 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन 115 बीएचपी और 144 एनएम का टॉर्क देता है, वहीं 1.5-लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन 160 बीएचपी और 253 एनएम की ताकत के साथ आता है। डीजल विकल्प में 1.5-लीटर इंजन 116 बीएचपी और 250 एनएम का टॉर्क देता है। स्पोर्टी ड्राइव चाहने वालों के लिए क्रेटा एन लाइन भी पेश की गई है। हयूदै ने इसके इलेक्ट्रिक अवतार की भी शुरुआत कर दी है, जिसमें 42 केडब्ल्यूएच और 51.4 केडब्ल्यूएच के दो बैटरी पैक हैं जो क्रमश: 390 किमी और 473 किमी की अनुमानित रेंज देते हैं।

इसकी बाजार हिस्सेदारी अब 22.9प्रतिशत है। बीई 6 और एक्सईवी 9ई जैसे मॉडलों ने ग्राहकों को खूब लुभाया है।

अन्य कंपनियां भी पीछे नहीं रहीं। हुंडई ने 509 यूनिट्स बेचकर 708प्रतिशत की बढ़त हासिल की। किआ ने 41 यूनिट्स के साथ 156प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। बीवायडी ने 461 यूनिट्स के साथ 90प्रतिशत ग्रोथ पाई। हालांकि सिट्रोन को तगड़ा झटका लगा और उसकी बिक्री 80 यूनिट्स तक सिमट गई, जो -66 प्रतिशत की गिरावट है।

भारतीय टीम ने तोड़ा बर्मिंघम का तिलिस्म, टेस्ट में रनों के लिहाज से हासिल की अपनी चौथी बड़ी जीत

बर्मिंघम,06 जुलाई (एजेंसियां)। टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड को जिस बात का घमंड था भारत ने उसे आज वो भी चकनाचूर कर दिया। 25 साल के युवा कप्तान शुभमन गिल की सेना ने दिग्गजों से भरी इंग्लिश ब्रिगेड को एजबेस्टन, बर्मिंघम में घुटने टेकने के लिए मजबूर कर दिया। भारतीय टीम ने दूसरी पारी के आधार पर क्रिकेट इतिहास के सबसे बड़े सुपरहीरो कहे जाने वाले बेन स्टोक्स की बाजबॉल टीम को 608 रनों का लक्ष्य दिया। इसके बाद सिर्फ 8वां टेस्ट खेल रहे आकाश दीप और मोहम्मद सिराज जैसे कम अनुभवी गेंदबाजों की कातिलाना गेंदबाजी के दम पर कभी नहीं जीत पाने वाले इतिहास के पन्नों

को फाड़ डाला। भारतीय टीम ने इंग्लैंड की दूसरी पारी 271 रनों पर ढेर कर दी, जबकि 336 रनों से यह मैच जीत लिया। यह भारत की रनों के मामले में सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले 279 रनों की जीत 1986 में आई थी, जिसमें भारत के कप्तान कपिल देव थे।भारत के लिए शुभमन गिल ने पहली पारी में दोहरा शतक जड़ा था, जबकि दूसरी पारी में शतक ठोका। पहली पारी में मोहम्मद सिराज ने 6, जबकि आकाश दीप ने 4 विकेट झटके थे। अब आकाश दीप ने फाइव विकेट हॉल मारते हुए दूसरी पारी में अंग्रेजों की हालत खराब कर दी। भारत ने 1967 में इस मैदान पर इससे पहले पहला टेस्ट खेला था, जबकि उसे यहां 8 मैचों में 7 हार मिली थी। इस तरह से 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में अब भारत और इंग्लैंड 1-1 से बराबर हैं। यह जीत इसलिए भी ऐतिहासिक है, क्योंकि दुनिया के नंबर वन गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इस मैच में नहीं खेल रहे थे, जबकि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे सीनियर हाल ही में रिटायर हो चुके थे। मोहम्मद शमी चोट की वजह से टीम में नहीं हैं। इंग्लैंड के लिए दूसरी पारी में जेमी स्मिथ ने 88 रनों की पारी खेली, जबकि भारत के लिए सबसे अधिक विकेट आकाश दीप ने लिए।टॉस जीतकर इंग्लैंड ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, लेकिन उनका यह निर्णय भारतीय बल्लेबाजों ने गलत साबित कर दिया। भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में शानदार बल्लेबाजी करते हुए सभी विकेट खोकर 587 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। इस पारी की सबसे बड़ी खासियत युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल का असाधारण प्रदर्शन रहा, जिन्होंने 269 रनों की शानदार दोहरी शतकीय पारी खेली। गिल ने इंग्लैंड की सरजमीं पर एक भारतीय बल्लेबाज द्वारा खेली गई सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक का प्रदर्शन किया, जिससे भारत एक मजबूत स्थिति में आ गया।गिल के अलावा, केएल राहुल, ऋषभ पंत और रविंद्र जडेजा ने भी महत्वपूर्ण अर्धशतकीय योगदान दिए, जिससे टीम का स्कोर 500 के पार गया। राहुल ने 55 रन बनाए, जबकि पंत ने 58 गेंदों में 8 चौकों और 3 छक्कों की मदद से तेजतर्रार 65 रन जोड़े। रविंद्र जडेजा ने भी 118 गेंदों में 5 चौकों और 1 छक्के की मदद से 69 रनों की उपयोगी पारी खेली।

न्यूज ब्रीफ

ग्रेनेडा टेस्ट: तीसरे दिन का खेल खत्म ऑस्ट्रेलिया की बढ़त 254 रन की हुई

ग्रेनेडा। वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दूसरी पारी में सात विकेट खोकर 221 रन बना लिए हैं। एलेक्स केरी 26 और कप्तान पैट कमिंस 4 बना कर क्रीज पर हैं। टीम की बढ़त 254 रन की हो गई है। दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने 2 विकेट पर 12 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। दिन की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया को नाथन लियोन के रूप में पहला छटका लगा। लियोन 8 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद टीम के लिए कैमरून ग्रीन और स्टीव स्मिथ ने अर्धशतकीय पारी खेली। कैमरून ग्रीन ने 123 गेंद पर 5 चौकों की मदद से 52 रन बनाए, वहीं स्मिथ ने 119 गेंदों में 7 चौके और एक छक्के की मदद से 71 रन जड़े। इसके अलावा ट्रेविस हेड ने 60 गेंद पर 39 रन बनाए। ब्यू वेबस्टर मात्र 2 रन बना पाए। वेस्टइंडीज के लिए दूसरी पारी में अब तक जायडेन सील्स, शमर जोसेफ, जस्टिन ग्रीव्स ने 2-2 विकेट और अल्जारी जोसेफ ने एक विकेट चटकाया। इससे पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 286 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज की पहली पारी 253 रन प सिमट गई थी। इस तरह दूसरी पारी की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया को 33 रन की लीड मिली थी। अब दूसरी पारी में 7 विकेट खोकर 221 रन बनाने के साथ टीम की कुल बढ़त 254 रन हो गई है। उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलिया ने पहले टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को 159 रनों से हराया था। इससे ऑस्ट्रेलिया की टीम सीरीज में 1-0 से आगे है।

हसीन जहां ने दो पोस्ट जारी कर शमी पर निशाना साधा

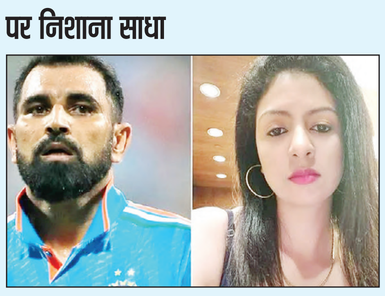

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी से अलग रही रही पत्नी हसीन जहां ने अब सोशल मीडिया में दो और पोस्ट जारी किये हैं। हसीन ने इसमें शमी पर जमकर निशाना साधा है। वहीं तंज कसा है कि शमी की कई बुराईयों के बाद भी वह उन्हें चाहती है। साथ ही कहा कि उन्हें ऐसी बीवी कहां मिलेगी। शमी और हसीन के बीची तलाक के लिए मुकदमा चल रहा है जिसमें फैसला नहीं आया है। दोनो के बीच पिछले 6-7 साल से दोनों के बीच कानूनी लड़ाई चल रही है। हसीन का कहना है कि वह अपनी बेटी और अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रही हैं। अभी पिछले दिनों ही कलकत्ता हाईकोर्ट ने शमी को अपनी पत्नी हसीना जहां और उनकी बेटी आयरा को हर महीने 4 लाख रुपये गुजारा भत्ता देने का निर्देश दिया था। हसीन सोशल मीडिया में भी जमकर सक्रिय रहती हैं। अब हसीन ने एक वीडियो गीत के साथ अपना वीडियो लगाते हुए शमी को टैग करते हुए लिखा, 'डोंट वरी माय लव' मरते दम तक हम एक मजबूत रिश्ता निभाएंगे। आपको फैसला करना है वो मजबूत रिश्ता कैसा होगा। 7 साल से हम लोग कानूनी लड़ाई में व्यस्त हैं। इससे आपको क्या लाभ हुआ आप ही जाने। वहीं हसीन ने अपने दूसरे पोस्ट में उन्होंने शमी के चरित्र पर सवाल उठाने के साथ ही उनपर धोखाधड़ी करने के भी आरोप लगाये हैं। साथ ही कहा है कि वह अपने अधिकारों के लिए लड़ती रहेंगी। इसमें उन्होंने शमी का साथ देने वालों को भी आड़े हाथों लिया है।

यशस्वी अपने दृष्टिबाधित प्रशंसक बच्चे से मिले, बल्ला उपहार में दिया

बर्मिंघम। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड दौरे में अपनी शानदार बल्लेबाजी के साथ ही अपने एक और काम से सभी का दिल जीता है। यशस्वी ने अपने एक दृष्टिबाधित प्रशंसक बच्चे से मुलाकता कर उसे अपने ऑटोग्राफ वाला बल्ला भी उपहार में दिया है। ये बच्चा यशस्वी का बड़ा प्रशंसक होने के साथ ही उसके मिलना चाहता थ। रवि नाम के इस बच्चे ने पहले टेस्ट के दौरान भी यशस्वी से मिलने का प्रयास किया था पर वह तब वह नहीं मिल पाया था। वहीं यहां के एजबेस्टन मैदान पर तब उसकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा जब उसकी ये इच्छा पूरी हो गई। खेल के प्रति रवि के जुनून और उसके प्रति प्रेम से यशस्वी भी भावुक हो गये और उन्होंने इस बच्चे को अपने ऑटोग्राफ वाला बल्ला उपहार में दिया, जिस पर संदेश लिखा था, 'रवि को प्यार के साथ शुभकामनाएं। इसका एक विडियो भी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया पर जारी किया है।

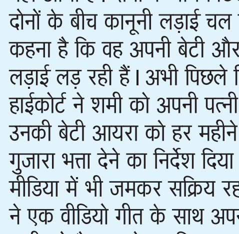

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ब्राह्मण क्षत्रिय...

कई संदिग्ध व्यक्तियों के रहने, विदेशी फंडिंग से एक साल के अंदर करोड़ों रुपए की सम्पत्ति, शोरूम, बंगला, लग्जरी गाडियां खरीदने की जानकारी प्राप्त हुई। इस पर मामले की जांच एटीएस की दी गई। एटीएस की जांच में सामने आया कि यह गिरोह सुनियोजित तरीके से युवतियों को प्रेमजाल में फंसाकर धर्म परिवर्तन कराता था। जांच के अनुसार, गिरोह के सदस्यों ने लगभग 40 बार इस्लामिक देशों की यात्रा की थी। साथ ही, उन्होंने अपने नाम और फर्जी संस्थाओं के नाम से 40 से अधिक बैंक खाते खुलवाए थे, जिनमें लगभग 100 करोड़ रुपए का लेन-देन हुआ। ये फंड विदेशी स्रोतों से प्राप्त किए गए थे, जिनसे शोरूम, बंगले और लग्जरी गाड़ियों जैसी सम्पत्तियां खरीदी गईं। इस पर यूपी एटीएस ने बलरामपुर के ग्राम मधपुर गांव से जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा और उसकी साथी नीतू उर्फ नसरीन को गिरफ्तार किया। एटीएस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा खुद को पीर बाबा और हजरत बाबा जलालुद्दीन के नाम से प्रचारित करता था। उसने शिजर-ए-तैय्यबा नामक पुस्तक भी प्रकाशित की थी, जिसका उपयोग वह और उसके सदस्य इस्लाम धर्म के प्रचार-प्रसार और ब्रेनवाशिंग में किया जाता था। जमालुद्दीन की काफी समय से तलाश की जा रही थी। इस पर 50 हजार रुपए का इनामी भी घोषित था।एडीजी अमिताभ यश ने बताया कि गिरोह की साजिशें बेहद खतरनाक थीं। हिंदू समाज की लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाकर, झूठे नामों से शादी का झांसा देकर उनका ब्रेनवाश किया जाता था। उन्होंने बताया कि लखनऊ निवासी गुंजा गुप्ता को अबू अंसारी नामक युवक ने अमित बनकर फंसाया और छांगुर बाबा की दरगाह ले गया, जहां उसका नाम बदलकर अलीना अंसारी कर दिया गया। इसके बदले उन्हें अच्छी जिंदगी, पैसे और सुरक्षा का लालच दिया गया। मुंबई के एक सिंधी परिवार का ब्रेनवाश कर इस्लाम कबूल करवाया गया था। परिवार में नवीन घनश्याम रोहरा, उनकी पत्नी नीतू और बेटी का नाम बदलकर जमालुद्दीन, नसरीन और सबीहा रख दिए गया था। गिरोह ने हिंदू लड़कियों के धर्म परिवर्तन के लिए बाकायदा दरें तय कर रखी थीं। एटीएस की जांच में सामने आया कि ब्राह्मण, क्षत्रिय और सिख लड़कियों के लिए 15-16 लाख, पिछड़ी जातियों के लिए 10-12 लाख और अन्य जातियों के लिए 8-10 लाख तक की राशि निर्धारित थी। यह धर्म परिवर्तन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि पूरी तरह से संगठित आर्थिक अपराध था। सिर्फ प्रेमजाल ही नहीं, बल्कि गरीब और असहाय लोगों को भी यह गिरोह निशाना बनाता था। यदि कोई धर्मांतरण से इन्कार करता, तो उन्हें फर्जी मुकदमों में फंसाने की धमकी दी जाती। इस कार्य में छांगुर बाबा के साथ महबूब, पिंकी हरिजन, हाजिरा शंकर, सगीर, कथित पत्रकार एमेन रिजवी और नीतू जैसे लोग शामिल थे। यूपी एटीएस मामले की छानबीन कर रही है। साथ ही अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। यूपी एटीएस का कहना है कि यह नेटवर्क पूरे भारत में फैला हुआ है। पुलिस इस मामले को राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक सौहार्द से जोड़कर देख रही है। जांच एजेंसियां पूरे नेटवर्क की परतें खोलने में जुटी हैं।

नरेंद्र मोदी के...

रियो डी जेनेरियो (ब्राजील) में 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्राजील के आधुनिक कला संग्रहालय पहुंचे। उन्होंने ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा हुई। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक दक्षिण के मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा भारत-ब्राजील संबंधों में नई ऊर्जा भरने और ब्रिक्स मंच पर साझा उद्देश्यों को आगे बढ़ाने की दिशा में अहम मानी जा रही है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्राजील यात्रा के दौरान दोनों देश के संबंधों में नई ऊर्जा दिखाई दे रही है। मेघमणि ऑर्गेनिक्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और फिक्की गुजरात के उपाध्यक्ष नटु एम पटेल ने कहा कि कृषि क्षेत्र में भारत और ब्राजील के बीच तालमेल अद्भुत है। किरी इंडस्ट्रीज ग्रुप के सचिव सुरेश गोंडालिया ने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा और महत्वपूर्ण द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर से दोनों देशों के बीच 15 अरब डॉलर के वर्तमान व्यापार में और वृद्धि होगी। ब्राजील में इथेनॉल का उपयोग कई वर्षों से हो रहा है और भारत में भी पीएम मोदी के नेतृत्व में हमने 2030 तक 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य रखा था, जिसे उनके प्रयासों से 2025 में ही हासिल कर लिया गया। अब ब्राजील के साथ प्रौद्योगिकी और वित्तीय सहयोग के जरिए हम और आगे बढ़ने वाले हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्राजील यात्रा से दोनों देशों के बीच आर्थिक और तकनीकी सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। पीएम मोदी की इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर होने की संभावना है, जो भारत-ब्राजील संबंधों को और मजबूत करेगा। शक्ति ग्रुप के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक श्रेयांस गोयल ने इस यात्रा को दोनों देशों के लिए एक ऐतिहासिक अवसर बताया। उन्होंने कहा, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन दोनों देशों के लिए एक शानदार अवसर है। ब्राजील और भारत ब्रिक्स के संस्थापक साझेदार हैं और दोनों देशों की दोस्ती 40 साल से भी अधिक पुरानी है। यह मौका दोनों देशों के लिए अपनी प्रौद्योगिकी और प्रतिबद्धताओं को बढ़ाने का है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ब्रिक्स साझेदारी के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए ब्राजील के रियो डी जेनेरियो पहुंचे हैं। ब्राजील में ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेने के बाद वह द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे। इस दौरान व्यापार के साथ रक्षा मसलों पर भी बात होने की संभावना है।चौथी बार ब्राजील दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से उत्साहित भारतीय समुदाय ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। ऑपरेशन सिंदूर लिखा पोस्टर भी ले रखा था। महिलाओं ने पारंपरिक भारतीय वेशभूषा में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और नृत्य के जरिए प्रधानमंत्री का स्वागत किया। रियो डी जेनेरियो में आयोजित इस स्वागत समारोह में ऑपरेशन सिंदूर को समर्पित एक विशेष प्रस्तुति भी दी गई। भारतीय समुदाय के लोगों ने भारत माता की जय के नारे लगाए। पीएम मोदी ने भारतीय समुदाय के लोगों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बच्चों को भी दुलारा। प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में भारतीय समुदाय ने पारंपरिक नृत्य कर उनका स्वागत किया। इस दौरान एक नृत्य प्रस्तुति ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित थी, जिसमें बैकग्राउंड संगीत में ये देश नहीं मिटने दूंगा के आवाज आ रही थी। ब्राजील के एक बैंड ने भक्ति संगीत गाए।

राजनीतिक दलों ...

केसीआर की सरकार थी, तब उन्होंने ओबीसी आरक्षण के बारे में एक शब्द भी क्यों नहीं बोला था? कानूनी मुद्दों का हवाला देते हुए तेलंगाना भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव ने 42 प्रतिशत आरक्षण को लागू करने में राज्य सरकार की ईमानदारी पर संदेह जताया।

तेलंगाना विधानसभा ने 17 मार्च को शिक्षा, रोजगार और ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों के चुनावों में पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण को बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने के लिए दो विधेयक सर्वसम्मति से पारित किए। जिनमें तेलंगाना पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (शैक्षणिक संस्थानों में सीटों का आरक्षण और राज्य के तहत सेवाओं में नियुक्तियों या पदों का आरक्षण) विधेयक 2025 और तेलंगाना पिछड़ा वर्ग (ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों में सीटों का आरक्षण) विधेयक 2025 शामिल हैं। विधेयकों ने शिक्षा और रोजगार में मौजूदा 25 प्रतिशत और स्थानीय निकायों में 23 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग आरक्षण को बढ़ाकर 42 प्रतिशत कर दिया गया है। 2023 में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस का यह प्रमुख मुद्दा था। चूंकि पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण को 42 प्रतिशत तक बढ़ाना सभी वर्गों के लिए कुल कोटा के लिए सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत की सीमा का उल्लंघन होगा, इसलिए राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को केंद्र की मंजूरी की जरूरत है। सीएम रेवंत रेड्डी ने 17 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण बढ़ाने के मुद्दे पर सभी राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ उनसे मिलने का समय भी मांगा।केंद्र की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर, कांग्रेस पार्टी पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण को 42 प्रतिशत तय करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 243डी के तहत मिली शक्ति का इस्तेमाल करने पर विचार कर रही है। कांग्रेस राज्य के भाजपा नेताओं से प्रधानमंत्री मोदी को तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को भारत के संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल करने के लिए मनाने का भी आग्रह कर रही है।

संदेशखाली हिंसा...

उल्लेखनीय है कि इस मामले की जांच अब तक पश्चिम बंगाल सीआईडी कर रही थी। लेकिन, आरोप है कि राज्य सरकार के प्रभाव के चलते अब तक इस मामले में कोई प्रगति ही नहीं हो रही थी, जिसके बाद मृतकों के परिजनों ने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर मामले की जांच सीबीआई से करवाने की मांग की थी। सीबीआई को इस केस की जांच सौंपते हुए जस्टिस सेनगुप्ता ने पश्चिम बंगाल की पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि केवल ये घटना ही नहीं पिछले मामलों में भी बार-बार पुलिस शाहजहां शेख के खिलाफ कार्रवाई करने में विफल रही है। अदालत ने टिप्पणी की कि ये मामला स्थानीय पुलिस से सीआईडी तक गया, लेकिन जांच में विफलता का ही एक पैटर्न देखने को मिला है।जांच को अपने हाथ में लेते ही सीबीआई ने टीएमसी में बड़ा स्थान रखने वाले पूर्व नेता शाहजहां शेख के खिलाफ एक एफआईआर दर्ज की और उसे ही मुख्य आरोपी बनाया। बहरहाल, शाहजहां शेख संदेशखाली में महिलाओं के साथ बलात्कार, हत्या, उनकी जमीनों पर जबरन कब्जे और करोड़ों के राशन वितरण घोटाले के मामले में 5 जनवरी 2024 को गिरफ्तार होने के बाद से न्यायिक हिरासत में है।

छह महीने में ...

बच्चियों से लेकर किशोरियों तक हर उम्र की लड़कियां शिकार हुई हैं। जून के महीने में 63 बलात्कारों के शिकार में 19 बच्चियां हैं और 23 किशोरियां। सामूहिक बलात्कार के मामलों में दो बच्चियां, तीन किशोरियां और आठ वयस्क महिलाएं हैं।यह आंकड़े वाकई भयभीत करने वाले हैं। यह दिखाते हैं कि किस प्रकार हिंदू महिलाओं के प्रति बांग्लादेश में माहौल बिगड़ रहा है। अभी एक हिंदू महिला के साथ बलात्कार का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है और पिछले दिनों एक ऐसी प्रोफेसर का भी इंटरव्यू वायरल हुआ था, जिन्होंने शेख हसीना को हटाने के अभियान में भाग लिया था और अब यह कहा था कि शेख हसीना के जाने के बाद महिलाओं की हालत बांग्लादेश में बहुत खराब हो गई है।यह भी मामले सामने आया है कि कैसे कट्टरपंथियों के आगे यूनुस सरकार ने घुटने टेक दिए हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार बांग्लादेश महिला आयोग द्वारा की गई सिफारिशों को ठेंगा दिखा रही है। यहां तक बांग्लादेश की महिला खिलाड़ियों तक को सुरक्षा नहीं दी जा रही है। बांग्लादेश महिला परिषद की अध्यक्ष डॉ. फौजिया मोस्लेम ने कहा, ये आंकड़े केवल दर्ज मामलों के हैं। वास्तविक संख्या इससे कहीं ज्यादा है। पुलिस के नाकारेपन, सामाजिक कलंक और कानूनी जटिलताओं के कारण कई घटनाएं रिपोर्ट ही नहीं की जातीं। संगठन महिलाओं के खिलाफ हिंसा से निपटने के लिए सरकार से अपील के तहत कानूनों के सख्त क्रियान्वयन, जागरूकता बढ़ाने और पीड़ितों के लिए सुरक्षित आश्रय की लगातार मांग कर रहा है। लेकिन सरकार इस मांग पर कोई ध्यान ही नहीं दे रही है।बांग्लादेश महिला परिषद की रिपोर्ट को लेकर अब राजनीतिक प्रश्न भी उठ रहे हैं। बांग्लादेश छात्र लीग के अध्यक्ष और ढाका विश्वविद्यालय केंद्रीय छात्र संघ के पूर्व सहायक महासचिव हुसैन सद्दाम ने कहा है कि यूनुस सरकार पूरी तरह से महिला और बच्चों के मामले में विफल रही है। हिंसा की यह महामारी महीनों से चली आ रही राज्य की उदासीनता और कानून प्रवर्तन की पूर्ण विफलता का प्रत्यक्ष परिणाम है। यह एक ऐसे समाज का भयावह प्रतिबिंब है जहां इस्लामी भीड़ का हौसला बुलंद है, राजनीतिक प्रतिशोध अनियंत्रित है और यह भी सच है कि लोगों के मन में दंड का डर नहीं है। महिलाएं और बच्चे एक अवैध सरकार की कीमत चुका रहे हैं जिसके पास कार्रवाई करने की न तो क्षमता है और न ही साहस।बांग्लादेश समाज कल्याण और महिला एवं बाल मामलों के मंत्रालय की सलाहकार शर्मीन एस मुर्शिद ने 20 जून से 29 जून तक बांग्लादेश में बलात्कार के लगभग 24 मामले सामने आने पर अपनी बात कही है। उन्होंने इसे महामारी के स्तर की आपदा कहा है। उन्होंने बाकायदा मीडिया के सामने कहा कि सरकार इस समस्या का समाधान नहीं कर रही।

कभी भी हो ...

और प्रेम खत्म होता जा रहा है।

नितिन गडकरी ने कहा, आज पूरी दुनिया में संघर्ष का वातावरण है। रूस-यूक्रेन और इजराइल-ईरान के बीच युद्ध जारी हैं। ऐसे हालात बन रहे हैं कि कभी भी वर्ल्ड वॉर जैसी स्थिति पैदा हो सकती है। केंद्रीय मंत्री ने इस मौके पर भारत की सांस्कृतिक विरासत की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत बुद्ध की धरती है, जिसने दुनिया को सत्य, अहिंसा और शांति का संदेश दिया है। नितिन गडकरी ने कहा कि युद्ध की तकनीक अब पूरी तरह बदल चुकी है। अब टैंक और पारंपरिक विमान कम उपयोगी हो गए हैं, जबकि मिसाइल और ड्रोन जैसे आधुनिक हथियारों का ज्यादा इस्तेमाल हो रहा है। उन्होंने कहा अब मिसाइलें सीधे नागरिक बस्तियों पर गिराई जा रही हैं, जिससे मानवता की रक्षा करना मुश्किल होता जा रहा है। यह एक गंभीर समस्या है जिस पर वैश्विक स्तर पर चर्चा की जरूरत है।

आ रहे हैं 10...

की दिशा में एक स्पष्ट नीतिगत बदलाव पर जोर देता है। सरकार अपनी महत्वाकांक्षी मेक इन इंडिया पहल के तहत भारत को एक प्रमुख रक्षा आयातक से वैश्विक रक्षा उत्पादन केंद्र में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। इस रणनीति का उद्देश्य विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भरता कम करना, स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देना, रोजगार पैदा करना और भारत की भू-राजनीतिक स्वायत्तता को बढ़ाना है।ऐतिहासिक रूप से, भारत की रक्षा खरीद रूसी प्रौद्योगिकी और उपकरणों पर बहुत अधिक निर्भर रही है। दोनों देशों के बीच संबंध, जो शीत युद्ध के युग से चले आ रहे हैं, भारत के सैन्य आधुनिकीकरण की आधारशिला बने हुए हैं। हालांकि, हाल के वर्षों में, यह साझेदारी केवल आयात-निर्यात की गतिशीलता से आगे बढ़कर संयुक्त उत्पादन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर जोर देने लगी है। इस उभरते रक्षा सहयोग का एक प्रमुख उदाहरण ब्रह्मोस एयरोस्पेस है- जो 2005 में स्थापित एक संयुक्त भारत-रूसी उद्यम है और जिसका नाम ब्रह्मपुत्र और मोस्कवा नदियों के नाम पर रखा गया है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस रक्षा निर्माण में सफल अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का प्रतीक है, जिसमें भारत के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) की 50.5 प्रतिशत हिस्सेदारी और रूस के एनपीओ मशीनोस्ट्रोयेनिया की 49.5 प्रतिशत हिस्सेदारी है। कंपनी ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल बनाती है, जिसे व्यापक रूप से दुनिया की सबसे तेज और सबसे उन्नत क्रूज मिसाइलों में से एक माना जाता है।ब्रह्मोस मिसाइल हाल ही में हुए सैन्य टकरावों में एक महत्वपूर्ण हथियार रही है, जिसमें मई में पाकिस्तान के साथ भारत की चार दिवसीय सैन्य मुठभेड़ भी शामिल है। इसकी तैनाती ने सटीक हमलों, लंबी दूरी की क्षमता और रणनीतिक प्रतिरोध में मिसाइल की प्रभावशीलता को प्रदर्शित किया, जिसने भारत के सुरक्षा सिद्धांत में उन्नत स्वदेशी हथियार प्रणालियों के महत्व को उजागर किया। भारत के नौसेना आधुनिकीकरण के प्रयास भी तेजी से जारी हैं। हाल ही में रूस द्वारा निर्मित क्रिवाक श्रेणी के फ्रिगेट आईएनएस तमाल का हस्तांतरण भारतीय और रूसी रक्षा उद्योगों के बीच चल रहे सहयोग को रेखांकित करता है। हालांकि इसका निर्माण कैलिनिनग्राद में रूस के यंतर शिपयार्ड में किया गया है, लेकिन फ्रिगेट में 26 प्रतिशत भारतीय घटक शामिल हैं, जो स्थानीय सामग्री और संयुक्त विनिर्माण में वृद्धिशील प्रगति को दर्शाता है।युद्धपोत निरीक्षण दल के भारतीय नौसेना विशेषज्ञों ने फ्रिगेट के निर्माण की निगरानी की, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि भारतीय मानकों और परिचालन आवश्यकताओं को पूरा किया गया। यह भारत की जटिल नौसैनिक प्लेटफार्मों को एकीकृत करने और अंततः निर्माण करने की बढ़ती क्षमता को दर्शाता है, जो हिंद महासागर क्षेत्र के रणनीतिक महत्व को देखते हुए एक महत्वपूर्ण क्षमता है। यह नवीनतम 12 बिलियन डॉलर का अधिग्रहण इस वर्ष मार्च में स्वीकृतियों के पिछले चरण के बाद हुआ है, जब डीएसी ने डॉलर 6.26 बिलियन से अधिक के हथियार और उपकरण खरीद को मंजूरी दी थी। उस पैकेज में भारतीय सेना के रूस निर्मित टी-90 युद्धक टैंकों के लिए उन्नत इंजन, नौसेना के लिए अतिरिक्त पनडुब्बी रोधी टॉरपीडो और वायु सेना के लिए हवाई प्रारंभिक चेतावनी और नियंत्रण प्रणाली शामिल थे।कुल मिलाकर, ये खरीद गतिशीलता, मारक क्षमता, परिस्थितिजन्य जागरूकता और आपूर्ति श्रृंखला दक्षता बढ़ाने पर केंद्रित एक व्यापक सैन्य आधुनिकीकरण प्रयास की तस्वीर पेश करती है। सशस्त्र बलों की सभी शाखाओं में उन्नयन और नए अधिग्रहणों पर जोर उभरती सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए एक समन्वित दृष्टिकोण को दर्शाता है। भारत अपनी सैन्य क्षमताओं के विस्तार और उन्नयन पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित कर रहा है, जो एक जटिल भू-राजनीतिक माहौल से प्रेरित है। चीन और पाकिस्तान के साथ उत्तरी सीमाओं पर तनाव, कश्मीर क्षेत्र में चल रही सुरक्षा चुनौतियां और इंडो-पैसिफिक में चीन की बढ़ती आक्रामकता, इन सभी ने नई दिल्ली की रक्षा तैयारियों को मजबूत करने की तत्काल आवश्यकता में योगदान दिया है।इसके अलावा, हिंद महासागर तेजी से रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का क्षेत्र बनता जा रहा है, जिसमें भारत खुद को प्रमुख क्षेत्रीय शक्ति के रूप में स्थापित करना चाहता है। संचार की समुद्री लाइनों की सुरक्षा, समुद्री डकैती का मुकाबला करने और संभावित विरोधियों को रोकने के लिए नवीनतम तकनीक से लैस आधुनिक और सक्षम नौसेना की आवश्यकता है। उन्नत इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों का समावेश आधुनिक युद्धक्षेत्र की विकसित होती प्रकृति की समझ को दर्शाता है। इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमताएं दुश्मन के संचार को बाधित करने, साइबर और इलेक्ट्रॉनिक हमलों से अपनी सेनाओं की रक्षा करने और सूचना श्रेष्ठता हासिल करने के लिए महत्वपूर्ण हैं - जो समकालीन संघर्षों में सफलता के लिए आवश्यक है।जबकि 12 बिलियन डॉलर की खरीद एक महत्वपूर्ण कदम है, भारत को रक्षा खरीद और स्वदेशीकरण में निरंतर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐतिहासिक रूप से, देरी, नौकरशाही बाधाओं और गुणवत्ता नियंत्रण के मुद्दों ने आधुनिकीकरण की गति को बाधित किया है। घरेलू उद्योगों को सरकार द्वारा निर्धारित महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को पूरा करने के लिए उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाना चाहिए और प्रौद्योगिकी विकास में सुधार करना चाहिए। संयुक्त उद्यमों और प्रौद्योगिकी साझेदारी पर भारत का ध्यान, विशेष रूप से रूस के साथ, स्वदेशी क्षमताओं के परिपक्व होने तक एक संक्रमणकालीन रणनीति के रूप में जारी रहेगा। ब्रह्मोस एयरोस्पेस जैसे उपक्रमों की सफलता भविष्य के सहयोग के लिए एक खाका पेश करती है।भारत द्वारा 12 बिलियन डॉलर के हथियार और गोला-बारूद की खरीद को मंजूरी देना उसकी रणनीतिक अनिवार्यताओं और एक मजबूत घरेलू रक्षा उद्योग विकसित करने की उसकी प्रतिबद्धता दोनों को दर्शाता है। सेना, नौसेना और वायु सेना में उन्नत प्रणालियों में निवेश करके, नई दिल्ली उभरते खतरों का बेहतर ढंग से जवाब देने और अपने क्षेत्रीय हितों को सुरक्षित करने के लिए खुद को तैयार कर रही है। रूस के साथ जारी साझेदारी, जिसका उदाहरण ब्रह्मोस एयरोस्पेस जैसे संयुक्त उपक्रम और आईएनएस तमाल जैसे नौसैनिक जहाजों का निर्माण है, निकट भविष्य में भारत की रक्षा रणनीति का अभिन्न अंग बनी रहेगी। साथ ही, मेक इन इंडिया पहल पर जोर देने का उद्देश्य देश को अधिक तकनीकी स्वतंत्रता के साथ एक आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति में बदलना है।जैसे-जैसे एशिया और उसके बाहर भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा तेज होती जा रही है, भारत के हथियारों को पर्याप्त बढ़ावा देने और आधुनिकीकरण के प्रयास, क्षेत्र में भविष्य के शक्ति संतुलन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, साथ ही देश की रणनीतिक स्वायत्तता और सैन्य शक्ति की आकांक्षाओं को भी समर्थन देंगे।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 07 जुलाई, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

हृदय से की गई भक्ति और गौ सेवा सदा स्वीकृत होती है : राधाकृष्णजी

हैदराबाद, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हृदय से भगवान को कहा गया शब्द अथवा हृदय से की गई प्रभु भक्ति या फिर गौ सेवा ठाकुर जी द्वारा अस्वीकृत होती ही नहीं वह तो सदा ठाकुर जी स्वीकार करते हैं ।उक्त उद्गार अत्तापुर स्थित एसएनसी कन्वेंशन हॉल में ध्यान फाउण्डेशन श्याम बाबा नंदीशाला, ध्यान फ़ाउण्डेशन गौशाला के तत्वावधान में योगी अश्विनी गुरुजी की प्रेरणा से आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन कथा का रसपान कराते हुए कथाव्यास राधाकृष्णजी महाराज ने व्यक्त की। शनिवार को कथा के छठवें दिवन कथा प्रसंग गोपी गीत, उद्धव गोपी संवाद, रुक्मिणी विवाह उत्सव पर व्याख्यान हुआ।

उन्होंने कहा कि हृदय से भगवान को कहा गया शब्द अथवा हृदय से की गई प्रभु भक्ति या फिर की गयी गौ सेवा ठाकुर जी द्वारा अस्वीकृत होती ही नहीं वो तो सदा ठाकुर जी स्वीकार करते है । प्रभावित करने के लिये की गयी भक्ति या फिर कोई भी सेवा नहीं करनी चाहिये। सदा विशुद्ध भागवत चर्चा अथवा सेवा व भक्ति सर्वश्रेष्ठ होती है। जो व्यक्ति भगवान के गुण सहृदय से गाते हैं, उन गुणों को ठाकुर जी जीवन में फलीभूत करते हैं।

कथा वर्णन में श्रीकृष्ण जी द्वारा गोवर्द्धन पर्वत को 7 दिवस 7 रात्रि धारण करने पर बृज वासियों व नंदबाबा के मध्य में की गयी चर्चा को महाराज जी ने विस्तृत रूप से बताया। महाराज ने बृज वासियों द्वारा ठाकुर जी के प्रति उनके प्रेम के विषय मे बताते हुये प्रेम की परिभाषा को परिभाषित किया।

उन्होंने आगे भरत जी का श्री राम जी के प्रति प्रेम विषय में बताते हुए आचार्य श्री रामसुखदास महाराज के द्वारा कथित प्रसंग को बताते हुए भाई भाई के मध्य में प्रेम के बारे में बताया और कहा कि जहां भाई-भाई प्रेम व स्नेह के साथ रहते हैं वहीं स्वर्ग उपस्थित हो जाता है।

उन्होंने आगे परिवार के अनुशासन का आदर करने वाले तथा अपनी इच्छाओं को प्रधानता न देते हुए परिवार के बड़ों के आदेश को प्रधानता देते हैं वह लोग ठाकुर जी के लाड़ले बन जाते हैं।महाराज ने आगे महात्मा बुद्ध के एक प्रसंग का वर्णन करते हुए प्रभु प्रार्थना का महत्व को बताया और हृदय में पीडा एवं होठों पर प्रार्थना होना भी एक प्रकार का बहुत बड़ा योगदान बताया। महाराज ने भगवान श्री कृष्ण द्वारा शरद पूर्णिमा की रात्रि को बांसुरी वादन का वर्णन करते हुए गोपी गीत का प्रसंग बताया। प्रेम की निर्भरता बताते हुए महाराज ने कहा कि मनुष्य जीवन में मनुष्य का महत्व कम होते ही मनुष्य की मानवीयता भी कम होती जाएगी। आगे गोवत्स राधाकृष्ण महाराज जी ने गोपियों तथा श्री कृष्ण के मध्य घटित संवाद का वर्णन करते हुए, आज के पति पत्नीयों को एक सलाह व नियम बनाने को कहा। पति पत्नी रोज एक घंटा संवाद करें जिसमें प्रेम के सहित छोटी मोटी नोंकझोंक भी हो। जिससे आपसी प्रेम बढे, क्योंकि धन दौलत से नहीं अपितु संवाद से प्रेम बढ़ता है।आगे गोपी गीत के विषय में महाराज कहते है कि गोपियों के बीच से प्रभु अंतर ध्यान हो जाते हैं एवं गोपियों द्वारा श्रीकृष्ण का आवाहन चरम पर हो जाता है, तब ठाकुर जी गोपियों के मध्य पीताम्बर लहराते हुये प्रकट हो जाते हैं तदुपरांत महारास होता है व महारास के बाद उनका कभी भी भगवान का वियोग नहीं होता है। इसके बाद महाराज जी ने गोपियों द्वारा युगल गीत का वर्णन किया।इसके बाद कंस द्वारा अक्रुर जी को बृज में श्रीकृष्ण व बलराम को लाने के भिजवाने व सारे बृज को श्रीकृष्ण के जाने से दुःखी होने का वर्णन तथा भगवान श्रीकृष्ण का मथुरा पधारना एवं मथुरा नगरी का नंद बाबा के साथ भ्रमण, वस्त्रों को धोते हुये व्यक्ति का भगवान के साथ व्यर्थ विवाद पर दंडित करना, सुदामा माली के ऊपर कृपा करना, कुब्जा के ऊपर भगवान द्वारा कृपा, कौलिया पीर हाथी का भगवान द्वारा वध, श्रीकृष्ण व बलराम जी का कंस के रंगशाला में जाकर शल, तौशल, मुष्टि, चाणूर आदि पैलवानों को धराशायी करके, कंस की चोटी पकड़ कर अपनी मुष्टि वार से कंस वध के उपरांत भगवान के मुंडन संस्कार, भगवान द्वारा अपने माता पिता वसुदेव देवकी को कारागृह के बंधनों से मुक्त, नंदबाबा को वापिस वृंदावन लौटाना, सांदीपनि ऋषि के यहा से विद्याध्ययन करके लौटना, श्री उद्धव जी महाराज भगवान के संदेश वाहक बनकर बृज में जाना, जरासन्द का मथुरा पर बार बार आक्रमण के कारण समुद्र के मध्य में भगवान द्वारा द्वारिकापूरी का निर्माण करना, वहा भगवान का निवास करना फिर भगवान का विधर्ब के राजा भीष्मक की कन्या रुक्मिणी के संग पाणिग्रहण के प्रसंग की कथा वर्णन कर कथा को विराम दिया।कार्यक्रम में भागवत कथा श्रवण करने वालों को सूचित किया गया कि सोमवार दि. 7 जुलाई की कथा प्रातः 10 बजे से शुरू होगी।अवसर पर मुख्य यजमान एवं प्रसाद यजमान श्री पुरुषोत्तमदासजी प्रेमलताजी दीपकजी सीमाजी विजयवर्गीय, प्रसाद यजमान श्री ओमप्रकाशजी प्रेमलताजी अग्रवाल, कथा स्थल (हॉल) यजमान श्री चंद्रकांतजी लक्ष्मीजी डाकोतिया, श्री महेशजी सरिताजी डाकोतिया, श्री महेन्दरजी आशाजी डाकोतिया, अलंकार यजमान श्री जयप्रकाशजी दीपकजी आशीषजी विजयवर्गीय, दैनिक यजमान जय गौमाता जय गोपाल, श्री नरेश जी पिंकी जी अग्रवाल, श्रीमती आशाजी दानी, रायपुर, श्री आदित्य जी बृहिता जी हवेलिया, श्री मुकुंदलाल जी प्रेमलता जी डोबा एवं ध्यान फाउंडेशन हैदराबाद व प्रमुख गौसेवकों व अन्यों ने सहयोग प्रदान किया।

लोअर टैंकबंड स्थित कट्टा मैसम्मा मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए जी. किशन रेड्डी, अध्यक्ष लक्ष्मण, जिला अध्यक्ष भारत गौड, भाजपा नेता सपना गुप्ता, लक्ष्मी, संतोष, क्रांति, डिवीजन अध्यक्ष नरेश दयानंद,पार्षद सरला केतनी व अन्य ।

एचआईसीसी में शुरू हुई तीन दिवसीय हाईलाइफ प्रदर्शनी

हैदराबाद, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

त्यौहार एवं विवाह समारोहों को लक्षित हाईलाइफ की तीन दिवसीय फैशन प्रदर्शनी रविवार, दि. 06 जुलाई को माधापुर हाईटेक सिटी स्थित एचआसीसी नोवोटेल में शुरू हुई। इसमें देशभर से 350 डिज़ाइनर भाग ले रहे हैं।

हाईलाइफ प्रदर्शनी का उद्घाटन अभिनेत्री अभिनेत्री राशि सिंह, अभिनेत्री ब्रमारंबिका ने किया। अवसर पर बड़ी संख्या में मॉडलों ने परिधान एवं आभूषणों का प्रदर्शन किया। उद्घाटन के बाद मुख्य आयोजक एवं हाईलाइफ के सीईओ अबे डोमिनिक ने कहा कि दीपावली दशहरा उत्सव के जश्न को समर्पित इस प्रदर्शनी में 400 से अधिक डिज़ाइनर भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाईलाइफ प्रदर्शनी हमेशा से ही सबसे पसंदीदा लाइफस्टाइल, लग्जरी और फैशन प्रदर्शनी ब्रांड रही है। हैदराबाद में आयोजित होने वाले इस विशेष फैशन और लाइफस्टाइल प्रदर्शनी में 350 से अधिक डिज़ाइनर भाग लेते हैं, जिसके साथ हाईलाइफ हमेशा एक अद्वितीय खरीदारी अनुभव प्रदान करता है। श्री डोमिनिक ने कहा कि हम इस बात को ध्यान में रखते हुए फैशन प्रेमियों को उत्सव और शादी की खरीददारी का असाधारण अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से प्रदर्शनी का आयोजन कर रहे रहे हैं। शीर्ष फैशन लेबल, शीर्ष डिजाइनर और कलात्मक संग्रह के रूप में हाईलाइफ प्रदर्शनी देश की अपनी तरह की सबसे बड़ी फैशन और लाइफस्टाइल प्रदर्शनी है।

अबे डोमिनिक ने कहा कि फैशन, ग्लैमर, स्टाइल और विलासिता का एक रोमांचक प्रदर्शन इस प्रदर्शनी में दर्शनीय है। नवीनतम फैशन एवं डिज़ाइनर वियर, वेडिंग कलेक्शन, ज्वेलरी, एसेसरीज आदि की विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शनी में उपलब्ध है। यह प्रदर्शनी 8 जुलाई, 2025 तक जारी रहेगी।

अत्तापुर स्थित एसएनसी कन्वेंशन हॉल में ध्यान फाउण्डेशन श्याम बाबा नंदीशाला, ध्यान फ़ाउण्डेशन गौशाला के तत्वावधान में योगी अश्विनी गुरुजी की प्रेरणा से आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन अग्रवाल समाज तेलंगाना के नवनियुक्त अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने भाग लेकर गौ सेवा की। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के निवर्तमान अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, प्रमोद केडिया, नारायण गुप्ता, दीपक विजयवर्गी (एम्बीयन्स), अनिल अग्रवाल, महेंद्र खेतान, साकेत अग्रवाल, आशीष विजयवर्गी, विकास अग्रवाल, पुरुषोत्तम अग्रवाल, संजय तोतला, आदित्य हवेलिया, राजेश अग्रवाल, दीपक विजयवर्गी (ध्यान फाउण्डेशन एवं अन्य उपस्थित थे।

नामपल्ली स्थित भाजपा कार्यालय में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उन्हें भावभीनी पुष्पांजलि अर्पित करते हुए पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ भाजपा नेता प्रेम सिंह राठौड़, गोलकोण्डा जिला भाजपा अध्यक्ष टी. ऊमा महेंद्र, जामबाग डिविजन पार्षद राकेश जायसवाल, अमर सिंह, हरि काका, महेंद्र, जय तिवारी, शंकर एवं अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत रविवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल,महेश अग्रवाल,सुशील गुप्ता,महेश गुप्ता,शीतल गुप्ता,गोपाल गोयल,दीपक अग्रवाल,प्रीतिका अग्रवाल,सक्षम अग्रवाल,राजेंदर अग्रवाल,रेखा अग्रवाल,रोहित अग्रवाल,सुमन अग्रवाल, भगतराम गोयल,नंदकिशोर अग्रवाल,संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल,ई-जगन (चंपापेट),बिमल किशोरजी सांघी,नयन संघी राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

आगामी गुरुवार, दि. 10 जुलाई, 2025 को वैकुंठवासी भैयालाल गुरु रामानंद आश्रम, मुस्लिमजंग पुल, बेगम बाजार में गुरु पूर्णिमा महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। इस संबंध में एक बैठक सम्पन्न हुई। जिसमें निर्णय लिया गया कि गुरुपूर्णिमा कार्यक्रम गुरुवार को दोपहर 12.00 बजे महाआरती के बाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा। भक्तों से अधिकाधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया गया। उक्त बैठक में सुरेश अन्ना, शंकर यादव, सुनील कुमार पाण्डेय, राधेश्याम यादव, सीताराम यादव, रीतेश, भगत, अभिषेक, अनुष, रुद्रांश एवं अन्य उपस्थित थे।

देवशयनी एकादशी के अवसर पर बजरंग सेना तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष श्री एन.आर.लक्ष्मण राव ने भगवान विट्ठल और देवी रखुमाई का आशीर्वाद लेने के लिए पवित्र जंगल विठोबा मंदिर, गौलीगुडा का दौरा किया। दिव्य दर्शन के दौरान श्री लक्ष्मण राव के साथ उनके परिवार के किरण, नीलेश, दीक्षिता और श्री रघुनंदन यादव भी थे।

राधे राधे ग्रुप द्वारा अपने दूसरे केंद्र पर नियमित अन्नदान के अंतर्गत रविवार को बेगम बाजार गौशाला के समीप स्थित माता की मंदिर के पास जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवा, रवि अग्रवाल, अरुण जी, विनोद तोशनीवाल, अशोक अग्रवाल, गोविंद राम जी,नरेश बंसल,राधा जी,सुनील भाई, गोपाल भाई, शिव भगवान, किशन पाल, आशीष, रवि एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

रक्तदान शिविर का आयोजन

हैदराबाद, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। मारवाड़ी युवा मंच सिकंदराबाद शाखा द्वारा रविवार को अलवाल में आयोजित एक शाम बाबा रामदेव जी के नाम भजन संध्या कार्यक्रम में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति में शाखा मंत्री युवा पन्नालाल भाटी ने बताया कि अलवाल हैदराबाद में श्री बाबा रामदेव नवयुवक मित्र मंडल के तत्वावधान में एक शाम श्री बाबा रामदेव जी के नाम विशाल जम्मा जागरण कार्यक्रम में रक्तदान की जागरूकता के लिए रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। मंच द्वारा लगातार चार वर्षों से रक्तदान शिविर लगाया जा रहा है। पहली बार बाबा की असीम कृपा से 92 यूनित रक्त संग्रह हुआ। शिविर में पुरुष एवं महिलाओं ने बढ चढकर रक्तदान किया। रक्तवीर, रक्तविरांगनाएं रक्तदान करने के लिए कई घंटों तक कतार में खड़ी रहीं।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में वरिष्ठ नेता प्रेम सिंह , भजन गायक स्व. गोपाल बजाज के सुपुत्र सुशील बजाज भी रक्तदान शिविर में पधारे और कार्यक्रम की भूरि-भूरि सराहना की।

उक्त विशाल रक्तदान शिविर को सफल बनाने में आंध्रप्रदेश और तेलंगाना प्रांत के पूर्व रक्तदान संयोजक युवा मनोज जैन, प्राप्ति रक्तदान संयोजक युवा सुशील भायल, सिकंदराबाद शाखा के वरिष्ठ युवा नारायण लाल चावड़ा, कैलाश वैष्णव, अशोक चावड़ा, मंगलाराम चौधरी, गौरव जैन, दिनेश पूरी, नरपत भाटी, रामावतार काछवा, रक्तदान सह - संयोजक गौतम भायल का विशेष सहयोग रहा। सभी रक्तवीर रक्तविरांगनाओ को ब्लड बैंक की ओर से प्रशस्ति पत्र, उपहार दिया गया।

कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथिगण एवं सभी युवा सदस्यों का शाखा के रक्तदान संयोजक युवा दिनेश गहलोत ने आभार व्यक्त किया।

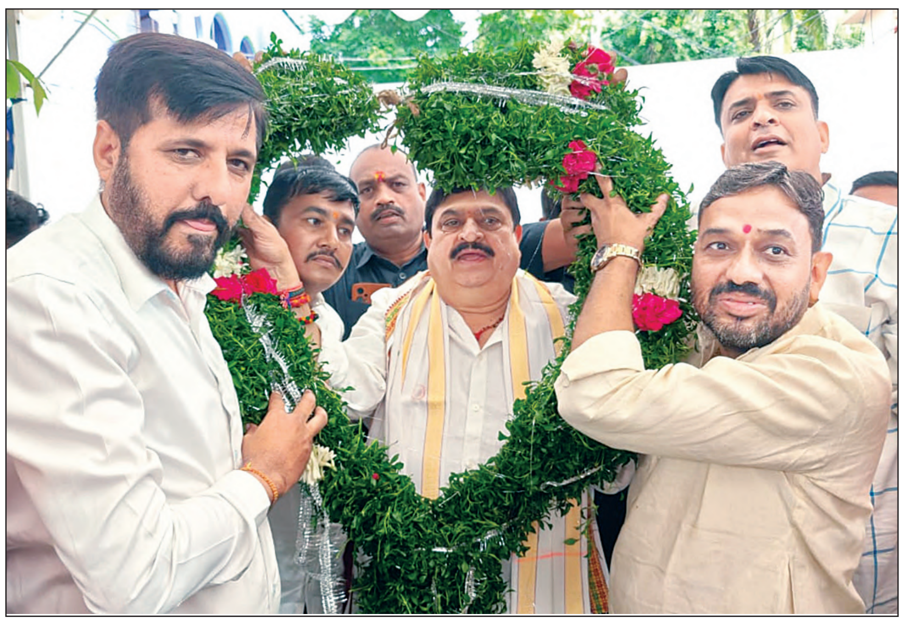

तेलंगाना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने पर एन. रामचन्द्र राव को बधाई देते हुए भाजपा नेता भबूतसिंह राजपुरोहित, भगवतसिंह बालावत, बाबूसिंह, महेंद्रसिंह, शंकरसिंह एवं बलवंत सिंह।

ताप्मा और यंग इंडियन्स के संयुक्त तत्वावधान में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 6 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रीकृष्ण गोसेवा मंडल में रविवार को तेलंगाना एंड आंध्र प्रदेश प्लास्टिक मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (ताप्मा) और सीआईआई - यंग इंडियन्स के संयुक्त तत्वावधान में भव्य पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के निर्माण के प्रति जन-जागरूकता फैलाना था।प्रेस को जारी विज्ञप्ति में ताप्मा के संयुक्त सचिव अरुण लाहोटी ने बताया कि कार्यक्रम में ताप्मा के पूर्व अध्यक्ष अनिल रेड्डी, अनिल नागदा, विमलेश गुप्ता, वर्तमान अध्यक्ष नरेंद्र बालद्वा, प्रबंध समिति सदस्य श्रीनिवास रेड्डी और पर्यावरण समिति के अध्यक्ष नितिन सांघी ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

सीआईआई - यंग इंडियन्स से अश्विन अग्रवाल, चेयरमैन - आईआई हैदराबाद, श्रीमती अश्मी शाह, चेयर - क्लाइमेट चेंज कमेटी, श्रीमती अमृता, को-चेयर - क्लाइमेट चेंज कमेटी समेत कई सदस्य, परिवार और मित्रों ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।इस आयोजन के दौरान 100 से अधिक पौधे रोपित किए गए। जिनमें छायादार, फलदार एवं पर्यावरण संतुलन में सहायक पौधे शामिल हैं।उक्त कार्यक्रम समाज में प्रकृति के प्रति संवेद-नशीलता बढ़ाने और सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना जागृत करने के लिए किया गया।

साथी हाथ बढ़ाना संस्था द्वारा सरकारी विद्यालय के छात्रों को पादुकाओं का वितरण

हैदराबाद, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना से प्रेरित होकर साथी हाथ बढ़ाना संस्था द्वारा रामगोपाल गुप्ता के नेतृत्व में शाहइनायत गंज, जुमेरात बाजार स्थित सरकारी उच्च विद्यालय में छठवीं से 10वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को पादुकाओं का वितरण किया गया। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार प्रधानाध्यापक राजेश जी एवं सीताराम शास्त्री ने उक्त कार्यक्रम में संस्था का भरपूर सहयोग दिया जिसके लिए संस्था ने उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पहल न केवल विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और सुविधा के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि उनके आत्मसम्मान में भी वृद्धि करता है। इस अवसर पर छात्रों को मीठा व नमकीन भी दिया गया। उक्त सेवा कार्य में आर्थिक रूप से रामगोपाल गुप्ता, गोविंद अग्रवाल, संजय अग्रवाल, गणेश अग्रवाल, निरंजन पंसारी, ओमप्रकाश गुप्ता, नरेंद्र अग्रवाल (यूएसए), दिलीप रेड्डी (यूएसए), सुरेश गुप्ता, अनिल गुप्ता, सुभाष गुप्ता, धीरज अग्रवाल, सरला अग्रवाल का सहयोग रहा। इस अवसर पर रामगोपाल गुप्ता, गोविंद अग्रवाल, संजय अग्रवाल, आरती अग्रवाल ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

गौ सेवा मित्र मंडल भाग्यनगर द्वार श्री समर्थ कामधेनु गौशाला में देवशयनी एकादशी पर गौ सेवा की गई। जिसका उपस्थित मनोज अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, यश अग्रवाल, विनोद राठी, सुनील जयलिया, श्याम अग्रवाल एवं अन्य भगतजन ने सेवा दी।

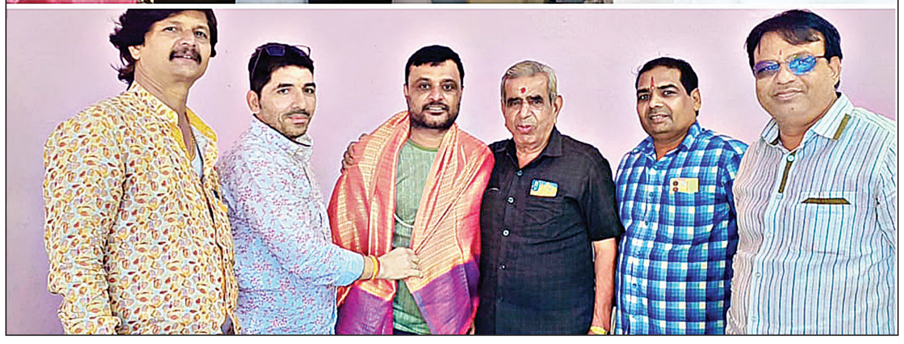

सिखवाल युवा प्रकोष्ठ तेलंगाना के प्रदेश अध्यक्ष नरेश पांडिया द्वारा प्रदेश में चौहमुखी विकास करने पर उनका शॉल व माला से सम्मान करते हुए रामदेव नागला, गजाधर कोलरिया (गज्जू भाई), नगर अध्यक्ष मुरलीधर तिवारी, रुपचंद व्यास, प्रदेशाध्यक्षा प्रेमलता व्यास, संदिप जायलवाल, नटवरलाल व्यास, कमल किशोर पांडिया, ओमप्रकाश पांडिया, धनश्याम व्यास, दिनेश पांडिया, भागीरथ पांडिया, किशोर कोलरिया दीपक व्यास ,अभीषेक उपाध्याय एवं अन्य उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना श्रीनगर कालोनी शाखा ने केशव नगर, श्रीनगर कालोनी स्थित श्री सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में शाखा के मानदं मंत्री ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष रामनिवास गुप्ता, परामर्शदाता डॉ. अजय अग्रवाल, अध्यक्ष उमाशंकर गोयनका, उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, मानद् मंत्री श्याम सुंदर अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्रीमती विभा अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य राहुल सिंघल, पूर्व अध्यक्ष अजय अग्रवाल, समाज सेवी सुरेश शर्मा, श्याम मंदिर शाखा के पूर्व अध्यक्ष सुनील मोदी ने पौधारोपण किया ।

इस अवसर पर कर्नाटका बैंक के प्रधान प्रबंधक सींगमा रेड्डी, रविन्द्रा मुख्य अतिथि मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे साथ ही पूर्व अध्यक्ष, श्याम मंदिर शाखा के सुनील मोदी और समाज सेवी सुरेश शर्मा को अंगवस्त्र पहना कर और पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। सभी सदस्यों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया। सुरुचि अल्पहार के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

नारनौल अग्रवाल समिति की साधारण सभा और चुनाव 20 को

कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नारनौल अग्रवाल समिति हैदराबाद-सिकंदराबाद के तत्वावधान में रविवार, दि. 6 जुलाई, 2025 को बेगम बाजार स्थित संतोष ढाबे में नारनौल अग्रवाल समिति कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न हुई। प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार उक्त बैठक में आगामी रविवार, दि. 20 जुलाई 2025 को साधारण सभा और वर्ष 2025-27 के पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों के चुनाव कराने का निर्णय लिया गया ।

उक्त बैठक की अध्यक्षता समिति अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल ने की। बैठक में वर्ष 2025-27 के चुनाव के लिए ओम प्रकाश अग्रवाल को चुनाव अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया।

बैठक में विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श के पश्चात आगामी 20 जुलाई को साधारण सभा तथा चुनाव कराने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर पंकज कुमार अग्रवाल ने बताया कि स्थान तथा समय की जानकारी शीघ्र ही चुनाव अधिकारी तथा समिति द्वारा सदस्यों को दी जाएगी ।विज्ञप्ति में बताया गया कि साधारण सभा तथा चुनाव में नारनौल अग्रवाल समिति हैदराबाद-सिकंदराबाद के सभी सदस्य भाग ले सकते हैं ।

बैठक में समिति अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेश अग्रवाल, महामंत्री तरुण कुमार अग्रवाल, विशाल बंसल, सरिता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, बबलू अग्रवाल, अनूप अग्रवाल, प्रवेश जैन उपस्थित थे । अधिक जानकारी के लिए फोन : 7989771272 पर संपर्क कर सकते हैं।

CHANGE OF NAME

I, Service No. 14684492A, Rank: HAV, Name: MANORANJAN MANDAL, S/o. BHABEN MANDAL, Unit: MCEME 'E' Coy, SECUNDERABAD, Residing at Vill: NARZUL NAGAR No. 4, PO: EASGAON CAMP, Teh: KAGAHZNAGAR Dist: ADILABAD, State: TELANGANA, Pin: 504296, I have Changed my Daughter Name from YUVIKA MANORANJAN MANDAL to YUVIKA MANDAL, That my daughter's date of birth is 19-07-2017, Affidavit P DAYAVATHI, LLM Vide Affidavit date 05/07/2025

मासिक श्याम निशान समिति द्वारा 74वीं मासिक निशान यात्रा का आयोजन हनुमान मंदिर मलकपेट से श्री श्याम मंदिर काचीगुड़ा तक भजन कीर्तन करते हुए किया गया। जिसमें भाग्यनगर के श्याम प्रेमियों ने भाग लिया।

काचीगुड़ा श्याम मंदिर पर पुनः लहराया गया सूरजगढ़ श्री श्याम निशान

हैदराबाद, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री श्याम मित्र मंडल (सूरजगढ़ निशान) अतापुर के तत्वावधान में हर वर्ष फागुन की एकादशी को चढ़ाए जाने वाला सूरजगढ़ श्री श्याम निशान कुछ दिन पूर्व किसी कारणवश खंडित हो गया था। इस आशय की जानकारी मंदिर प्रभारी रामदेव अग्रवाल ने श्री श्याम मित्र मंडल अत्तापुर को दी थी। तत्पश्चात श्री श्याम मित्र मंडल ने सूरजगढ़ से यह निशान विधि विधान से मंगवाया ।

जिसको मित्र मंडल के सभी कार्यकर्ता रविवार को प्रातः से ही श्री रामबाग राम मंदिर प्रांगण में सूरजगढ़ श्री श्याम निशान एवं सालासर बालाजी के निशान पूजा अर्चना करने के पश्चात पद यात्रा करते हुए काचीगुड़ा श्याम मंदिर पहुंचें। जहां गुंबद पर सूरजगढ़ श्री श्याम निशान चढ़ाया गया । इस आयोजन में श्री श्याम मित्र मंडल के गिरधारी लाल निठारवाल, श्याम सुंदर जांगिड़ सूरजगढ़ वाले एवं सोहनलाल नेहरा का विशेष सहयोग रहा। इसके अलावा अमित कुमार मोदी, डालूराम, राजेश स्वामी , राजेश साबू, ग्रीक अग्रवाल, लाल नाथ सिद्ध, श्याम सुंदर जांगिड़, संदीप जांगिड़, सोहनलाल नेहरा, अंकुश अग्रवाल, सुनील कुमार भूत, प्रकाश भाटी, राजेंद्र अग्रवाल, अशोक शर्मा, अशोक शर्मा पांडुरंगा नगर, शशिकांत शर्मा, विशाल जांगिड़, हरि सिंह शेखावत, पवन पींचा, पवन नालपुरिया, प्रहलाद निठारवाल सहित अनेक लोग इस यात्रा में शामिल होकर श्री श्याम मंदिर पुजारी श्री रामचरण जी के सान्निध्य में सूरजगढ़ श्री श्याम निशान मंदिर की गूंममज को सुशोभित किया गया ।श्री श्याम मित्र मंडल के संरक्षक पवन नालपुरिया एवं अध्यक्ष राजेन्द्र अग्रवाल ने सभी श्याम प्रेमियों को धन्यवाद दिया तथा इस एकादशी के मौके पर मंदिर में पधारे अनेक श्याम प्रेमियों ने सूरजगढ़ श्री श्याम निशान के दर्शन कर मोर छड़ी का झाड़श्र (आशीर्वाद) लिया।

एससीसीएल ने पहली बार सभी महिलाओं को खदान बचाव दल का प्रशिक्षण दिया

मंचेरियाल, 6 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) की पहली महिला बचाव टीम ने बचाव कार्यों में अपना प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है जो कंपनी के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है अपने 136 साल के इतिहास में पहली बार एससीसीएल ने 13 अधिकारियों वाली एक महिला बचाव टीम का गठन किया है जिन्हें 14 दिनों का विशेष प्रशिक्षण दिया गया है एससीसीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एन. बलराम ने शनिवार को हैदराबाद के सिंगरेनी भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रशिक्षित कर्मियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए इस अवसर पर बोलते हुए सीएमडी ने महिला बचाव दल के गठन और उनके विशेष प्रशिक्षण पूरा करने पर प्रसन्नता व्यक्त की उन्होंने दल के सदस्यों से बचाव कार्यों में अपनी योग्यता साबित करने और कौशल समर्पण और कड़ी मेहनत के साथ अनुकरणीय सेवा देने का आह्वान किया उन्होंने जोर देकर कहा कि टीम को आपात स्थितियों के दौरान अपनी ताकत और क्षमताओं का प्रदर्शन करना चाहिए और बचाव और सेवा गतिविधियों में सक्रिय रूप से योगदान देना चाहिए उन्होंने टीम को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बचाव प्रतियोगिताओं में भाग लेने और एससीसीएल का नाम रोशन करने के लिए अपनी शुभकामनाएं भी दी सीएमडी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सिंगरेनी बचाव दल ने हाल ही में श्रीशैलम सुरंग दुर्घटना हैदराबाद में आग दुर्घटना और तमिलनाडु में दुर्घटना के दौरान सराहनीय सेवा प्रदान की थी जिसके लिए उन्हें व्यापक सराहना मिली उन्होंने कहा कि एससीसीएल के बचाव केंद्र राज्य और केंद्रीय आपदा प्रतिक्रिया टीमों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं और उन्होंने रामागुंडम-2 क्षेत्र में स्थित खदान बचाव केंद्र को विश्व स्तरीय बचाव प्रशिक्षण केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना की घोषणा की।

अधिकारियों की लापरवाही के कारण बेकार पड़ा ट्रैक्टर

मदनूर, 6 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
स्थानिक जनता ने बताए की प्रदेश की पूर्व सरकार हर एक ग्राम पंचायत को गांव का कचरा साफ करने व पौधे को पानी डालने के लिए एक ट्रैक्टर व पानी टैंक दी लेकिन मदनूर मंडल धनुर गांव में देखा ज्याय तो यह ट्रैक्टर दो वर्ष से मूसलधार बारिश, ककड़ी थडी, तेज धूप में ग्राम पंचायत परिसर के एक कोने में रखा गया है आज इस की हालत स्थानिक जनता को देखा नहीं ज्या रहा रहे पूर्व की सरकार लाखों रूपये जनधन से धनुर ग्राम पंचायत को ट्रैक्टर लेकर दी लेकिन आज दो वर्ष से इस ट्रैक्टर के तरफ देखने वाला कोही अधिकारी नजर नहीं आरहा है।

इस विषय के बारेमे धनुर ग्राम पंचायत सचिव को पूछने पर बताते है कि मैने ट्रैक्टर दुरुस्त करने के लिए एक मैकेनिक को बुलाया उस ने बताए की इस ट्रैक्टर को एक जगह रखने इंजन में खराबी आई है इसे दुरुस्त करने के लिए 60,000 हजार रूपये खर्च करना होगा इस के बारेमे मै मेरे उच्च अधिकारी को ज्यानकारी दी मै क्या करु ग्राम पंचायत में निधि नहीं है इस लिय ट्रैक्टर नादुरुस्त पड़ा है।

नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर आयोजित

मंचेरियाल, 6 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर सेवा कार्यक्रम के तहत रघुनाथ वेराबेली फाउंडेशन के तत्वावधान में आज राजीव नगर, मंचिरियाल नगर में नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर लगाया गया है। रघुनाथ ने कहा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सहायता से उन्होंने 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना की। उन्होंने 1943 से 1946 तक अखिल भारतीय हिन्दू महासभा के अध्यक्ष भी रहे। चिकित्सा शिविर में जरूरतमंद लोगों के निः शुल्क नेत्र परीक्षण और निः शुल्क नेत्र ऑपरेशन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में 100 नेत्रहीन मरीज को चिकित्सा कराया गया एवं इस कार्यक्रम में पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भी भाग लिया।

सिंगरेनी ने कोयला प्रेषण लक्ष्य को पार कर लिया, शुरू होने वाली है नई खदानें

मंचेरियाल, 6 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही अप्रैल से जून के दौरान अपने कोयला प्रेषण लक्ष्य का 100 प्रतिशत और कोयला उत्पादन लक्ष्य का 99 प्रतिशत हासिल किया 16 मिलियन टन कोयला प्रेषण लक्ष्य के मुकाबले एससीसीएल ने 16.6 मिलियन टन कोयला प्रेषण लक्ष्य हासिल किया जो 103 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज करता है कोयला उत्पादन 15.99 मिलियन टन रहा जो 16 मिलियन टन के लक्ष्य के मुकाबले 99 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज करता है एससीस-ीएल के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एन. बलराम ने शनिवार को हैदराबाद के सिंगरेनी भवन में सभी परिचालन क्षेत्रों के निदेशकों और महाप्रबंधकों के साथ तिमाही प्रदर्शन की समीक्षा की प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त करते हुए बलराम ने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में सभी टीमों के प्रयासों की सराहना की उन्होंने अधिकारियों को चालू मानसून सत्र के दौरान खुली खदानों से निर्बाध कोयला उत्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जुलाई के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए उन्होंने कंपनी को प्रतिदिन 2.15 लाख टन कोयला भेजने तथा 1.8 लाख टन उत्पादन करने का निर्देश दिया उन्होंने कहा कि कोठागुडम में वीके ओपनकास्ट खदान के लिए भूमिपूजन समारोह जिसके लिए सभी स्वीकृतियां प्राप्त हो चुकी है इस महीने के अंत तक आयोजित किया जाएगाबलराम ने अधिकारियों से इलांडु जेके कोयला खदान और गोलेटी कोयला खदान के लिए पर्यावरण और वन मंजूरी प्राप्त करने की प्रक्रिया में तेजी लाने को भी कहा।

सीए की परीक्षा पास कर नेहा बनी चार्टर्ड अकाउंटेंट

किनवट, 6 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
लड़कियां अब किसी क्षेत्र में पीछे नहीं है। हर क्षेत्र में अपना झंडा बुलंद कर रही है. ऐसा ही एक उदाहरण श्रीक्षेत्र माहूर निवासी कृउबा के संचालक गुमानसिंह चुंगडे (ठाकुर)की सुपुत्री नेहा ने पेश किया है। नेहा ने सीए की परीक्षा पास कर चार्टर्ड अकाउंटेंट बन अपने परीवार का और श्री क्षेत्र माहूर शहर का नाम रौशन किया है।जैसे ही रिजल्ट जारी हुआ और नेहा के चयन की खबर परिजनों को मिली वैसे ही घर में खुशी का माहौल छा गया। परिजनों ने एक दूसरे को मिठाई खिला कर खुशियां मनाई। माल्यार्पण करके स्वागत किया गया।अपनी सफलता के बारे में नेहा ने कहा उसकी आरंभिक शिक्षा के बाद 12 वी की परीक्षा नांदेड के यशवंत कॉलेज से पास की उसके बाद अकोला मे क्लासेस कर के इस सफलता में बाधाएं भी बहुत आईं लेकिन नेहा ने हार नहीं मानी और सफलता प्राप्त की है। लक्ष्य बड़ा हो तो बाधाएं भी बड़ी ही आती हैं। कड़ी मेहनत, सकारात्मक सोच और धैर्य के साथ काम करते रहने से बाधाएं दूर होती हैं और सफलता मिलती है। यदि किसी को असफलता भी मिलती है तो निराश नहीं होना चाहिए, बल्कि अपनी गलतियों को समझें और उनसे सीख लेकर फिर से प्रयास करेंगे तो सफलता जरूर मिलेगी।इस अवसर ,माहूर पत्रकार संघ के अध्यक्ष सरफराज दोसानी, गजानन भारती,राज ठाकूर,बालाजी कोंडे,अपील बेलखोडे ने बधाई देकर नेहा को भेट वस्तू और सत्कार कि इस के अलावा जिप पुर्व उपाध्यक्ष समाधान जाधव, डॉ अजय जाधव, भाजपा के महेंद्र पुरी, कृउबा के पुर्व सभापती विलास गावडे, अत्रि नंदन शिंदे ने भी नेहा के साथ उनकी परिवार का सत्कार किया.इस वक्त छातनसिंग चुग़डे (ठाकुर), प्रीतम ठाकुर उपस्थित थे।

आषाढ़ एकादशी के अवसर पर विठ्ठलेश्वर मंदिर में भक्तों की भीड़

मदनूर, 6 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
पहली एकादशी के अवसर पर मदनूर के विठ्ठलेश्वर मंदिर में मंदिर के पुरोहित ने रविवार के सुबह विद्यालेश्वर भगवान को पंच अमृत से अभिषेक करने के बाद फूल माला व भोग चढ़ाया व महा आरती की इस समय मंदिर में स्थानिक भक्तो की भीड़ उमड़ पड़ी।

विद्यालेश्वर मंदिर में आषाढ़ एकादशी के अवसर पर सुबह से ही महिला व पुरुष छोटे बच्चे ने मंदिर में भगवान के दर्शन के लिए भक्तो ने विद्यालेश्वर भगवान की पूजा-अर्चना की। भक्तों ने बताया कि पहली आषाढ़ एकादशी के दिन विठ्ठलेश्वर के दर्शन करना शुभ होता है।

संयुक्त मदनूर मंडल के विद्यालेश्वर मंदिर में भक्तो की भीड़ नजर आई।

लोगों को नहीं मिल रहा राशन

अधिकारियों का कहना सितंबर तक करना होगा इंतजार

मंचेरियाल, 6 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
केंद्र और राज्य सरकारों के फैसले से कई राशन लाभार्थियों को नुकसान हुआ है बारिश के मौसम में परिवहन में दिक्कतें आने का हवाला देकर एक साथ तीन महीने का चावल देना शुरू किया गया लेकिन चिंता की बात यह है कि यह सभी को दिए बिना ही खत्म हो गया पर्याप्त स्टॉक न होने और अगर आया भी तो चावल रखने की क्षमता न होने के कारण पिछले महीने में क्षेत्र स्तर पर कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा चावल के लिए लाभार्थियों को दुकानों के चक्कर लगाने पड़े कई मजदूर अपना काम छोड़कर राशन का चावल लेने दुकानों पर गए लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ कई बार डीलरों द्वारा चावल न होने का बोर्ड लगाकर यह कहकर वापस भेज देने की घटनाएं सामने आई हैं कि चावल नहीं है कहीं भी राशन लेने की नीयत से अगले केंद्र पर गए तो भी यही स्थिति देखने को मिली बार-बार चक्कर लगाने के बावजूद चावल न मिलने पर हजारों लोग वापस लौट गए आंकड़े बताते हैं कि संयुक्त आदिलाबाद जिले में करीब 30 फीसदी लोगों को चावल नहीं मिला है संयुक्त जिले में जून जुलाई और अगस्त के तीन महीनों के लिए प्रति यूनिट छह किलोग्राम प्रति माह या 18 किलोग्राम की दर से चावल वितरित किया गया।

बीरला ने वैदिक विद्यालय के निर्माण के लिए भूमिपूजन किया

यदागिरिगुट्टा, 6 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सरकारी सचेतक अलेरू विधायक श्री बीरला अयिलैया गारू ने वैदिक विद्यालय की परिधि दीवार के निर्माण के लिए भूमिपूजन समारोह कियातेलंगाना राज्य सरकार के सचेतक अलेरू विधायक बीरला अयिलैया गारू ने यदाद्री भुवनगिरी जिले के यदागिरिगुट्टा मंदिर नगर परिसर में बनने वाली वैदिक विद्यालय की परिधि दीवार के निर्माण के लिए भूमिपूजन समारोह किया। बाद में वन महोत्सव कार्यक्रम के दौरान मंदिर नगर वैदिक विद्यालय परिसर में पौधे रोपे गए।

हमें अधिकारों की रक्षा के लिए मिलकर काम करना चाहिए : अब्दुल रहमान

कुमरमभीम/आसिफाबाद, 6 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
कोमुराम भीम आसिफाबाद: तेलंगाना राज्य श्रमजीवी पत्रकार संघ (टीयूडब्लूजे-आईजेयू) जिला अध्यक्ष अब्दुल रहमान ने पत्रकारों से एकजुट होकर अधिकारों के लिए आंदोलन करने का आह्वान किया है। रविवार को वे जिला केंद्र के ए रोज गार्डन फंक्शन हॉल में आसिफाबाद इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर टीयूडब्लूजे (आईजेयू) जिला अध्यक्ष अब्दुल रहमान ने कहा कि सभी पत्रकार एक परिवार के सदस्य हैं, और सभी को बिना किसी मतभेद के शामिल किया जाना चाहिए और नई कार्यकारिणी को एकता के साथ आगे बढ़ना चाहिए।उन्होंने कहा कि टीयूडब्लूजे (आईजेयू) पत्रकारों के कल्याण के लिए काम करेगा। उन्होंने नई कार्यकारिणी को पत्रकारों के अधिकारों की रक्षा के लिए काम करने की सलाह दी। इस अवसर पर उन्होंने नवनिर्वाचित इलेक्ट्रॉनिक मीडिया कार्यकारिणी को बधाई दी। इस अवसर पर प्रिंट मीडिया के अध्यक्ष महासचिव एस वेणुगोपाल, वाराणसी श्रीनिवास, जिला स्टाफ रिपोर्टर हनमय्या, राममोहन, चिप्पा सुरेश ने अपनी बात रखी और पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के लिए एकजुट होकर काम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि एक साथ आगे बढ़ने से समस्याओं का समाधान होगा। इस अवसर पर नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। नवनिर्वाचित इलेक्ट्रॉनिक मीडिया कार्यकारिणी को सम्मान आसिफाबाद इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रेस क्लब के नए अध्यक्ष कोंडापल्ली साईं कुमार, उपाध्यक्ष वोरागंती संतोष, महासचिव अनिसेट्टी सदाशिव, संयुक्त सचिव शिवा, कोषाध्यक्ष महात्मा भीम राव, प्रचार सचिव विजय कुमार, मानद अध्यक्ष राज कुमार, मानद सलाहकार सहारे राजू, वेंकेश्वरलु, सुरेश, रमेश लल्ला को उनके निर्वाचन पर शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

मंचेरियाल में नया प्राकृतिक चिकित्सालय खुला

मंचेरियाल, 6 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जिले का पहला 20 बिस्तरों वाला प्राकृतिक चिकित्सा योग और आयुर्वेद कल्याण केंद्र सत्त्व चेन्नूर मंडल के शिवलिंगपुर गांव के पास 20 एकड़ में खोला गया है जिले के लोग जो विभिन्न रोगों के इलाज के लिए करीमनगर हैदराबाद और केरल के प्राकृतिक चिकित्सा और आयुर्वेद कल्याण केंद्रों पर निर्भर थे अब चेन्नूर स्थित स्वैच्छिक संगठन सत्या फाउंडेशन द्वारा प्रचारित सत्त्व पद्धति का लाभ उठा सकते हैं जिससे उनका समय और पैसा दोनों बचेगा पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले में अपनी तरह की पहली सुविधा में आधुनिक सुविधाओं को प्राकृतिक परिवेश के साथ एकीकृत किया गया है सत्व के प्राकृतिक चिकित्सा चिकित्सक दम्पति के.एन. सुकुमार और समीरा रेड्डी ने बताया कि मरीज और आगंतुक परामर्श का लाभ उठा सकते हैं और सभी प्राकृतिक चिकित्सा, योग और आयुर्वेदिक उपचार जैसे पंचकर्म, जल चिकित्सा, चिकित्सीय मालिश, मिट्टी स्नान, सूर्य स्नान और अन्य सेवाओं के अलावा दवाइयां खरीदने और आवासीय शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आदि का लाभ उठा सकते है।

अवैद्य रूप से रेती लेकर जाने वाले ट्रैक्टर के चालाक पर कानूनी कार्यवाही

डोंगली, 6 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
डोंगली मंडल केंद्र के रेवेन्यू निरक्षक साईबाबा ने रविवार के दिन एक प्रेस मिट में बताया कि पोतगल मंडल के मंजीरा नदी से शनिवार देर रात अवैद्य रूप से ट्रैक्टर में रेती भरकर ले ज्याते समय डोंगली मंडल लिंबूर गांव में रेती से भरी एक ट्रैक्टर को पकड़ा गया।

उन्होंने बताया कि ग्रामीणों की शिकायत पर ट्रैक्टर को पोतगल मंजीरा जलग्रहण क्षेत्र से अवैध रूप से रेत ले जाते हुए रात करीब 2 बजे पकड़ा गया और डोंगली में तहसीलदार कार्यालय ले जाया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि अवैध रूप से रेत ले जाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

विधायक बीरला ने अलेरू कस्बे में प्रभातफेरी में भाग लिया

यदागिरिगुट्टा, 6 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
गुड मॉर्निंग अलेरू मॉर्निंग वॉक तेलंगाना राज्य सरकार के सचेतक अलेरू विधायक बीरला अयिलय्या लोगों से मिले।इस अवसर पर उन्होंने अलेरू कस्बे के विभिन्न वार्डों का दौरा किया, लोगों की समस्याओं के बारे में जाना और कहा कि कई समस्याओं को अधिकारियों के ध्यान में लाया जाना चाहिए और उनका समाधान किया जाना चाहिए। इसी तरह, उन्होंने तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा बड़ी महत्वाकांक्षा के साथ शुरू किए गए इंदिराम्मा हाउस के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया, लाभार्थियों से बात की और कार्यों की प्रगति जानी। उन्होंने अलेरू कस्बे में बन रहे रेलवे अंडरपास ब्रिज के कार्यों का निरीक्षण किया।

पालतू कुत्तों को नि:शुल्क एंटी रेबीज टीका दिया गया

मदनूर, 6 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना सरकार के आदेश नुसार विश्व जूनोसिस दिवस के अवसर पर मदनूर पशु चिकित्सालय में रविवार के दिन कुत्तों को निःशुल्क एंटी-रेबीज टीके लगाए गए। इस अवसर पर पशु चिकित्सा कर्मचारियों ने मालिकों को अपने पालतू कुत्तों के प्रति बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताया। उन्होंने राज्य सरकार के पशुपालन विभाग के तत्वावधान में पशुओं को दिए जाने वाले टीकाकरण, चिकित्सा उपचार और अनुदानों के बारे में जानकारी दी।उन्होंने कहा कि स्थानीय अस्पताल में पशुओं के लिए दवाइयां उपलब्ध हैं तथा चिकित्सा कर्मचारी चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार हैं।

कांग्रेस सरकार का उद्देश्य लोगों को घर और सम्मान प्रदान करना है : उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क

हैदराबाद, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने दावा किया कि सरकार ने इंदिराम्मा इंदलू योजना पर एक साल में 22,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं.

रविवार, 6 जुलाई को खम्मम जिले में भूमि वितरण कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा, तेलंगाना में जैसे ही कांग्रेस सत्ता में आई, हमने पहले चरण में 4.5 लाख घरों के लिए तुरंत 5 लाख रुपये प्रति घर खर्च किए।

भट्टी ने आश्वासन दिया कि सरकार इस योजना के माध्यम से लोगों को घर और सम्मान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, तेलंगाना में 1.10 करोड़ परिवार हैं, और इंदिराम्मा सरकार लगभग 93 लाख परिवारों को कम से कम एक कल्याणकारी लाभ प्रदान कर रही है।

कृषि ऋण माफी पर भट्टी ने कहा कि राज्य सरकार ने लगभग

2 लाख किसानों के ऋण सफलतापूर्वक माफ किए हैं, 21,000 करोड़ रुपये सीधे उनके खातों में जमा किए हैं। उन्होंने कहा, हम निवेश सहायता दे रहे हैं, 6,000 रुपये प्रति सीजन, यानी प्रत्येक किसान को सालाना 12,000 रुपये। अकेले इस बरसात के मौसम के लिए, केवल नौ दिनों के भीतर, हमने रायतु भरोसा योजना के तहत 9,000 करोड़ रुपये जमा किए हैं।

तेलंगाना में शिक्षा पर बोलते हुए उन्होंने कहा, हमने आवासीय विद्यालयों में छात्रों के लिए आहार भत्ते में 40 प्रतिशत और कॉस्मेटिक शुल्क में 200 प्रतिशत की वृद्धि की है। कॉलेज के छात्रों के लिए, एक शुल्क प्रतिपूर्ति योजना लागू की गई है। इसके अतिरिक्त, युवा विकास के लिए राजीव युवा विकासम पहल के तहत, 8,000 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है।

महिला सशक्तिकरण पर भट्टी ने कहा, हमारी संस्कृति हमें महिलाओं को रानी की तरह सम्मान देना सिखाती है। इंदिरा क्रांति पथकम के माध्यम से हम महिला स्वयं सहायता समूहों को सालाना 20,000 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध करा रहे हैं। पहले साल में ही 21,000 करोड़ रुपये का ब्याज मुक्त ऋण वितरित किया गया। हमारा लक्ष्य पांच साल के भीतर कम से कम एक करोड़ महिलाओं को करोड़पति बनाना है।

उपमुख्यमंत्री ने टैंक बंड के विकास के लिए 6.45 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शुभारंभ किया, जो खम्मम जिले के मधिरा निर्वाचन क्षेत्र के मधिरा शहर की प्रगति में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

इस परियोजना का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, पार्क विकास, पैदल पथ और सार्वजनिक विश्राम के लिए उपयुक्त स्थान बनाना तथा मधिरा के लिए एक नए आकर्षण के रूप में स्थानीय लोगों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करना है।

डिप्लोमा को इंटरमीडिएट कोर्स के बराबर माना जाना चाहिए : तेलंगाना हाईकोर्ट

हैदराबाद, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने कहा कि दो वर्षीय डिप्लोमा प्रमाणपत्र को इंटरमीडिएट पाठ्यक्रम के समकक्ष माना जाना चाहिए।न्यायमूर्ति के. लक्ष्मण की एकल पीठ ने स्पष्ट किया कि तेलंगाना तकनीकी शिक्षा एवं प्रशिक्षण बोर्ड द्वारा प्रस्तावित इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में डिप्लोमा को इंटरमीडिएट पाठ्यक्रमों के समतुल्य माना जाना चाहिए।

उच्च न्यायालय कम्पेला हरीश द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिन्होंने शिकायत की थी कि तकनीकी शिक्षा के लिए उनके डिप्लोमा को डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन और डिप्लोमा इन प्री-स्कूल एजुकेशन में प्रवेश के लिए डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (डीईईसीईटी) द्वारा स्वीकार नहीं किया गया था।

उनके वकील ने तर्क दिया कि तकनीकी शिक्षा बोर्ड द्वारा 2001 में जारी एक आदेश के अनुसार, तकनीकी शिक्षा बोर्ड ने कहा था कि डिप्लोमा धारकों को उनके इंटरमीडिएट पाठ्यक्रमों के बराबर माना जाएगा।

शिक्षा विभाग ने जवाब दिया कि तकनीकी शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रस्तावित डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में तेलुगू और अंग्रेजी भाषा शामिल नहीं है, जो डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन और डिप्लोमा इन प्री-स्कूल एजुकेशन में प्रवेश के लिए आवश्यक शर्त है। हालाँकि, उच्च न्यायालय ने उनकी दलील को खारिज कर दिया।

हैदराबाद में कड़ी सुरक्षा के बीच बीबी का अलम जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न

हैदराबाद, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रविवार को शहर में मुहर्रम के 10वें दिन यौम-ए-आशूरा के अवसर पर शोक और उल्लास का माहौल रहा । इस अवसर पर विशेष प्रार्थना और सभाओं के अलावा कई स्थानों पर भोजन वितरण शिविरों का आयोजन किया गया। मुहर्रम' के रूप में जाना

जाने वाला यह दिन सदियों पहले कर्बला के युद्ध में पैगंबर मुहम्मद साहब के पौत्र हजरत इमाम हुसैन साहब की शहादत की याद में मनाया जाता है।

इस दिन को मनाने के लिए पूरे शहर में विशेष धार्मिक सभाओं का आयोजन किया गया। जगह-जगह भोजन शिविर लगाए गए, जबकि युवा अस्थायी कियोस्क लगाकर लोगों के बीच शर्बत बांटते देखे गए। युवाओं के समूह अस्पतालों और वृद्धाश्रमों में भी गए और पका हुआ भोजन और फल बांटे।

पुराने शहर में बीबी का अलम (पताका) दबीरपुरा स्थित बीबी का अलवा से जुलूस के रूप में निकाला गया।

जुलूस दोपहर 1.00 बजे शुरू हुआ और शेख फैज कमान, याकूतपुरा रोड, एतेबार चौक, अलीजा कोटला, चारमीनार, गुलजार हौज, पंजेशाह, मंडी मीर आलम, दारुलशिफा से होते हुए शाम को चादरघाट स्थित मस्जिद-ए-इलाही पर समाप्त हुआ।

बीबी का अलम ले जाने के लिए कर्नाटक से एक हथिनी लक्ष्मी को शहर में लाया गया था। इस साल हाथी के आने में देरी हुई क्योंकि आयोजकों को जयपुर और दिल्ली से हाथियों के परिवहन के लिए वन विभाग से मंजूरी लेने में समस्याओं का सामना करना पड़ा।

शिया समुदाय के शोक संतप्त लोग या हुसैन के नारों के साथ छाती पीटते हुए जुलूस में शामिल हुए और जुलूस के मार्ग पर कई लोग कतार में खड़े थे। रास्ते में, कई प्रमुख हस्तियों और सरकारी अधिकारियों ने अलग-अलग जगहों पर बीबी के अलम पर धाती चढ़ाई।

हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी.वी. आनंद और अन्य अधिकारियों ने चारमीनार पर अलम को धाटी चढ़ाई। शहर भर से कई अन्य छोटे जुलूस मुख्य जुलूस में शामिल हुए। पुलिस ने जुलूस के शांतिपूर्ण संचालन के लिए व्यापक व्यवस्था की थी।

लायंस क्लब आफ हैदराबाद राजधानी के पदाधिकारियों का 43वां शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

हैदराबाद, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

लायंस क्लब आफ हैदराबाद राजधानी के पदाधिकारियों का 43वां शपथ ग्रहण समारोह रविवार को अध्यक्ष लायन राजेंद्र जैन की अध्यक्षता में होटल रेसिडेंसी में आयोजित की गई। इस अवसर पर लायन इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 320डी के रिजन चेयरमैन लायन महेंद्र गुप्ता शपथ ग्रहण अधिकारी के रूप में पधारे। कार्यक्रम का शुभारंभ लायन गौतम अलिजार ने ध्वज वंदना के द्वारा किया।

सर्व प्रथम अध्यक्ष लायन राजेंद्र जैन ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में मीटिंग में पधारे सभी अतिथियों व सदस्यों का स्वागत व अभिन्नदन किया, तथा विगत विगत वर्ष के अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में सदस्यों द्वारा क्लब को नयी ऊंचाईयां प्रदान करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

क्लब के मानद मंत्री लायन प्रकाश एच. भंडारी ने विगत वर्ष 24-25 में किये गये सेवा कार्य का विवरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि विगत वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष में क्लब द्वारा सेवा कार्यों में कुछ कमी रही, फिर भी हमारे क्लब ने नेत्र दान, अन्न दान, रक्त दान, चिकित्सा शिविर, वृक्षार-ोपण, आदि कई प्रकार के सेवा

कार्यों के साथ शिक्षा सहायता के महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। हमारा क्लब डिस्ट्रिक्ट का एक अग्रणी क्लब हैं, व समय समय पर क्लब को रिजन व डिस्ट्रिक्ट में विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभी सदस्यों द्वारा क्लब को संचालित करने में प्रदत्त सहयोग व मार्गदर्शन के लिए आभार ज्ञापित किया।शपथ ग्रहण अधिकारी का परिचय लायन नवल बंग ने प्रस्तुत किया।शपथ ग्रहण अधिकारी लायन महेंद्र गुप्ता ने अपने वक्तव्य में क्लब द्वारा किये गए सेवा व प्रशासनिक कार्यों की प्रसंशा करते हुए कहा कि राजधानी क्लब हमारे डिस्ट्रिक्ट का एक महत्वपूर्ण क्लब हैं। समय समय पर क्लब द्वारा सेवा कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि राजधानी क्लब द्वारा लायंस भवन में राजधानी हाल व आडिटोरियम का निर्माण अपने आप में महत्वपूर्ण कार्य हैं, तथा महावीर हास्पिटल में डायलिसिस मशीनों भेंट कर मानव सेवा ही माधव सेवा को चरितार्थ किया हैं।

तत्पश्चात आपने आगामी लायनिस्टिक वर्ष 25 - 26 के लिए क्लब के नव निर्वाचित अध्यक्ष लायन श्रीगोपाल अट्टल, निवर्तमान अध्यक्ष लायन राजेंद्र जैन, मानद मंत्री प्रकाश एच भंडारी, कोषाध्यक्ष लायन मुन्ना लाल बंग, उपाध्यक्ष लायन रमेश गांधी, लायन मयंक जैन, सह-मंत्री लायन राजेश अग्रवाल, टेमर अरुण भंडारी, टेल ट्विस्टर नवल बंग, समन्वयक लायन पुरुषोत्तमदास मांधाना, लक्ष्मीनारायण राठी, गौतम अलिजार, गोविंद चांडक तथा रमेश गांधी व श्रीकिशन बंग को निर्देशक के पद की शपथ दिलाई।इस अवसर पर नव निर्वाचित अध्यक्ष लायन श्रीगोपाल अट्टल ने अपने वक्तव्य में कहा कि मैं सभी सदस्यों के सहयोग से क्लब को नवीन उंचाई पर ले जाने का भरसक प्रयास करुंगा।शपथ ग्रहण अधिकारी का अध्यक्ष लायन राजेन्द्र जैन व निवर्तमान अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण राठी ने शाल,माला व स्मृति चिन्ह भेंट देकर सम्मानित किया गया।शपथ ग्रहण कार्यक्रम का संयोजन व धन्यवाद ज्ञापन लायन प्रकाश एच भंडारी ने किया।

इस अवसर पर क्लब के पूर्व अध्यक्ष मुन्ना लाल बंग, गौतम अलिजार, लक्ष्मीनारायण राठी, रमेश गांधी, पुरुषोत्तम अटल, दीपक अग्रवाल, राजेश कुमार अग्रवाल, कृष्ण कुमार गोयंका, नवल बंग, अरुण भंडारी, नरेश अग्रवाल, निशांत नावंदर, सागर अट्टल, विवेक, वंश, दर्श अट्टल आदि उपस्थित थे।

आरजीए की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

आरजीए के नये अध्यक्ष बने मनोज गोयल

हैदराबाद, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रविवार, दि. 06 जुलाई को आरजीए हॉल नामपल्ली के प्रांगण में वर्ष 2024-25 की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न हुई । अध्यक्ष द्वारका असावा के संबोधन से सभा प्रारंभ हुई । अध्यक्षीय संबोधन के पश्चात मंत्री अमित झंवर ने वर्ष 2024-25 की संस्था की गतिविधियों की जानकारी सभा को दी ।जिसकी सभा ने करतल ध्वनि से सराहना की ।

मानद मंत्री की रिपोर्ट के पश्चात कोषाध्यक्ष संदीप झंवर ने

वर्ष का वितीय लेखा जोखा सभा के समक्ष रखा जिसे चर्चा के पश्चात सर्वसम्मति से पारित किया गया ।

नया आरजीए हॉल लेने के उद्देश्य बनाई गई समिति के संयोजक गोपाल सारदा नए भवन कार्य की गई गतिविधियों की जानकारी सभा को दी ।तत्पश्चात नए भवन समिति के चेयरमैन ओमप्रकाश अग्रवाल ने सभा से निवेदन किया कि सभी आरजीए सदस्य तन, मन, धन से इस नए भवन कार्य के साथ जुड़े और अगली वार्षिक साधारण सभा का आयोजन नए सभा गृह हो ऐसा प्रयत्न करें ।

चुनाव के परिणाम घोषित करते हुए चुनाव अधिकारी प्रकाश नारायण राठी, चुनाव निरक्षक किशन गोपाल अट्टल, सुरेश चंद काबरा .ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों की घो-षणा की । सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि से नव निर्वाचित पदाधिकारियों का अभिनंदन किया ।

अपनी अभिनंदन संबोधन में नव निर्वाचित अध्यक्ष मनोज गोयल ने सभी भूतपूर्व अधिकारियों और वरिष्ठ सदस्यों का आशीर्वाद मांगा और अपने पिता के चरणों में नमन करते हुए आरजीए के साथ अपनी 25 वर्षीय यात्रा के संबंध में बताया । उन्होंने अपने दिवंगत मित्र विकास चितलांगिया को भी याद किया जिन्होंने उन्हें आरजीए का सदस्य बनाया । अध्यक्ष मनोज गोयल ने सभा के समक्ष अपनी भावी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा की वे आरजीए की परंपरा और नियम को ध्यान में रखते हुए कुछ नए कार्य करना चाहते है जिसमे ए-बुलेटिन, आरजीए आनंद उत्सव , आरजीए ऐप, आरजीए चिंतन गोष्टि, आरजीए भवन, आरजीए यूथ कॉनक्लेव ,आरजीए एनुअल लेक्चर,आरजीए शिक्षक सम्मान,आरजीए प्रतिभा विकास,ठ्ठ धूत मेमोरियल, आरजीए स्कालरशिप, आरजीए स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम मुख्य है। उन्होंने सभी सदस्यों से सक्रिय रूप से प्रत्येक कार्य में उपलब्ध रहने की प्रार्थना की और युवाओं को संस्था से जोड़ने पर जोर दिया ।इसके पश्चात नव निर्वाचित मंत्री अजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि अध्यक्ष मनोज गोयल द्वारा घोषित सभी कार्यक्रमों को धरा पर सफल करने में उनका पूरा सहयोग रहेगा और उन्होंने सभी आरजीए सदस्यों से भी सहयोग मांगा । नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष आनंद शर्मा एवं सम्पत दरक ने भी अपने अपने विचार रखे ।

श्री कच्छी विसा ओसवाल जैन समाज हैदराबाद के अध्यक्ष चुने जाने पर नितिन धरोड़, मंत्री किरण रांभीया एवं कोषाध्यक्ष हरेश देढ़िया का अभिनंदन करते हुए जागीरदार फाउंडेशन के मंत्री रिद्धिश जागीरदार एवं गुजराती समाज के दिनेश गोसर।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.